खानाबुद्र ।

Sexula

की तैयह के दरका है।

কলিকাত।।

্ৰাপার স্বকিউ র রোচ্চ নং ৫৯ °

water year

বিজ্ঞাপন।

যে সকল প্রস্তাব সংগ্রহ ক'বং প্রথম-ভাগ জ্ঞানস্পুর প্রস্তুত করা গেল্ড স্থার মধ্যে কেঁচ কান ও স্তাহ ইভিস্তানি ভেম্ববোদিনী প'লক'ডেভ ওবং কেনে কেনে কৰু দ বিবিদ'ৰ্য সম্ভাৱত ও ক'লিছে ১ইং জনল । গিছ বিনার-লয়ত ভাৰেদিলের পাটেক্সভ্ত ক্রেরে নিমিত रमने भक्त शब्दि १० त्य ऋत श्राहिष्ठां ना পরিবর্তন করা আবশাত বে ৮ ইইয়াছে তাহা করা গিয়াছে। সংঘারের সুং সৌভাগ্য সাধন ও মনুষ্য নামের গৌরব বর্তনের নিমিন্ত, নীতি-শাস্ত্র ও বিজ্ঞান-শাস্ত্র সম্বন্ধীর যে সকল জ্ঞান উপার্জন করা নিতান্ত আবশ্যক, বিদ্যার্থি বালকদিগকে ভাহার কিঞ্চিৎ কিঞ্চিৎ পরিচয় প্রায় ক্রিয়া ভদীয় শিক্ষালাভে সমুৎস্বক ক্রিয়া জ্বামান্ত্রের উদ্দেশ্য। এ উদ্দেশ্য যে প্রিয়াণে, ঝুদ হইবে, জ্ঞানান্ত্র সকলনের ভাৎপুথাও সেই প্রিয়াণে স্ফল হইবে।

श्रीनव्यक मन्।।

क्रान इत्।

ख्यमाशाः ।

कानरे सूर्यंत्र मृह ।

कान है मन्द्रशांत हुए, कान है मन्द्रशांत तक, कान है मन्द्रशांत की दन। दाहांत कान नाहें दुनहें स्थार्थ ककः सहित्र कान नहें दुनहें स्थार्थ धन-होन, खन्द सहित् कान नाहे का इति की दन्छ विक्रमां कानी त्यांक महाग्र-मण्डान-दिनीम इहेंदम खनामात्रा पूनव्हांत मक-काहे आख इहेंद्व शांद्रन, क्षर धांख हहेंगांछ भद्रम स्टार्थ विविधन देखांग किंद्रिक मध्ये स्टाग्न कान सैकिटन त्यांक मध्ये मध्ये प्राप्त महिल्ल महानाभ छ महत्व मध्येत भूग्रक भद्रम मुन्नी हुछ। स्थार क्षर निक्रमकान्द्रम मान किंद्रम के निक्रम कर्मन কানবংশ নেবাদে অং তিতি করিয়া শিশু। মাতা জী
পাত জাল বন্ধ সহৎ স্বজনের সংগণ ভাগ করিয়া
লগতি গাংলারিক সুতে মহা সুক্রেণ জাগা হওয়া
লগা, এবং জাং ধনতা প্রবাদনীয়াই ইংগও স্কুল বন্ধু
কঠন স্কুলং লাভ করিয়া অপুর্ব প্রথ সনীর্দ ধারা
লগত প্রধানহার করিয়া আপনাব ও অনোব স্থা
লগত প্রধানহার করিয়া আপনাব ও অনোব স্থা
লগতি করিয়াত পারা হায় এবং বিপদন্তেও অভাতী
বন্ধ করিয়া প্রভা স্থান কর্ম শ্রার মিতালাব মিতাল
ভার করিয়া প্রভা স্থান কর্ম শ্রার মিতালাব করিয়া প্রভা স্থান কর্ম শ্রার আহিবাল
লাবদে কন্ধ চিং পীত্রিত ক্সানের আহ্রাণ্য
লাভ করা হাল হয়।

बानी रंगाक मजन विजय ७ वर्षमा विषय कर्क्ष सम्बद्ध पर भड़े ५६ वह अन्यक स्टबंड व्यात्रान अश्व बिटिंग शास्त्रमा ५१ मजीय निक'त ७ करना मध्य विजित क्षात्रां प्रशास १३८७ विजित्न क्षात्रांत सूर्य कर्मन वर्ग क्षित्र बारका।

ক্ষেত্ৰত ক্ষেত্ৰ প্ৰায় ভ্ৰণ কৰিবলী বৰ্ণ চৰাই ক্ষেত্ৰ হইছে নাহনী হইছেছি, এই প্ৰক্ষা প্ৰায়ীৰ বাড়ভি ও ক্ষিত্ৰ বিষয় নিক্পৰ প্ৰক্ষা ক্ষেত্ৰীয় ক্ষাড়ভি ভাইৰে প্ৰিয়াণ প্ৰায় বিষয়

করিতে পারিয়াছি এবং ছাহার জভারর মন্ত্রী অব-তরণ করিছা আভারেরিক অনুত্র তক্ষ্মকল জাত বই তেও সক্ষম হইতেছি । জানপ্রছারে মনুষা কথন সিক্ষ निमक्त यन बाडिय भूगर बनाथ मेयूक-शर्स थावन ক্ষিয়া তথাকার ক্ষণ হা প্রকার আশ্চর্যা বিষয় অবগত स्टेटिंग्ड, कथन द्यापयादन जादबारन कविता देवान कीरवत मात्र काकान-भरेथ जमन कतिरज्ञ अतर कीन मन्त्र दाम्भीय-द्राय बार्ट्साइन कविया ब्रह्म निवरमद बर्द्स দুই মানের পথ অভিক্রমণ করিতেছে। জ্ঞান প্রাকৃতি ट्रिंश अश्रेश अकात जिल्ला-स्टर्गत निश्चम खित्र, जो जिल्ला एकर, ७ ७० भत्रीका कदिया बरमारतत अवात डेलकात माधन कतिएडाइ, कर महत्व महत्व প্রকার স্কীব কন্তর মাকৃতি ও প্রকৃতি পরীক্ষা করিয়া প্রাণ-বিদ্যার আশ্চর্যা প্রকার উদ্বতি শার্থন করি তেছে, কেই অসুবীকণ বস্ত্ৰ আৰিষ্ট কাঁটো তদৰ-नवन श्रीक तक एक अका अन्या की भार अस्ड इंडांस कर्बंड इट्डा अनिकंग्नीक पूर्व महिरादन खबलां करियाटक, धवर काम वाकि पुरवीकन गर्क নহার করিয়া অভুক্ত আরোশ মধ্রত স্থা হল বাই নক্ষা আমতি পদাৰ্থের আছুতি ও সৈতি মতিল বিষয় अनिकेशकत कडक प्राप्तकातीय श्रीकारी

হইতে নকোম লেক চক্র পূর্ণের গ্রহণ গণনা করিয়া বির করিভেছেন, এবং কোন গ্রম্ম কোন কারণ পরস্পর। অবলয়ন পূর্বকে অসুশান্তি ভাষী বিপদ আবগত হইয়া পূৰ্ব্য হইতে মৃত্তৰ হইতেছেন 🦈 আন-প্রিভাবে মনুদ। কথন ভয়স্কর দক্রের মূল ভীনে বিচুৎে-কেও বনীভূত করিয়া ভাড়িত বার্ডাবছ বস্তু নির্মাণ পूर्वक मधः महतूत भर्ष रहेए मनाः मधान व्याख हहे छ-ছে এবং দিগ্দর্শন যক্ত প্রস্তুচ করিয়া গভীর মিনীধ-नमरम् ७ व्यं द न नां भरतत् मेदा मिया धालय भर रद्भ ७ উত্তাল্ডরন্ধ-শালা ভুক্ত করিয়া পোতপরিচাপন পূর্বক বৰিকের গাঞ্জিত ও বাণিজ্যের নির্দিষ্ট-খনে উপনীত হটতেছে: জানবলে মনুহালাভি আভ বংসামানা ्यनिक कर्मर्थ करें। ज जान्त्र विश्व व र्गेष्ठ कहिया ভদীয় অংশক ছারা কভ নগর ও গ্রামাক আলোক-ময় কল্লিজেনে, এবং পদাধ্বিলার সামানা সংক্ষত अञ्चलक पड़ी, कर्ण है कि जाल एक तर प्रकेत ने शह-अभिनी भाष १५०० अंगा के भार छेलह लहास नहेश SISLIME I.

रक्ष के मान प्रति कार्य के उद्देश अगांशा शिक्षा पर्य के बहुत कार्य के बहुत का आहे आह्न प्रति के बहुत कार्य के बहुत कार्य के बहुत कार्य के कहा कृष्य के क्षित के बहुत कार्य के कार्य कार्य कार्य कार्य

कानई सूर्यक्र मृत।



বলিয়া অবধারিত করে, জানবস্ত-লোক অক্লেনেই সেই म्कल हुः द्वत निवात् कति कि मनर्थ हराम । कल्लानर कामारिशत अल्पेव इश्येत रुकु धदः क्रानहे रव আমাদিনের মুখের ছল পুণিবীর সকল স্থান হইছেই ভাহার সুস্ট এমাণ প্রাপ্ত হওয়া ধায়। অভাব হেডু এক সনায়ৰ মন্তব্য উপযুক্ত বাসস্থানা ' ভাবে অরণ্যে অরণ্যে ব: পর্যন্তে পর্যতে ভ্রমণ করিয়া কাল কেপ করিয়াছে, যথানিয়নে অন ব্যঞ্জনাদি প্রস্তুত করিবার ক্ষমতাভাবে কটু ভিক্ত ক্ষায় প্রভৃতি বনা কল মুবার্গদি বা বন্টব ও জন্তর জীব জানুর আম মাংস প্রভৃতি অনায়াস-লভা দ্বা ভদ্ল করিয়া জীবন ধারণ করিয়াছে এবং বন্ধ বয়ন করিবার শক্তির অভাবে निगमत त्वर्भ भावभे या ब्रह्मत उल्कल श्रीत्रशांन कविया जाद छि कि वियोद्ध अवर फान्ट्राकार मन्या गुरुव यनुषा वष्ट्रविध क्लोमान श्रम्भ अर्डेशानकामग्री सूरमा-ভিভ রাজপুরী নির্দ্মাণ করিয়া ভরুপো অপূর্ব্ব পর্যা-্কোপরি ছ্ডাকেন নচ্শ শ্যায় শয়ন করিভেছে, कर्सा कांचा ब्लब्स् श्लिश कांकू स्थित केंश्रीतन स्थान स्था প্রস্তুত করিয়া সুখেতে ভোজন করিতেছে এবং লোম কার্পাস ও পট প্রভৃতি নানা জাতীয় বন্ধ হারা অপুর্ব পরিছেদ পরিধান পূর্বক কত শত বাজসভা ও উৎ-সবালয়কে শোভিত করিতেছে। জানের সভাবে

रकाम मत्या रह कछ श्रीकात भूकत अम्बद्ध अमाउन *রা* করিলে এক ছান হইতে স্থানান্তর প্রাপ্ত হউতে भारत ने, स्ट्यांत जैनशांख निक्रभन किन जना स्कान ুক্তকারে দিজ্নিদ্দেশ করিতে সক্ষ হয় না এবং দিবারাকের গণনা ভিন্ন অপর কোন উপার দারা শালের বিভাগ ব। কালের নিরূপণ ক্রিভে জানে न এবং क्रान्ध्रमारम काल शक्ति दिना मंतीव मध्य-लारन विम्। कान जीरवत शन में जिन्न गाहारया ष्यपृत्वं ब्रांक्तीय मानाद्वाहरण काराण काराय मरधाः বছত্ব প্ৰান কৰিতেছে, অদুভ ভাড়িত বাৰ্ডবৈহ-বঞ্ প্রস্তুত করিয়। নিমেষের মধ্যে শত শত কোশের नःवान अवश्रक रहेंदलहरू, निश्नर्भन यञ्च निर्माण कवित्रा अकृत राजदात मधा निया तकनीत्यादग्र निष्क्रियं পূর্বক শীয় শীয় বাঞ্ছিত পথে গমন করিতেছৈ, অন্ত ঘটিক: অন্তন্ত সাহাযো অতি সুক্ষান্তস্থাৰ ৰূপে কালের বিভাগ ও কালের নিরূপন করিছেছে। ক্লাডঃ ित्यं मयत्र द्य त्मत्य दय शतिमात्य कान त्या किः विकीर्य इस, उपकारत उरम्भीय त्नात्क त्मरे भरिमात्करे क्ष त्रीजाना, त्जात क्रिया थात्क। स्त्राम अभारम अवस्थ दर मक्क दहर्ग महत्त्वत्र आंग्लम विश्व शति-अभिङ रहेटछर्ड, कानाजाद आठीन काटन छरन्नीम লেকত বে মণ ছমিশাপম হইয়াছিল, ভাষা মনে

করিতে ছঃখ বোধ হয়। যদিও মারী ভয়, ছ'ভক্ষ ভ্যিকম্প, জন্প্লিন এবং অগ্নুৎপাত প্রস্তৃতি নান্। জাতীয় নৈস্থিক বিপদ উপস্থিত ছইবার পূর্বলক্ষ সন্দর্শন করিয়াও তালার পূর্ম প্রতীকার করা আমা-निर्धात भाषा इस मां, उपाणि देश निःभरभारय तना गाइटङ পারে, यে পুলিনামধ্যে यদি সাধারণ রুপ্ अकुछ छात्नत अठात हह, छाट्। इहें व कथनहे मसूत्रा কুলকে সভভ নানা মত ছুঃখ দাবানলে দক্ষ হইছে হয় না এরং আনেক সময় অনেক ওাকার দৈব তুর্ঘটনার ও গ্রহিতিয়া সাধন করিতে পারা যায়। পরারভাদি এত পঠি ছার। অবগত হওয়া যায় যে মন্তুর। কাভি ক্রমে ক্রমে নান। বিষয়ের ছান লাভ শরিয়াই নান। প্রকার নৈস্থিক বিপদ ও শারীরিক রোগ ছইছে পবিতাণ পাইয়া আশিয়াছে। পূর্ব্ব কালে যথন লোক নমাজে প্রত্যক্ষিদ্ধ পদাথবিদ্যার বা প্রীকামূলক ब्याद्विमात्रः नमदिक श्राप्तंत्र रात्रे उरकानीन লোকে কোন শারীরিক পীড়ায় পীড়িত হইলে বা অনা কোন বিপদে পতিত হইদে তাহার প্রতীকার করিতে যত অকম হইত, অধুনা আর ডত হয় ন।। शूर्ताकारण मधन इंडिट्सांश चटल देशायन विकास प्रमेन धिक अठांत्र इस नाहे, उथन छेन्छ झात्न मत्था मत्था व्यत्नक मन्दा इर्णक्रम्य घनीकृष्ठ विषयः वाका वाता

विनके हरेल । अपनक कृत्रप्रकांत्रकाती ও थनि यसम কারী ব্যক্তি বছ কালের অব্যবহৃত গুদ্ধ কুপ মধ্যে অবভর্ন করিয়। না প্রানসংহারক হুর্নিত বাজ্পের পনি मद्यु क्षार्यमा कतिया मुक्तनार क्षान हातारेख, एकि-कातरम मनिता अञ्चलनाती शतिपातक-गन् छ प्रकाल প্রেকার ভূষিত বাপ্প পূর্ণ সুরাকুণ্ডমধ্যে সহসা অবতরণ ক্রিয়া প্রাণ ভাগে ক্রিড়, এবং বায়ু রুদ্ধ হত্-নধ্যে অনবর্ত অলারের ধূম আছাণ করিয়াও অনেকে অনেক দ্মায় মুত্রা থালে পতিত হুইত। অনতর যখন ইউ-রোপের পণ্ডিভগ্র পুনঃ পুনঃ রদায়ন বিদ্যার আলো-চন দারা নানাজাভীয় বাস্পের ওণাগুণ মবগত হইতে नानित्नम्, धनः वह्रविध भनार्थ उद्घ अनगठ इहेश नागा विवास धारीन इहेरलन, ज्यम छाहाता श्रूरकाङ প্রকার নৈস্বিক বিপদের প্রতিবিধান করিতে উদ্যোগী হালেন। ইউরোপীয় প্রতিগণ বার্ষার পরীক্ষা খুরা অবগত হইলেন যে পুরাতন কুপ, মলিন জলা-শায় লা প্রক্রিক খাত ও বাহুক্ত গহর এবং মদির কুত্ব প্রভূতি স্থানে কার্ম্বনিক স্থাসিড দাসক এক প্রকার বাক্স উৎপন্ন হয় এবং ঐ বাক্স দারা মন্তব্যের জীবনী সক্তিও অগ্নির দাহিকা শক্তি উভয়ই নউ ছইয়া যায়। উক্ত পণ্ডিতের। বায়ু ও বাজ্যের এই প্রকার স্বরূপ অনুসত হইয়া ব্যবসায়ী লোক ও পরি-

हातक वाकि-मिश्रा विस्था काट्टी मञ्जू कितिया দিলেন। ভাঁছারা প্রচার করিলেন যে অব্যবহৃত শুষ ও পুরাতন কুপ রাইকোন বায়ুক্ত নিম থাত ও গহর মধ্যে অবভরণ ক্রিবার পূর্মে ভন্মধ্যে অত্তর একটি প্রছারত উল্কা নিঃকেপ করা উচিত। যদি পুর্যোক্ত द्यारम के उन्हा श्रद्धानलारकार्डरे शास्त्र, लार्थ इट्टेंब उत्राधा अवजवन कब्रिट्ड क्लिन मेका नारे, কারণ যে বায়ুতে অগ্নি প্রজ্ঞজিভাবস্থায় অবস্থান করে, সে বায়ু সেবন করিয়া ময়ুব্যঞ্জ বঞ্জনে জীবিত থাকি-(क शांद्र । উक्के श्रकांत्र क्लामि मटका उल्या निति हुने নিংক্ষেপ করিবেও ভাহার নোষ নট হইতে পারে, অথবা কোন আয়তন ও ভার বিশিষ্ট বস্তু নিঃকেপ ক হয়া পুনঃ পুনঃ গেই কুপের বায়ু আলোড়ন করি-स । छाहात त्माय शतिहात कता माधा इस। রে পীয় পণ্ডিভগণের নিকট হুইতে ভক্ত সাধারণ क्तादक এই अकात नानाविध उन्दम्ब आखे रहेग्रा উলিখিত-রূপ নৈস্বিক বিপদ হই:ত ক্রমশঃ পরিতাণ প্রাপ্ত হইতে লাগিল। জ্ঞান প্রচার দারা ইউরোপ-ं यट ७ वयमन मिन मिन वहाविध देन गर्शिक हुई हैनात हान श्हेल्ड मानिन, त्महेक्रभे उथाय करम करम इंडिंक, माती उर, अकान मृजूा, विद्रामधि अञ्चित उराहत अला-চারেরও অনেক নিবারণ ইইতে আরম্ভ ইইল। জান

কীচার হেড় ইউরোপীয় আপানর সাগারণ লোকে উভবোভর বছ প্রকার শারীরিক রোপুহইছেও গ্রি कतिए कतिए कानिन । अमानि प्रमानीय रह मध्याक मूल्बी में जिस चारम बांस, मेलिन वर्ड शरियान, मिलन ভুৱা ৰাত্ৰহাৰ এবং ছুৰ্গজাযুক্ত দুৰ্গিতবায়ু সেবন করাতে त्यमन छदक्रे छदक्रे द्वारण चाक्रांख इस, श्रद्ध हेन-রোপীয় নানা ছানের মন্ত্রাও সেইরপ করাতে বছ প্রকার উৎকট পড়িায় প্রীড়িত চইত। কিন্ত জানের প্রচার হৈছু ভত্তত্ব আলামর সাধারণ লোকে যত পরি-কার কানে বাদ ও বিশুদ্ধ বায়ু সেধন করিতে যত্নশাল হইল, তত্তই উহার। সুস্কৃতা ও দীর্ঘায়ু ভোগ করিতে आंतर कृतिन। अभिनेश्वत अनंदक वर्शार्थ अनिम छ वायुटक आमानिटलब यथार्थ छान चक्रल कतिया है मृष्टि कतिमार्डिन, किस देश किश्यास द्वारश्य विसम्भाग कामा बादव अरदाध मेजूरबादा समझ बाबूरक विकृष्ठ अवर त्त्र वे वेबद्ध मिलन करिया आश्रमानिद्ध श्रीमनामें कतिया जुलियाटह । यूक्त तर्भ नकन विकास है कि नीं केंद्रित देव मगुरमात किलगांख छेबेंछ २३८७ পারে, ভাছা রপন করেয়া শেষ করা যায় না

পূর্বেও মনুষা জানোরতি সহকারে আপনার ছঃখ নিত্রতি করিয়া আসিয়াছে, উত্তর কালেও যত জানের জানুর হইতে থাকিবে ততুই মনুষোর হঃথ নিত্রতি হইয়া সুখোৎপতি বইবে সন্দেহ নাই। অভনন
মাহাতে প্রকৃত জানের জ্যোতি ছার। আপনার মনের
অন্ধনার ইনীতৃত হই য়া যায় এবং অনা ব্যক্তিকৈ জ্ঞান
প্রদান করিছা ভাহার কল্যান সাধন করিতে পারা
যায়, লকল গুলেরই সে বিষয়ে যন্ত্রনীল হওয়া
করবা। জ্ঞানই মনুষ্যে সকল ছাল হরণের কারণ
এবং জ্ঞান প্রসাদেই মনুষ্য সকল সম্পদ্লাত করিতে
সমর্থ হয়। যে ভাগাবান পুরুষ সর্বভাতাবে সকল
বিষয়ের জ্ঞান লাভ করিয়া আপনার বুজির্ভিকে
গর্থিক করিতে পারে এবং যে ব্যক্তি স্বদেশ বিদেশ
প্রস্তুতি সকল স্থানে জ্ঞান প্রচার করিতে সভত যত্ত্বশীল হয়, মনুষ্য জাতির মধ্যে সেই পোর্থ মহৎ এবং
কেই প্রকৃত প্রজনীয়।

অাণ্যে গোধা 🖰 🗼

এনেনীয় লোকের। বহু কালারণিই অগ্নিকীটের নাম শুনিয়া আসিতেছেন, কিন্তু কোন্ মূল হইছে যে উক্ত কীটের কথা উথিত হইয়াছে, বোধ হয় ভাহ। অনেকেই জ্ঞান্ত নহেন, জাত্তব সে বিষয় অবগত হই। নার জন্য অনেকেরই ইছা হইতে পাত্র। জগনীয়র এক প্রকার প্রাণী সৃষ্টি করিয়াছেন, ভাহার আকার श्चाम दर्शियकांत्र नाम वरः त्य क्रमिटक अमूनाम वर्ष দক্ষ হইমা ভাষাভূত হক এ প্রামী ভাষার মধ্যে পভিত उहेटन व मलीव मंत्रीत विहर्ग रहेटन भारती विश्व क्ष अदम्मीय श्र्वकातीन ब्लाटक के व्यक्ति अधि-की विवस मध्य कदिल । देश्यांक विवास छेशांक ्मर्कात्मखां अथार आध्यम र गांधा वटन ववर हरन छ নেশীয় অনেক অন্তিজ লোকেও উহাকে অগ্নিকীট रिक्या स्नारन । भूकीयधि देश्वय अकृष्टि व्यानकारनक श्रात्मक व्यविषद-नमारक উल्लिखिङ क्षष्ट्रचिछ अस्क्रेश अब अवान चाह्म, दर डेक बर अनागात्म अपनिष्ठ अधिमार्था मनीय शांकिए शांद्र खरः छाई। कि निर्मान उत्रिक्त ने के हैं। हे विश्व अकृति मिल्म अकरने अप्तक अप्ताथ त्वादक अक्रम विश्वान कृद्य, दव दिनेन श्राद्य खिं यकि क्यों बंड महर्व अर्थे हैं निर्माण स হয় ভাষা হইলে সেই অগ্নিতে এক আগ্নেম বোৰা कत्य । ेिव कांडरण रच उन्ह कन्न कन कन অগ্রিসমূত ও অস্মিচর বলিয়া মনে করিও এক কার বিজ্ঞানদৰ্শী তথানুসন্ধান্তী পণ্ডিতখণ ভাষার অনেক অনুসন্ধান করিয়া এই মাত তির করিয়াছেন, বে ভারতিত ক্রম্ব আত্ম বকার নিষ্কিত কুর্ণাশয় কর मीयत हेटाउन वि वक सद्द माकि अपान कतिया-्डम, चुनामनी क्षतांच्छ त्वादक दन्ने अकि मन्दर्भन করিয়াই উহাকে নিত প্রকার নানাবিধ কল্পিত গুল সম্পন্ন মনে করিয়াতে।

উলিখিত জন্ব শরীরময় সমূহ রক্ত্র আছে, উহা যখন কোন প্রকার মন্ত্রণার কাতর হয় যা কোন ভয়ে ভাত হয়, তথন উত্বার শরীরত্ব ঐ সমস্ত রক্ত্র হইতে কলবং এক প্রকার ট্রিপদার্থ নির্গত হয়, ঐ জলীয় পদার্থের এমন অদুত শুণ, যে ভদারা প্রস্থালিত মন্ত্রির ভেজও কিয়ৎ কালের জনা মন্দীভূত হইটা যায় এবং উক্ত কল্পত কথন মন্ত্রিতে পতিত হইতে ভারন-সরে অনায়াসে আগ্র হইতে প্রভান করিয়া তাণ পাইতে পারে। অপ্যবৃদ্ধি লোকে ঐ ভাতর এই থিকার শক্তি সন্দর্শন করিয়া উহার বিষয়ে নানা থেকার কপিত কথার রচনা করিয়াছে, ভাহার সন্দেহ নাই। বস্তুঙ্গ উক্ত জন্ম শ্রীয় অদুভ শক্তি সহকারে প্রজানত আগ্র হইতে পরিপ্রাণ পাইতে পারে বলিয়াই উহাকে আগ্রেয় গোখা বলিয়া উর্বেথ করা যায়।

উক্ত আগ্নেয় গোপার আরও একটি নমংকার গুণ প্রকাশ পাইয়াছে। উহার শরীরের কোন ভাগ ছেদন করিলে পুনর্কার দে ভাগ উৎপন্ন হয়, উহার কোন অন্ন ছিল হইলে যে ভালা একবার মাত্র উৎপন্ন হয় এমন নতহ, উহার শবীরের কোন ভাগকে মৃত বার ছেদন করা যায় ভাহা ভভবারই জনায়। উত্তাৰ আক্রের কোন কোন স্থানকৈ মাংস অতি সম্ব নিত এক কানে নিঃশেষে ছেদন করিয়াও দেখা গিয়াছে, পুনর্বার নেই সেই স্থানের অস্থিও মাংস স্কলি ক্যিয়াছে। উক্ত কন্ত অভ দীর্ঘ কাল ভ্যার অভান্তরে অবস্থিতি ক্রিতে পালে, এবং এ তুবারারত স্থানে কিছু মাত্র ভোজন পান এবং বায়ু সেবন না করিয়াও ক্লীবিত থাকে।

উল্লিখিও গোধা ছুই প্রকার দেখিতে পাওয়। বায়।
এক প্রকার সর্বাদা জনেতে বাস করে এবং এক প্রকার
সংলেতে থাকে। যে গোধা নিয়ত জনো থাকে, কৃপদীবার উহাকে জনোতে সন্তর্গ করিবার এক আশ্চর্যা
উপার প্রদান করিয়াছেন। উহার পুত্র দেশ ইলবাসী গোধার অপেক্ষা কিঞ্চিৎ প্রশান্ত এবং উহাত্ত্ব্বা
বাই অনায়ানে দ্বীয় শরীরকে জনোতে ভালাইয়া সন্তর্গ
পুর্বাক সর্বার গভায়াত করিতে পারে।

লিনিয়দ প্রভৃতি পূর্ব কালীন প্রাণিভত্তবিং পথি-তেরা এই গোধাকে এক প্রকার টিফ্টিকি বলিয়া নির্দেশ করিয়া গিয়াছেন, কিন্ত আধুনিক পঞ্জি-ভেরা উক্ত নভের থগুন পূর্বক ঐ জন্তর আকৃতি প্রভৃতি ও অন্যান্য বিষয় বিচার করিয়া উহাকে ভেক জাতির বধ্যেই গণনা করিয়াছেন। উলিখিছ গোধার আক্ষার দেখিলে আপাততঃ উহাকে টিক



টিকির আতি বলিয়াই বোধ হয় বটে, কিন্তু বিশেষ কলেপ পরীকা করিয়া দেখিলে তেকের সহিত্তই উক্ত কন্তর আকার প্রকাবের অনেক ভুলাভা দেখিতে পাওয়া যায়। সমুমান্তরে যেনন তেকের রূপান্তর হয়, সেই রূপ আহাতেনে উক্ত গোগারও আকার ভেদ হইয়া থণকে।

উক্ত জন্তুর আকার দীর্ঘে ১৮ বুরুলের অধিক নছে। কিন্দ ইহার আকার ইহা অপেকাও আনেক ব্রহৎ হইতে পারে। লেডন নামক খানে একবার: ২ বুরুল পরিমাণের একটি গোধাকে জরপূর্ণ কাঠময় তেথি মধ্যে রক্ষা করিয়া পরীক্ষাকর। হইয়াহিল। এ গোধার আকার অভি অপকালের মধ্যে গ্র'য় া সাদ্ধি হস্ত পরিমিত দীর্ঘ হইয়াছিল। উল্লিখিভ গোধার বর্ণ গাভ ছরিৎ বর্ণের ন্যায় এবং উহার গাতে ব্রণের ন্যায় ্সুত কুত এক প্রকার চিহ্ন দেখিতে পাওয়া যায়। উত্ত জন্ত প্রায় জামিষ ভক্ষণ করিয়াই জীবন ধারণ करत, किन्न कथन कथन मीर्घ ठाल अन्मराज (कर्म) করিতে পারে; প্রায় উহার আহারের ইচ্ছা শীঘ্র উপ-্স্তিত হয় না। যে গোধা নিরম্ভর জলেতে বাস করে, সে ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র মৎস্য আহার করিয়াই প্রাণ ধারণ করে : কলের গোধা অতি অপূর্ব কৌশলে আপনার লক্ষিত त्रदमारक ब्रेंड कविया थाया। छेहा अमनि निःभटक

জাপনার লক্ষিত্ত নির্দানে ধারণ করে, যে সে ভাহা জানিতেও পারে না। বিশেষতঃ কথন কথন এ প্রকারও ঘটনা হয়, যে গোধা মুখ বিস্তার করিয়া লক্ষিত মংসাকে তাড়া দেয় এবং স ভয়েতে প্লায়ন করিয়া উহার করাল প্রামেশগিয়াই পতিত হয়।

মরীচিকা।

खामती आंशां जलः त्य शांनात मृना मत्न कि त त कलः खारा मृना नत्र, छोशं वाष्ट्र शृश् । खे वाष्ट्र कल खरः कात्वत नाष्ट्र कल शांचा कल श कां त्यमन कर्म शांकित छोशंत मशांकिया करन शंनार्थ कांना यात्र, त्मरे क्रेश शांकिया करन शंनार्थ कांना यात्र त्या यात्र, त्मरे क्रेश शांकिया करन शंनार्थ कांना यात्र त्या यात्र, त्मरे क्रेश शांकि । खामता यथन त्यांन क्रिश शंकि श्री करेश थांकि । खामता यथन त्यांन क्रिश शंकि श्री शंकि । खामता यथन त्यांन व्या शंकि । खामता यथन त्यांन व्या शंकि । खामता व्या कांमांनित्य बाद्र प्रा शंकि । खामता क्रिश कांमता क्रिश क्रिश हित्य प्रा प्रा क्रिश क्रिश क्रेश क्रिश क्रिश

জনকণতে পূর্ণ থাকে, এবং কোনং সময়ে খুলিমগ্রও হইয়া থাকে। এই কারনবশতঃ সর্বাদা উহার মধ্যদিয়া কোন পদার্থ সন্থান রূপে দেখা যায় না। উহার পূর্বোক্ত রূপ নানা প্রকার অবস্থাতেদভারা আনাদি-গের দৃষ্টিকিয়ারও নাম। প্রকার ভিন্ততা ঘটিয়া থাকে।

অবস্থাভেদে বায়ু কোন্থ সময়ে জলের রপ ধারণ করে, এবং গলেতে যেমন ভলিকটস্থ রক্ষা, লভা, পশু, পদ্দীর, প্রতিরূপ দৃষ্ট হয়, সেইরূপ উহাতেও হইরা ধাকে। যে সময়ে বায়ুতে জামাদিশের জল বা অন্যাপদার্থের ভ্রম হয়, তথনই ভাগাকে মরীচিকা বলে। পদার্থবির ভ্রম হয়, তথনই ভাগাকে মরীচিকা বলে। পদার্থবিদ্যাবিং পণ্ডিভেরা কহিয়াছেন, যে য়খন প্রান্ত হ্র্যা-কিরণদ্বারা প্রশন্ত প্রশন্ত বালুকাপূর্ণ ভূমির জলীয়াংশ বাজপ হইতে থাকে তথনই মরীচিকার ভিপেতি হয়; ফলতঃ মরীচিকা বাল্কাপূর্ণ প্রশন্ত প্রশন্ত ময়ভ্রিতেই দৃষ্ট হইয়া থাকে।

তাকরিক। এবং আরবরাজ্যের মন্ত্রিতে যথন
মরীচিকার উৎপত্তি হয়, তথন এক পরনাদ্ভত শোভা
প্রকাশ পায়। সমস্ত মরুদেশ বিস্তীর্ণ সাগরের নাায়
প্রতীয়নান হয়, এবং ঐ মরুভূমির মধ্যত্তিত কুল্লং
গ্রামগুলি সাগর পরিবেক্টিত দ্বীপবিং অনুভূত হয়, এবং
ঐ, ভাজু জলাশয়ের নিকটস্থ জনপ্দের অট্যালিকা রক্ষ্
লভাদি সমস্ত পদার্থেরই প্রতিরূপ ভাহাতে প্রতিভা-

मिन हर्देस्ट थाटक। जुक्कीजूब मृतकूटलव नहीं विकास जनसम रहेरात त्य थानिक धारीम आहर, डाहा कान मुट्ड अमृतक नट्ट । दिनक धवर स्थानकातित्र यथन আরব কি আফরিকার প্রশান্ত মক্ত্রেত্র-সকল অভিজ-শণ করিয়া আপনাদিগের বাঞ্জিত স্থানে গমন করে, তৎকালে বারষার তাহাদিগের মনে পুর্বোজিখিত প্রকার ভ্রম উপাত্ত হয়। পরস্ত কি পশ্চাৎ কি সম্বর্ধ আপনার নিকটন্ত ভূমিতে কথনই মরীচিকা দৈখিতে शा अग्र भाग मा। त्करण पूत्रक जूमिए हे नदी हिना पृत्रे হয়। দশক যত মরীচিকার দিকে গমন করে মরীচ-ক। তত দৰ্শক্ত্ইতে দূরে প্রস্থান করিতে থাকে। শতক্তর ক্লাৰ্ক ৰাজ্য কৰিয়াছেন, যে ভাঁছাৰ ভ্ৰমণ কালে তিনি একদা এক অতুত মরীচিকা সক্ষর্ণন করিয়াছিলেনিরী তিনি রুসেট। নামক স্থানে গমন করিবার জন্য কত-শুলি ভারত্বাহী রাসভ ও কড়িপার আরবী লোকের সহিত এক বিভাগ মহতুমি উতীৰ্ণ হইতেছিলেন, এমত সময়ে তিনি দেখিলেন যে সমুধে এক বিস্তৃত मनी शांत न। इटेग्रा निर्दिष्ठ खाटन अमन कतिबात উপায় নাই, কিন্ত তাঁহার সলি আরবী লোকেরা আহ্লা-मध्यंक छेरेका करत करिक "बात आमानित्यत दर्गीन আশস্কা নাই আমরা নাজিত তানে পে ছিয়ছি," बाहे वाका खेतन कतिया **एकत् कार्क जा**रान महित्क

বিজাসা করিলেন, এখান হইতে রুসেটা নগর চুট হইতেছে বটে, কিন্তু আমরা কি প্রকারে এই সম্মু-খত্ৰদী পার হইব! ইহাতে নৌকাদি পারোপ মোগী কোন উপায় তো দেখিতেছি না।" আর্থী कहिल, "ना; अथारन कान ननी नाहे। जात तड़ विलय क्हेंट्य ना, जामब्रा अरु घलीत माधाई अहे বালুকাভূমি উভীর্ণ হইয়া রদেটা গমন করিব।" এই কথা শুনিয়া ক্লাৰ্ক কহিলেন, ''কি; ভূমি কি আমাকে বাতুল জ্ঞান করিয়াছ? আমি প্রভাক্ষ নদী দেখিতেছি, এবং তাহার জলেন্ডে প্রপার্থ নগরের অটালিকা ও রকাদির ছারাও সুস্পর্য দেখা যাইতেছে । আমি কি আমার আপনার চকেব প্রতি অবিধাস করিয়া ভোমার কথার প্রভায় যাইব!" আর্বী হাসা করিয়া কঙ্কিল, "ভাল আমার কথায় যদি ভোমার প্রভায় মা হয়, চবে ভোমার, এই পণ্চাৎস্ক্রিত অভিক্রান্ত বালুকা ভূমি নিরীকণ করিয়া দেখ, এখনি ভোমার ভন দূর হইবে ।' ক্লার্ক সাহেব ভাহার কথানুসারে আপনার পশাস্তাগে চৃষ্টিপাত ক^নে প্রেরিন, যে ভাহাতেও অবিকল এরপ জলাময় দুউ হইতেছে: এই লেখিয়া তাঁহার জন দূর প্রইল জেইং তিনি বিলিমত ও চমকিত रहेशा के जान्छता देनमधिक घडे पंत्र कांत्रविक्षा कतिएड লাগিলেন। তিনি বাস্ত করিয়াতেন, জান কোন 20

কারে তিনি উক্ত প্রকার পরিষ্কার সরীচিকা দৃষ্টি করেন নাই।

कान अञ्चल याक कवियादिन, त्य देश्ल**छ दम्**रम বি্টল চেনেলের তীরস্বালুকা কেত্রে ও আন্ম, সাগরের তীরত বালু ভূমিতে প্রথর ত্র্যারশি चिंठिक इटेट थारक उरकारन मही किना रमधा योष । ভারতবর্ষের মালব, রাজস্থান ও পঞ্জাব প্রদেশের अदनक मक्त्यत्व मतीहिकात घटन। इट्टेश बादक। य मुक्न अधिक वा विगटकता महीि कांत्र विषय मा कारन जारीता अनामारमञ् छेशारक वशार्थ क्रम स्त्राध ক্রিয়া নানা রিপদে বিশ্ব হইতে পারে। । कन्। অনেক তৃঞার্ত পথিক মরীচিকার জল বোধ করিষ্ট্ फ उब बोन्कारकटळ मक इहेगा थान जान क विद्याल । म्बाद्याच्याचे महीिकांद्र कांत्रन साम्याचा নিরূপিত হইয়াছে, যে ভূর্যোদয়ের কিয়ৎকাল নর अवधि मधारक्त किकिरकान पूर्व श्रीत स्टारात विक तीलिंग्टिक मतीकिंग। एक एस । जाड़ांत्र कांत्रण कहे त्य एकारन रग करन महीिक। एक हम, इश्रम स्म हरेट अक शंख वा त्म भंख द् छ छ कि अस वास्त बालि वक्व इहेश शास्त्र । वे नाम्न ब्रानित्व स्वा লোক পড়িলে ভাহা দর্পণের কার্য্য সিদ্ধ করে; কুড়রাং ভাষাতে উভগ পাৰ্ষের পদার্থসকলের প্রতিবিধ পড়িয়

पृष्टि शांक्र देश । बे श्राक्तियंत्रं नित्रमानूमकानश्रीता জ্ঞাত হওয়া গিয়াছে যে দৰ্শক হইতে বান্সরাশি যত দুরে থাকে আর ভাহাহইতে ভত দুরে যে সকল পদার্থ থাকে ভাই। দর্শকের সমন পণের বহু দুর হইলেও উক্ত ৰাস্পীয় মুকুরে প্রতিবিধিত হইয়া চৃষ্টি গোচর ্ও নিকটন্ড বেধি হয়। ভডাগ প্রভৃতি জলাশয়ে -চন্দ্রাদির ছায়া রেমন জনের কম্পনে কম্পিত হয় ঐ বাস্পীয় মুকুর বায়ুদার। ছিলোলিভ ১ইলে ওদন্তর্গত ষ্টায়াও সেইরপ কম্পিত হইয়াথাকে। ভড়াগে ফ্রেণ্ ভাঙীরস্থ মন্দির দির ছায়। পড়িলে তাহ। উল্টা দেe थे! य, भंती िक राज्य छात्र। जन्न ४ ज्वे। इहेया शास्त्र । 🏁 এইরূপে সমূক্রমধ্যে এক শত কোশ অভরে কোন জিহাঁজ থাকিলে পঞ্চাশ ক্রোশ অন্তরত বাস্পরাশিতে ত্রিপ্রতিবিশ্বিত দেখা যায়। নরীচিকায় নিম্নস্ত महोदर्भत छाग्रा छ कि तम्या यात्र धदर शक्तरहत जैश्रत थाकितन उर्क इहेटल छ क्रंड भागार्थत छात्र। निटम देमेथा निया थाटक। अहे हाया मृत्ना इस ক্রিয়া ভাষা হায়া বলিয়া বোধ হল না, প্রত্যুত প্ৰকৃত পদাৰ্থ বলিয়াই অনুভূত হয়, 'এই নিষিত্তই वैदादक हामा नी विनया भड़ीहिक। वना यात्र! ঐ বাস্পীয় ক্ষেত্রের বিভৃতিতে ছায়াও ক্ষমণ বিভৃত হইয়া অতি কুলু পদাৰ্থ অতি বৃহৎ, কদাপি অভি

রহৎ পদার্থ ছাতি কুল, কখন বা এক পদার্থের কোন ছান রহৎ ও কোন খান কুল, বোধ হয়। এই বিষ-মের প্রনাণার্থ পাঠক রুদ্দ এক খানি বড় দর্পণ নধো ছুটি করিলে অনায়াসে দেখিকেন যে বাস্পে যে রূপ ছুরুত্ব পদার্থের ছাড়া পড়িয়া চুটি গোচর হয়, ভাঁহার প্রকাং বিত পদার্থিও সেই রূপে দর্পণে প্রতিবিধিত হইকা, তাঁহার নয়ন পথন্থ হইয়া থাকে।

মরীচিকার পর্বতে রক্ষ নদী অল তড়াগ মন্দির শুদ্ধ আদর্শ আটালিকা মন্থা প্রাদি সকল প্রদার্থেরই আদর্শ দেরা হাইতে পারে; অনগণারিরা উক্ত সকল ক্সুই শরীচিকার দর্শন করিয়া থাকেন। ব্সুতঃ ছায়ারাজির ছায়া যে রূপ মরীচিকাও তক্রপ, কেবল ছায়ারাজি কাম্পনিক ও মরীচিকা নৈস্থিক এই মাত্র প্রচেদ।

कीयद्भव माक्ला। 💢 🧓

জীবনের তুলা প্রিয় পদার্থ বোধ হয় জগতে আর কিছুই নাই, জীবনের জনা সর্বান্ধ পরিজাণ করাও সহজ বোধ হয়; কিন্ধ যে জীবন মনুষ্যের এত ক্লিয় এবং যাহার প্লান্ধ মাট্টের স্থানতা কোন ক্রমেই মহু-ব্যার সন্ধ্যান বার্নিকে সেই জীবনের অধিকাংশই স্থান ক্রিয়াক কিছুনাল ক্লেতি প্রাপ্ত হয়েন না কোন কোন মনুষাকে আপনার জীবনের ২০ ভাগের ১৯ অংশ নির্থক কেপণ করিতে দেখাবার।

*কেবল নিডায় ও আলস্যে কাল ক্ষেপ করিলে সে
জীবনের কিছুমান সাংকতা হয় ন।। কুকর্ম ও কদর্যালাপদ্বারা কাল ক্ষেপ করা তদপেকাজাধিক অনিষ্ট কর। যে বাজি কুকর্মো ও আলস্যে কালকে নির্বক নই করিয়া দীর্ঘ জীবন উপভোগ করিবার ইছিায় বাাকুলিত হয়, তাহার তুলা হাস্যাম্পদ আর সংসার মধ্যে কে আছে! গুডোক কুসম লভা উচ্ছিদ্দ করিয়া কুস্ম কাননের লৌদ্দর্যা সন্দর্শন করিবার ইছা বেমন অসম্ভত, উল্লিখিত ইচ্ছাও সেই প্রকার জাকিকিংকর।

বংশর বেনন্ বসস্তাদি ঋতুতে বিভক্ত, পরবেশর
আনাদিলের জীবনকে সেইরপে বালা যৌবনাদি অবস্থা
দ্বারা ভিন্ন ভিন্ন ভংশে বিভক্ত করিয়াছেন, এবং উহার
এভ্যেক, অবস্থারই পৃথক পৃথক কর্ত্তবা কর্মা নির্দিট্ট
করিয়া দিয়াছেন। উহার মধ্যে কোন অবস্থা বিফলে
গত হইলে পরিলামে আর তাহার ফলভাগী হইবার
উপার হয় না। বর্ষার পুর্বে ধান্যাদি রোপণ না
করিলে যেমন হেমস্তাদি ঋতুতে কথনই ভদ্বংগল শন্য
থোপ্ত হওয়া যার না, সেই প্রকার বালা ও যৌবনকালে উপযুক্ত মন্ত মৃত্ব প্রশ্ন সহকারে বিদ্যা ধনাদি

উপার্থন না করিলে, রন্ধাবস্থায় কোন প্রকারে ভত্তৎপর
ক্রিম উপভোগ করা সাধ্য হয় না। ক্রতগানী সামুর
নাায় কাল প্রবল বেগে ধাবিত হইক্ষেছে এবং আমাদিলের জীবনের যে কাল গত হইতেছে, সে কাল
স্মাজমের মত আমাদিগের নিকট হইতে বিদায়
হইতেছে অভএব দর্মদা সতর্ক হইয়া আমাদিগের
প্রভাক অবস্থার উপযুক্ত কার্যা সাধন করিয়া জীবনের
সাধকত। করা নিভান্ত কর্ত্ব্য।

হস্ত পদাদি সঞ্চালন পূর্বাক কাতি পারপ্রথম না করিলে যে জীবনের সার্থকতা হয় না এমত নহে। আনরা যেমন জনসমাজে বাস করিয়াখনানিব সা-মাজিক সুখ সাধন পূর্বাক জীবনের সার্থকতা সল্পাদন করিতে পারি, সেইরপ নিজ্ঞান জাবন বাস করিয়াজ জীবনকে সফল করিতে সমর্থ ছুই। জন পূন্য বির্বা ছানে অবস্থিতি করিয়া আমরা যেরপে শ্রীয় শ্রীয়া চরিত্র মরণ পূর্বাক ভাষার সোঘাদোধ নির্দেশ করিতে পারি, সে প্রকার আর কোন সমুয়েই করিবার সামর্থা হয় না।

মনুষ্য সর্বাদা এক প্রকার কর্মে নিযুক্ত থাকিয় অথবা -অবিশ্রান্ত করিয়া কেনি মতে সুখ ভোগ ও শরীর মার্শ করিতে সক্ষম হয় না ৰটে, কিন্ত কুজিয়া অব-কর্ম ও রখা কর্মেয় অনুষ্ঠান দারা অবহার পারি

वर्डन करा कान कामरे कर्डवा नार । खर्शनीयत मनू-ষ্যকে বিচিত্ৰ ব্যাপার সাধন জনিত নানাবিধ উৎকৃষ্ট -भूर्य मूथी कतिवात छना छाशास्त्र এछ श्राकात मदकार्या गांधरनत अधिकांत्री कतिशाष्ट्रम, त्य मञ्चा यनि श्रीख मध्य श्रुपक् शृथक् मदिक्या मरमाधन शृक्षक जालनाव চিরায়ু নিঃশেষিত করে, তথাপি ভাছার শেষ হয় ना। अप्र अधायन स्वयन अकृष्टि नश्किया, भारीतिक साम्राम रमरे अभ वकि कर्डना कर्म । नाम श्रुक्तक व्यार्थाशार्कन कता याष्ट्रण कर्खवा, नाना तमन शर्याहन कतिया कश्रमीयद्वत् विचित्र त्रवना मन्दर्भन कहा एड-मनि ममनुष्ठीन। निर्दारक उक्ति कहा दिमन उठिछ, পুত্রকে প্রেহ করা ভক্রপ বিধেয়। দীন ব্যক্তির প্রতি দয়া অকাশ করিয়া নাখ্যানুসারে ভাছার ছঃখ মোচন क्रा त्य व्यकात উচিত, প्रतिमिडक्राल ट्डांकन शानामि সম্পন্ন করিয়া কীয় শরীর রক্ষা করাও সেই প্রকার বিধেয়া সংসার নধ্যে যে অনন কন্ত প্রকার ভিন্ন ভিন্ন नरकर्ना विमामान औरिष्ठ, छोहांत्र मर्था। कता प्रश्नाधा, অভএৰ বিবিধ আপান সাধন জনিত বিবিধ প্ৰকার प्रय त्लाग करिवात लगा किया किया অৰলম্ব করিবার আবশাকতা হয় না

অনবরত কর্ম শ্রম হইতে অবসূত হইরা মধ্যে মধ্যে আন্দোন অনোদ দারা আতিমূর করা নতুষা জাতির निखाई बारभाक, किछ विद्याम काल जनर्थक छ क्रिकों कार्या बारमानिङ हहेग्रा काल हत्रभ कित्रगंत्र क्रिकान आर्था कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्य कार्या कार्य क

বিজ্ঞানকালে কাল্যরনের অস্থালন ও সন্ধিদ্যালানী
সাধু মিত্রের সদালাপ উপভোগাপেকা আরু অধিক্র আনুমানের বিষয় কি আছে! সংসার মধ্যে বজ একার সুথের ব্যাপার আছে, বোধ হয় বনোনত নিক্রের মুখবিগলিত সুধানম মিন্টালাণের তুলা আর কিছুই নাই। প্রিয় বন্ধুর সহিত মিন্টালাপ করিবার ক্ষমর হংপদা যে প্রকার বিক্সিত হয়, সে প্রকার আর কিছুতেই হয় না। অতথ্য বিপ্রাদ্দালে আনুরা স্বিক্ত বন্ধুর সহিত সদালাপ করিয়া জনায়ানে সম্

निटर्काय आद्याम । तकु वाकादवत मध्या काम दास्कि चत्रवान् यमि मधूत यदत मङ्गीद्भत आवाल कदतन, ভাষা হইলে, অনায়াদে অপরাপয় দশ বাজি তত্ত্বশে स्वी ११८७ शास्त्र । अञ्चत स्थारम कर्मा अस हरेट अवमृत हरेशा जात्मान अद्गादन कालहक्रम করিতে বাসনা হয়, তথন সুগ্রিত মন্ত্রীত শালেক **भाजप्र धर्म क**तिया भीवत्नत नायना कता मा**ज्यिक** স্থানায়ক। সঞ্জীতের স্থানয় রসভোগের তুলা নিৰ্দোষ আন্দোদ প্ৰাপ্ত হওয়া অভি হৰ্লভ ক্ৰি তের সন্মোহনী শক্তি হারা প্রোভা ও গাভা উভয়েই অপার স্থ লাভ করিছে পারেন, কিন্তু এহলে মনো-ৰখ্যে এই নিৰম আক্ষেপ উপস্থিত হইভেছে বে, ंधमन मधूमम् नकी छत्रन यटधा यटधा भाषा भाषामा भक्ति খানে পভিত হইয়া দ্যিত ও সাধুদিগের অগ্রাহ হইয়া গাকে, কিন্ত হাঁহারা সম্বীত পাজের পার্ষ व्यार्थनीय शीकृष भान कतित्राः निर्मालानम् छेभएला ग করিতে অভিনাৰ করিবেন্ তাহারা বে উহাকে অস্থান কংগত হাল হইতে উদ্ধার করিয়া গ্রহণ क्रियन, ठार एउ चाह मार मारे ।

প্রসারিত প্রান্তর, হনির্মান নদীর তীর ও সচার রূপুন লতা পরিপ্রিত পুত্রকানন প্রকৃতি রনগীয় হানে বন্ধু বান্ধবের সহিত একর জমণ করিয়াও উৎ-

क्रके निद्धीय जारभाम छेशटलाश करा यात्र। नेमाद्यत मध्या कविलाखं कर्य कविया एकरनाटन विनि कथना हितिषिक क्रश अरित श्रीतक्रमन कित्रपाटकन, তিনিই বিলক্ণ, অৰগত জাছেন, উক্ত প্ৰকার নিভুত . खमेल ,क्रिट्ड घटनामट्या कि शर्याय जानत्स्त्र উপন্তি হয় এবং শরীরের আভিইবা কত দুরে পমন करता मध्यात मत्था ध ध्यकात लंड मङ्ख त्रश निट्हीर . ७ फें दक्के आत्मादम्ब विषय विमामान आदेह अवर ्राष्ट्री अवनवन क्रिया त्नांटक क्षेत्रायारम क्रीअन पृत्र করিয়া তথী হইটত পারে, অভেএৰ যে ব্যক্তি ৰথাৰ্থ পথ অবলয়ন করিখা কার্য করে, ভাহাকে আমোদ व्यटमारमञ्ज सन्। भेनाक्रमांबर इश्रा रक्षण क्रिट्ड इह-त्म वास्कि नक्षं ध्यकारब्रहे सदकर्य नाधन क्रिक्स আপ্নার জীবন সার্থক করিতে সমর্থ হয় এবং জা-बाबरे जीवन शकुष जीवम बिल्या शिव गिर्व रहेरक

विजीय संभाग ।

काल मुद्दा।

कार कार कार मात्र मोकानमध्य प्रदर्शत कार्जित कार्यन कार, नाश्चलका के प्रचनकार किस्स्कृति

पूर्वा बनिया अस्ति व करतन । व ने जोक करवी से अहक चलाख चनाधातम घरेना, देश नक्त नक्त काटम (म-बिटंड পांख्या यात्र नां, त्कानर जनस्कानर सात्न अहे भद्रमोस्ड चंद्रमात छेदेशिक रहा। देश दिनिधटक कडि আশ্চর্যা; ইহার সহিত প্রকৃত তুর্বোর কিছু মাত্র প্রকেদ त्वाच रम ना। अकृष्ट स्ट्यांत नाम हैश हरेल्ड कियम अक्षाणिक इहेटक शांक। य ममस ब्लाटक ভাক্ত ভ্যা উদিত হইবার যথার্থ কারণ ন। জানে, ভাহারা ভাহা সন্দর্শন করিলে অনায়াসে প্রকৃত দিবীকর বলিয়া প্রভায় মাইতে পারে। কি প্রকারে আকাশ পথে এই প্রকার ভাক্ত স্থর্নোর উৎপত্তি হয়, বৌধ করি ভাহা জাত হইতে অনেকেরি ইচ্ছা হইতে भौरत्र। अर्धेनश श्रीकृत्कित द क्याति पिनरम इडे-रताल **चटछ**ते श्रामग्रीतिरकात जलकं जी स्मतिन्दर्भ নানৰ ভানে একৰা ক্ৰিকার ভাক্ত হুৰ্বা প্ৰকাশিত ইইয়াছিল। বে দিবৰ উলিখিত হানে ঐ অসাধা-वर्ग परिना मधुर श्रेयोधिन, त्म निवम उथाये लाकाम है পথ অভিশয় পারিদার ছিল, এই স্থা হইতে ছভি-न्त्र निर्मान त्यारीक विकेशि इति। क्षित्र है विकासमादन

कारता शक कार्क्मा, काक श्रद्धात कार्विक्षात स्टेग्न তিরি । এ ভার হুর্যোর শহিত, প্রথমতঃ একুড ই হৰ্ষের আর কি ছু-মাত্র ভিষুতা বোধ হয় নাই, কেবল উহার বর্ণ প্রকৃত ক্র্মাণেকা কিঞ্চিৎ লোভিত বোধ হইছে ছিল 🎙 অন্তর প্রকৃত ভুবা বত ক্রে উলি-'ৰিড নেম্বাভিমুবে অধ্যস্ত হইতে আরম্ভ করিল, ভঙ্জই ने जाक ऋर्गात लाहिक मृद्धि कास्त्रिक हहेत्र। यथाचे स्वीकाद्व भविषठ इहेट वाणिन अतः उन्हा इहेटड ক্রমে অভিন্ন ভূর্য্য-রশিব্র ন্যায় পরিষ্ঠার কিরণ প্রকা-निकं इट्रेंड गांत्रिक। शाद्र श्राकुछ मिराक्त कर्षम অধোগামী হইয়া ঐ ভাক্ত বিবাকরের সহিত একতিত स्रेमा श्रम, बन्द वे इहे पूर्व। अक वरेमा प्रविम। स्वक्रीत धाक्र एवं। ऐतिथिक अक्रात त्कीन साक्ष स्रवीत मण्डि करन निया मिनिड हय, ड०काल बहै-क्रण कान एवं, रयम आमामिरणंत मिनोक्त अना रकान मिबाकद्रीहरू मन्दर्भन कविका मधाखाद छाहात महिन লাগিক্স করিকে উদাত হইভেচে, এবং ক্রমে জীতি-ब्राप्त छ छटत धनीकृष रहेता गारेट्डर ।

১৯৯৮ খুড়িলৈর আগনী নার্দের ২৮ দিবস প্রবাস্থ আট ঘনীর নমর ইউলোপের অন্তর্মতী সাকোক আ-মেনীয় পদ্বরি নামক আইন একবার ছই ভাক্ত স্থেয়ের আজিটার হক্ষাতে প্রাক্তাশে একদা তিন দিবাকরের

लेमम इहेमाहिल। धहे इहे लाक ख्रा श्रामीक व्यकारत छेरशीन रय नारे, रेराता क्षेत्रात्रास्टरत छेष्ट्रक इरेग्नाहित। अध्यक्ष भूक पिरक अक नाई कुक वर्ग মেঘের আবিভাব হয় এবং প্রকৃত স্থা ঐ মেঘের মধ্য ভাবে অবস্থিতি করিয়া এমন প্রশার ভাবে ভিরণ বর্ষণ করে যে তাহার প্রতি লোকে দৃষ্টি পাক করিতে मक्तम इस नाहे। जे उद्भान श्राजीविश्वे कृत्यात्र কিরণ জাল তাহার উভয় দিকে প্রতিফলিত হইয়াছিল এবং সেই উভয় দিকে ছুই ভাক্ত হুর্যোর উৎপত্তি হইয়াছিল। এই গ্রহ ভাক্ত সুর্যা অবিকল প্রকৃত্ স্ব্যের নাায় কিরণ বিস্তার করিয়াছিল, এবং আকৃত সুর্বোর সহিত অত্তিদ রূপ ধারণ করিয়া আকাশ পর্যো छेमिछ इटेग्नाधिल। मर्नादकता यथार्थ सर्वात मिर्क দৃষ্টিপাত করিয়া যেমন ভুগু ইংগছিল 🛊 এই ভাক স্বা সদর্শন করিয়াও তাদৃশ তৃপ্তি লাভ করিয়াছিল। এই ঘটনার আত্রমঙ্কিক আকাশ পথে আর্থ কএ-कि जाकर्ता विवदम्ब উद्धव देग, উतिथिक देगावात-রই চতুর্দিকে শক্ষপুর উদয় হইগাহিল এরং উক্ত नैक्रथण इंडर नक्ष्यल जल्मा हम्बिट्ड जिल्हिमर-कांत्र द्वार्थ इटेग्नाष्ट्रिल, छेट्नामिटगत वर्ग नामाना भाक-শহর ন্যায় হয় নাই, তাহাতে কিঞ্চিৎ গুভভার ভাগ स्थित हिन्। विकास वे स्थावर उ उपस्थि नक-

वेत हरेल किकिए एर उ मिक्न जारा कर आकर्षा अकारताकांत एक हरेग़ाहिल, के अकिएल उ उक्क त्वारि रेजत अके एर्डिंग नाग र के नित्कर अविक् हिना किक त्मविट रेश अल्किंग किकिए कृत त्वाप रहेग़ाहिल। उटा रेजत अके एंटिंग नाग उक्ष कि स्वार्थ मा हरेगा मक्किएत वर्ष धार्य कित्राहिल। बहे अवस्य शहर परिना आकामभाव पीर्य काल पानी हम नारे, रेशता क्षांत्र ठाति मुख काल क्षकामित्र शांक्रियां किर्ज़ाहिल रहें।

किन के शहरूत वर्ग धूमत्कजूत शुरुषत नाम रक नाहे, . उर्दा त्मिथरक किकिश **एक त्याश** हरें प्राह्मित । अ - र्रेक्ट्रम थे हरे एटर्गत हरे फिक्ट्रेंट्ड वर्टिर्गड रहेका প্রকৃত সুর্ব্যাতিমুখে অবস্থিত ছিল। এ ভাক স্থ্য-परमद रव निक अकृष्ठ स्टार्शत निक क्ष्मूचीन रहेगा-ছिল, ভাষা विनक्त लाहिङ दरेग्नाहिल, उहिन অধোতাগ ভাতুর লোহিত না হইয়া ঈষৎ খেতবৰ্ণ थाखं हरेग्राहिल। बीनछन् नामक द्यारन वरे बाहुक ঘটনা উপ্যুগির ছই দিন ঘটিয়াছিল এবং তদনস্তর बे मारमत २७ जादिरथं उरेश आत अक्रवात जाकान शास दिनि इहेग्राञ्चित । अवस्थित त्य मालधम् । षर्श्यानात कथा উद्भिय कहा शिहाट्ड, छाटा अ मन-কুৰি করিয়া অনেক লোকে চমংকৃত হইয়াছিল, উক্ত क्यकोत ध्यु ७ व्यर्थमाना मर्समा मृखे इत्र ना ।

দেশে দেশে ও কালে কালে এই প্রকার প্রাকৃতিক কার্যা কারণ স্থতে আকাশ পথে ছুই ভিন প্রহ্যার উদয় হইয়া থাকে এবং ভদাভুবজিক আরও নানা প্রকার ঘটনার আবির্ভাব হয়। বোধ হয় এদেশীয় প্রকার ঘটনার আবির্ভাব হয়। বোধ হয় এদেশীয় প্রকার ঘটনার আবির্ভাব হয়। কাশ করিয়াই প্রকার কালের হাদশ স্থা উদয় হইবার কথা কম্পনা করিয়াছেন। যাহা হউক বখন এই সমস্ত বিষয় कता यांक कथने शांभिकिक काटिक बटन व्यवसाहे क्लाफ़र्किंग बटबब कशांत रुप्त ।

, बागक लिश्या।

व्यागामित्यत मुद्रम दय अञ्चलि विभावनि विविद्रिक স্কাতির সহিছ সহবাস করিলে ইছা হয়, তাহায়ই नाम आत्रमिका। आत्र कीर मारबट्टरे अरे रेफ् त्र विदेश शिक्या दास शिक्षा देशमा मन्द्रदात महिक वक्त बात लिखा जुली इस मादनक श्रेष्ठ श्रिकेड त्मर ज्ञान स्वकृष्टिक विद्यारिय शिक्षिण प्रथी रहेस्ट मिथा वाजे। वाज्य बानएकंद्र महिल, यूवा यूवात महिक बादर हुन्द हर्द्यात महिल मह्यान केंद्रिएल बाधा हुन बाद পশু পক্ষীরাধ্য আপন আপন বজাতিকে পাইলে অভি बाउ रहेन्ना सिनिङ इस्। त्या नकन व्यापन त्रवाणित अहिन धन्त थाविया छक्ति नामाना आहात बाता त्यमन विश्व दश्र बक्राकी त्यान उपश्र आखरत्र नित्र-अब विচরণ विद्याह उपन रहा मा। राज शकी ৰাজের সহিত এবং কলোভ কপোডের সহিত একত कालाटकश क्रिट्स ट्यमन सूबी दश, जाशांनिगटक आह क्षाम अवदाद्ध इक्षण सूथी किथिए शास्त्रा वाम नार विश्ववद्यान्त्र सावित्र मध्त वर रेष्ट्। वर्षमान

হবদ্নামক এক জন পণ্ডিও অসুমান করিয়াছিলেন হে আসঞ্চলিপ্রা মতুষ্যের বভাবসিদ্ধ ইতি নহে,
মতুষ্য ক্রমে পুলিবীর ভাব অবগত হইয়া আপন প্রস্থোজন বশতঃ লোকের সহিত একত্রিত হইয়া কালক্রেপ করে এবং স্বার্থনাধন উদ্দেশে স্বজাতির সহবাসে প্রতিত হয়; নতুরা বভাবতঃ উহার স্বজাতির
প্রতি বিষেষ ও বিরাগই দেখিতে পাওয়া যায়।
হবদ্বীয় মত সংস্থাপন কর্ম মানসে মতুষ্যের স্বভাবোৎপর স্বজাতি বিদ্বেবের দৃষ্টান্ত পর্যান্ত প্রদান করিতে চেষ্টা পাইয়াছেন। ভিনি কহিয়াছেন স্বজা-

শিলি আতি নমুনোর বভাবদিক বিদ্বেষ আছে বলিয়া লিনিবিচিত লোককে অন্তিয় বোধ কয় এবং এট তেডু ক্ম লিক অপরিচিত বাজিকে দেখিলে তীও হয়। জিনি আরও কহিয়াটেন যে প্রীতিই সকল জীবকে পরস্পার কর্ম জ সংযুক্ত করে, কিন্তু মান্য ভাজির নামে পরস্পার প্রকৃতি সিক্ত প্রীতি দেখিতে পাওয়া বাই না, প্রভাত বিশেষ বিদ্বেষ ছাত হয়। মন্বায় প্রজি সমুখ্যের বাভাবিক প্রগায়ের লক্ষণ দুই করেয়া দুয়ে থাকুক বরং বাড়ে শত শত প্রকাবে ভালার বিশরীত ভারই দেখা যায়। সভাবতঃ মনুবের প্রতি মনুবের বিশরীত ভারই মন্থান প্রভাতর প্রথা ভারাই প্রকাশিত বহিয়াছে।

বাহা হউক মনুবা নে স্বাকাৰিকী প্রবৃত্তি অনুসারে স্থাতির সহিপ্ত সমাজবদ্ধ হইটা থাকিতে চায়, সমস্ত প্রার্থ এবং সম্প্র নরচারিত হইতেই তাহার পাট সাক্ষীপ্রাপ্ত হওয়া বাইতেতে।

বিশেষত প্রত্যেক মতুষা যদি শার্থসাধন উদ্দেশে
পরক্ষার একতিও ইইয়া সমাজবদ্ধ হইত, তাহা হইজে
ক্ষোল উপকার, লাভখনেই মতুষোর থজাতি সঙ্গ ক্ষাৰ শাইত বে হলে কিছুমাত উপকার লাভের
ক্ষার্থনা নাই, আনরা তাতুণ স্থলেও মতুষোর প্রবল আসঞ্জলিপ্সা দেখিতে পাই। কেবল একমাত্র মঞ্চ লাতের ইক্ষা চরিতার্থ করিবার জন্য কত সমস্ক্র खानीत्क त्य कछ अछानी लात्कत निक्र बाहेट इत्, कछ माथू राक्तिरंक त्य कछ. अमावूब मध्मर्ग कविएड इत्र, কত ধনীকে বে কত দরিজের সহবাস করিতে হয় এবং উচ্চপদবিশিউ মযুষ্যকে নীচসঙ্গে মিপ্রিড হইজে হয়, তাহার সন্থান কর্চযায় না। ধে ব্যক্তি জন্মের মধ্যে এক বিশ্বু সুরা পান করে নাই, সুরা স্পর্শ করা দুরে পাকুক নদিরার নাম তাবণে যাহার বিজাতীয় ঘুণা হয়, সঞ্চাভাবে ভাহাকেও এক এক সময় প্রসিদ্ধ পানাসক্ত লোকদিগের সঙ্গে উপবেশন করিতে হয়, যে সাধুষভাব সঞ্চরিত্র বাজি কোন কালে স্বপ্নেও-পরস্ত্রীর মুখাবলোকন করে না, স্বজাতির সহবাস জন্য শেও এক এক সময় লম্পটের সহিত কালকেণ করি-য়া থাকে। এইরূপ কেবল এক আসঙ্গলিপ্সা চরি-তার্থ করিবার জন্য অনেককে আপনার অনুপযুক্ত ও অপ্রিয় লোকেরও সঙ্গতি করিতে হয়। टलत रेष्ट्। त्य मानवकां जित्र किर्णशृक्ष चकांविमक अवदः কতদুর পর্যান্ত প্রবল, তাহা পরিব্রাজক'ও কাবাবদ্ধ नकीताई विशक्त अवश्र आह्म। व वाकि वाक मक रहेटल दिव्हिम हरेगा कथन कोन शर्यल, अतुगा व गांगत পরিবেটিত ভীপে পতিত इरेग्नाटक, मना-

ভার যে কি বিষম অভার ভারা সেই জানিয়াছে।
এই এক জন পথিক এক এক সময় আপন স্কাতির
দর্শরাভাবে যে সকল কাভরোক্তি প্রকাশ করিয়াছেন,
ভাহা পাঠ বা এবন করিলে অঞ্চপার্ভ হয়।

ু এক জুন গ্ৰন্থকৰ্তা ব্যক্ত করিয়াছেন, যে আমি यपि क्लाम विक्रम बाधा धकाकी वाम कतिलाम, छथा-পি আমি মনের ভাষ নিরোধ করিয়া রাখিতে পা-রিতাম, না। আমি অবশা কোন ভরু বা সভাকে আপুৰ বহচর জানে সংঘাধন করিয়া মনোগত তাব ব্যক্ত করিভাব। আমি ক্ষত প্রফুল পুত্র-লতিকাকে হাৰ্যানৰ মনে ক্রিয়া, আমার প্রতি প্রতি প্রকাশ क्तिएक एम्बिकाम अवर् क्र व्यवन्त कृत्म-उक्ररक त्याकार्क अ विषय यमन स्वाध कविया छोटाव हात्य इश्मी हरेजाम। जानि त्तान स्मीजन उद्भवता नेयन করিয়া ভাহার প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করিতাশ এবং कछ इटकत आधा भाहेरात छना छोटाहिटगत छना-त्रना कतिलाम । आमि दकान ग्रहाक उक्रटक गर्सा-পোকা প্রিয় বোগ করিয়া ভাহাতে স্থাপনার নায় অভিত ক্রিটান এবং তাহার প্রাদি ওক হইকে विषक्ष हरेजाम धेवर वगलकारन जोशांत शताविज छ কুপুরিত নতা দর্শন করিলেও সুখী হইতার। করতঃ नत्त्रा नश्नद्भाम करम्हे मछत्त्रात्र नव आई ना হয়, তথন পশু পক্ষীকে সহবাসী করিয়া সেইছ চরিভার্থ করে এবং পশাদি জীব জন্তর অভাব হইলে ইক্ষ লভাদি অচেতন বস্তুকেও স্নেহ করিয়া থাকে।

वकमा कान्य बारकात नृशिष्ठ हकूमि लुहै, काछके ि नजन नामक धक वाज्जित्क नग्न वश्मद कान धक जनगाक्त शादन कातावक कतिया तर्राथम । औ अव-হায় উত্ত কারাবদ্ধ থাতি একটি উর্ণনাভকে সহবাসী বোধ করিয়া ভাহার সহিত ক্রীড়া করত কাল্যাপন করিতেন এবং বিবিধ প্রকারে তাহার সুধ সাধ্ন পূর্বক প্রীতি প্রকাশ করিতেন। প্রহরীরা এই कोंडूक मन्मर्गन कतिया वे छेर्गनाज्यक वश्व कतिन, এবং কারাবদ্ধ তাহাতে অভীব শোকার্ড হইয়া কহি-त्वन, त्य **এই मामाना कीट** मेत्र पुजूटक आमात भूज-শৌকের ন্যায় শোক হইরাছে। এইরপ নিঃসার্থ ও নিরবজিল আসকলিপ্সার সহত সহত্র উদাহরণ প্রাপ্ত হওয়া যায়। বস্তুতঃ কলাতির সহবাসের ইচ্ছা যে মতুষ্য জাতির নিতান্ত সভাবসিদ্ধ ভাহাতে আর রুদ্দেহ নাই। পর্ম করণাকর প্রমেশ্বর আমাদি-भावता किलाव किलान प्राथन छेटलान है 'छेळ हेका अमान कतिशाद्यन । जिनि रयमन कने इत भदमा-भंदी-রে, জুবয়ৰ বিশেষ প্রদান করিয়া ভাহাকে অক্লেশে अटुनेट्ड मखुद्रभ कदिवाद छेश्रेटगांशी कदिश्रोट्डन धर्वः

स्थान भक्कीत भवीरत श्रीक स्थापन कतिया छाटाटक किक्कि हरेटल मन्त्र कियारहेन, धमरेत्र आमानि-গকেও পাকৃতির উপযুক্ত প্রকৃতি অদান করিয়া মর্ডা রলাকে বাস করিয়ার উপযুক্ত করিয়াছেন। তাঁহার অস্ত্র প্রবৃত্তি অনুসারে কার্য্য করিয়াই আমরা এ भवां आभनामिरगंत उवि मिषि ও সংगातित वी-ব্লাক করিয়াছি।। বৈ জীবের পদালবদ্ধ হইয়া বাস कता निकास आवशाक, आमझिलका त्य डांश्रेत शाक াকিপথিত হিতক্রী, ভাহা কাহার সাধ্য যে বর্ণন করিয়া শেষ করে। মতুষা-মনে স্ঞাতির সত্বা-সের ৰভাব নিদ্ধ প্রান্তি না থাকিলে কেবল উপকার वृष्टिक कथनर अववात मगारखत मृष्टि रहेज नी এবং মনুষ্য এরপ সমাজবন্ধ না থাকিয়া বিচ্ছিয় ভাবে পুথক পূথক থাকিলেও কথন ভাহার এপ্রকার উন্নতি इंडेल मा। त्य मणा जनकान आमा निरंगत नामा आकार् উন্তির মূল্য কজাতির নহবাস ইচ্ছাই সেই সমাজ উৎপত্তির প্রধান করিল।

বিদ্যু অভ্যাচার দোবে এমন শুভকরী ইচ্ছা ছারাও আনেককে খোর বিপদে পভিত হইতে হয়। মনুষ্য কান আপন প্রকৃতি হেতুই কোন ক্রনে একাকী আকিতে সক্ষম মহে তথন সঙ্গ লাভ বিষয়ে ভাহার মিভার সভক থাকা কর্তব্য। সঙ্গ গুলে যেমন সান্ধ লাতির অনেশ্রবিধ উলাত হয়ংবেইরপ সল দোরে
অসন্ধা প্রকার ছুর্গতিও ঘটিয়া থাকে। যে কাজি
যথাযুক্ত রূপে আপনার আসকলিপ সা চরিভার্থ করে।
ভাচার যেমন অপরিমেয় কলাাণ হয়, সেইরপ যে
জীহাকে অবিহিত রূপে তুপ করে সেও অসন্ধা প্রকার বিপদে পতিত হয়। যে প্রবৃত্তি আমানির্বেশ্ব
অশেষ্বিধে সূথ সৌভাগা ও সম্পদের কারণ তদ্বারা
অমলন উদ্ধাবিত হওয়। কিপ্রাপ্ত ভ্রথের বিষয় প্রভাব যাহাতে উক্ত প্রকার শুক্তবরী প্রবৃত্তি হইতে
কোন রূপ অমলন না ঘটিতে পাবে, বুদ্মান লো
কের সভতই সে বিদ্যাধ সাব্ধনে থাকা উচিত।

देनम्बिक कम्बत्।

যোল কোন কোন ক্লেতে কোটার নেখিতে পাঞ্ যা নায়। সেইরপ কোন কোন পর্বতের এক এক ভানেও রহৎ রহৎ কোটার দুট হয়। এ পর্বতের কোটারের নাম জহা বা কলার এবং উহা ভূমিকলা লাগু হৈলাত প্রভৃতি নৈস্থিক কারণে উহলের হয় কলিয়া উহাকে নৈস্থিক কলার ব্লিয়া উল্লেখ করা শায়। ভূমগুলের খনেক স্থানে একণ প্রনেক নিক্

निर्द कमार्थ औरछ। अनुस नर्संड गाउँदाउँहें कृत कि 🗱 কন্দর কেথিতে পাওয়া যায়। কন্দর অভি শ্রেমাদ্র ব্যাপার, ৭বং দেখিতে অভি আশ্রেমা উহার শিক্তর শনীব ভার এবং চমৎকার সৃদৃশাভা সকলেবই भ्यान्दियः । च'त्रदेवचीय भर्षक्रम अधिकारभर मध्य मर्नरकरे छेरांत मरथा वांत्र कतिरखन, जवर खरन क ওরাহিত হইয়' তপ্স।। সাধন করিলেন, প্রেলিফ এ-ক্ষিদ্ধ জ্ঞমন-কারিদিলের মধ্যেও অনেকে নিন্তর বিশ্বব श्रद्धां विश्वत विश्वत ल्यांका छ त्रोक्त वन्त कर्ष शर्रक, उन्नरथा रकलेकी रमभन्न इत्र कर्।, अगृहार धरा आर्किटलेबाम नायक थारन ३ छर। स्ट्रमनी व्यवस হ্রেরী দেশস্থ ভর্৷ গোষাকেরোর গুরা প্রভৃতি ৰ্প্ৰকটি অভি প্ৰসিদ। গহা বে কিপ্ৰকাৰ অভুত হ্যাপার ভাহা চকেতে না দেখিলে কথনই সমাক अबुख्य कहा मध्य बहेट लाट्ड मा अबर छोड़ा निधि-शें कथन अन्भूर्वक्र प्रवास घाइटक नारत ना **ওধালি উ**হার বিশায়কর প্রমা**ন্ত**েশান্তা ও গোল-रबाब विग्रा मधामाधा वृक्षाहियान कना शन्हाटक शहे बक्रि एमाइक्षा अप्तर्भन क्या गर्देटल्ट्छ।

ভূমধাত্ত সাগর ভিত্ত গ্রীণীয় দ্বীপ পুঞ্জের অন্তর্গত ক্লিপেরাস নামক ক্লুল উপদ্বীপে এক আনিদ্ধ কক্ষম ক্লিমান স্কাচ্ছে। উহার আয়ায়ন অভিযুক্ত উক্ত বিহিন

खरा कर्ता आहि। १० इन्ड खनः श्रामार्ड २० इन्ड উক্ত দ্বীপশ্ব ও উহার সমিকৃষ্ট অপরাপর দ্বীপশ্ব লোকে · पुर्वाविध बहेक्कण विद्यान कड़िक, दर खे छहीके भएषा थक विकिन्दांत रेमरलाभ वान आह्य। इंट्राली সপ্তদশ শতাকীতে ইটালি দেশীয় এক পণ্ডিত উল্ল দীপে ভ্ৰমণ করিতে গিয়া উলিখিত দৈতা সংক্রান্ত ন অন্ত কথা আহল করিলেন এবং তাহার তন্ত্ব নিজপণ विवदम् कोष्ट्रमारिङ रहेम। आश्रनाह मङीक ममकि-वाशित नश्या बे छश्त मत्य। श्रातमा जिल्लाम । कि-ষদাঃ গমন ক্যাতে করিভেই ঐ ক্পিড দৈভোর মূর্তি 👋 ভাঁহার দৃষ্টিগোচর হট্ন, পরে তিনি বিশেষ মনো-र्थांग श्रेकंक विव्वधना कति हा जित कतित्वन, जे शङ्-বরর ছাদ হইতে কুমাগড় প্রস্তর কণা মিলিত—জল ধারা পতিত হওয়াতে সেই সমস্ত প্রস্তর কথা কাল-ক্রে সংযুক্ত ও দৃচীভূত হইয়া উক্তরণ দৈতা भूष्टिय ग्राम्य रहेका विश्वादह ।

অনন্তর করে কমে তিনি শুহা মধ্যে যত অগ্রসর হইতে আরম্ভ করিখেন, ততই চতুদ্দিকে আরো নানা-বিধ আনু ত শোভা সন্দান করিতে লাগিলেন। উজ-কপ প্রস্তর মিশ্রিত জলখারা পতিত হইয়া কোন হাবে অপুর্ব ক্ল শ্রেণী-শোভিত মনোইর উদ্যানের নালি খোভা পাইতেহে। ক্রাপি শ্বেত হরিত প্রস্তৃতি

ৰিশ্বিধ বাৰ্ণৰ প্ৰিথিপয় সূচাক ভক সকল থেন কোন মৰীয়া পত্ৰ পুনয়নে সংবোপিত হইয়া অবস্থিতি করিকেছে। কুচাপি অবশ্ব প্রস্তর সকল স্বোল चौनारक बांद उबस्त्र अन्वर-मम प्र-ल्टलब मामि : * । किन करिया व'चियाटक। काम कारम क्रमीर्च প্রান্তর সকল ধহু বাফ ও যত্র সক্ষার উন্নত স্তব্তের নায়ে মগ্রায়নান রহিয়াছে। কেন কোন হানে প্রক্র ब्रु अंकन छेदकुके भिन्नकार वाकांम॰ जामदनव न्यास ' পাঁটিত রহিয়াছে। ভাল 'নঃসুত অসং বা কলবিন্দু এ গুহার উপরি ভাগে সংলগ্ন ও দুঢ়ীত্ত ক্রিয়া উত্তল दीत्र घटलंत नाम ध्यकाम लाग्डाहा । यो खदाव সর্থ হোন মিরীকণ করিলে উঠাকে একটি আছি "की ज़र्किनेना, कि अञ्चल माठाभाना स्ताप हरू; ब्रिवर कान इश्र रचन कर्गनीयह त्वाकं अकलत्क भिक्तीक्षीरनंत्र निका अमान करियंत्र जना निर्धास रिका निक इरख ঐ সঞ্জ শোভা সন্পানন করিয়াছেন। ं मर्गारकत्र। के अभन्त आनु ख देममार्थिक स्थापना क्रिक्ट भैन करिया अक कौरल विस्मादिक इंदेरना । मध्यात मरेशा अपन पंश्वेषा त्कर नाई देव त्म रामाका निहीकन ক্ষিত্ৰ চমৎকৃত না ক্ষ। বিনি বিৰুত্তি ও পৰ প্ৰাস্ত मधिक गर्यक्र दनज तक्षानार में शृष्ठ गिन्नि शब्द सर्था বিচিত্র বৈশিকা চিত্রিজ্করিক। রাথিয়াছেন, আবরা-

যদি নম্র্যা হইয়া ভাঁহার মহিম। আপন চিত্ত-পটে মুদ্রিত করিয়া না রাখি, ভবে আমাদিগের মনুষা না-মের গোঁরৰ কোপায় থাকে।

অসাধারণ পিতৃত্তি।

ে একদা ইংলওরাজে। দ্বিভীয় জেন্স্ রাজার কন্যা শেরী, তাজালোভে বিষ্কা হইয়া স্বামির, কুমন্ত্রণায় পিভাকে রাজ্যভ্রম্ট করিয়া আপনি তদধিকারিণী হই-क़ां हिटलन, बदर शिकांत्रं प्रस्त मन्त्रान् मर रहन-पूर्वक তাঁহার দৈন্য সামস্ক ও আত্মীয় অমাজ্যবর্গ প্রভৃতির মীখ্য অনেকের প্রাণনাশ ও অনেককে কারায়ন্ধ করি-য়া বিক্লাতীয় অত্যাচার করিয়াছিলেন। এই ঘটনায় উ उन दाबाद वक अन अधान मञ्जी सर्फ व्यक्ति शान-পথে অপিন প্রভুর मङ्गाटक को कहा । हा ककना। दमती জাঁহার মন্তক ছেদন করিবার মান্সে তাঁহাকে চৌবর-💃 🚅 হিত কারাগার-মধ্যে বন্দী করিয়া রাখিয়াছিলেন। প্রভুতক মরিবর পপ্রকৃত্ এইরপে কারাবদ্ধ হইলে গুসীৰামী ভাঁহার একটি বালিকা কন্যা আপন পিভাকে দেখিবার বাসনাম গৃহেতে রোদন কর্ছ অভির হও-য়ায় ভাহার দাসী ভাহাকে অভি সকোপনে উক্ত ছুৰ্গ-्मरथा नहेत्रा याहेवांत मानरम यांजा होता। मिक्रिका।

क्री अप्रकत हुर्न अवर अक्षमक्रशाती हर्गतकक्ति-বেৰি ভীষ্ণু মূৰ্ভি বৃদ্দৰ্শনে ভয়ে সঙ্গুচিত হইয়া উভয় হত্তবারা আপন দাদীর প্রীব্যু ধারণপূর্বক তাহার ক্ষুদ্দেশ্যুথ লুৱায়িত করত অতি খুছ্যুরে তাহাকে किल्लाम कविन " गाँडे अहे कि त्महे छत्यह चान ! हैं। शहे द्वारन कि आमात शिका तक आरहन ?" "हैं। না; এই হানে ভোনার পিতা—আনার চিরপ্রতিপালক দ্যালু প্রস্তু একণে বিপর হইয়া বাস করিভেছেন। िका कि मी ! अविन छैं। हात महन माकार इहेरन ! কেন সা ছোমার কি এই চুর্গমধ্যে প্রবেশ করিতে ভগ্ন इटेल्ड्स्ट ? भागात जग कि? देवथादन আনার পিডা আছেন সে এনে যাইতে আমার কোন छत्र नाहे। ' किन्छ यत छाहाता के वा वे हर्गमाधा वंश-मन रहेट नाभिन उड़रे डाशांत उन्नत्तर सान সন্দৰ্শনে বালিকা লুসীর কোষল ক্ষ্যু সুমধিক ভয়-এন্ত হইতে নাগিল, ও সে এক কালে ভাহার সদিনী अभी आफ्छबलात नंतीरतत महत मिनाहेश। तदिल, **७वर अ**ण्डि मृह्यदङ्ग छोड़ां करिंगर विनात, 'नो माहे, बह शाम ना क्षेत्रकेत द्वारम्ब छिडेक विठाएँ छोडाव , बरे कर बादश्रक कृतात अण्डवार्ड अवर देवत्र्वत हि-উক রিচার্ডকে হত্যা/ করিয়াছিল ?" "হাঁ মা, কিন্ত पूर्वि जम्म कविथ ना, एकामारक रकेश कि हवनित्व मा।" এইরুপ বাক্যে এমী ভাহাকে আখাসিত করিল। কিন্ত সে পুনর্বার কহিল "দাই ঐ চুট রিচার্ড না এখানে, यके स्मिति बाकारक असे कतियाहिन ?' १३-क्राप्त म यं लात्क्र निक्रें स्ट्रेंट वे अप्रक्षत क्रीन-নংক্রান্ত যত প্রকার হত্যা-ব্যাপারের কথা এবণ করি-याहिन, खरममुनायहे खरकारन जाहात मन्त्र उपिछ হইতে লাগিল। বিশেষতঃ ভাহার পিতার ভাবনায ভাহার মন নিভান্ত ব্যাক্তর হইয়। উচিল। याইডে बाइटड तम श्रुनस्रात किछामा कतिन "मारे, ভোষার কি বোধ হয় যে ইহারা আমার থ্রিয়ত্ম পিতাকেও बे क़रश नके कतिरव !" "हुश कत श्रष्टा, बशादन ওসকল কথা কহিও মা, কেহ শুনিতে পাইলে আর ভোষার পিতার সহিত আমাদিগকে সাক্ষাৎ করিতে দিবে না, আমাদিগের হুই জনকেই হাতে পায়ে বেডি निया करम करिया बाथिरव।" এই कथा श्राममा नृत्री চুপ করিয়া এমীর পার্শ্বেই বাইতে লাগিল, এবং ভাহার পিতার গতে উপস্থিত হইয়া তাঁহাকে সন্দর্শন করি-বাদাত কোড়ে গমন করিয়া উভয় হস্তদারা ভাঁহার গ্রীবাধারণ-পূর্বক সমস্ত ভয় বিন্মরণ "করত আহলাদ প্রকাশ করিতে লাগিল, এবং কিছুকাল নিস্তর ক্রয়। পিভার ক্ষের মন্তক রাখিয়। পড়িয়া রহিল।

नर्फ अध्येन चीम जन्भवमुका वानिकांत्र अहे अकांत्र

ক্ষাধারণ ভাবভক্তি সক্ষ্মী করিয়া বাৎসলাভাবে व्यक्ति इरेग्रा शिएलन, धरे व्याननात व्यानत-मृत्र मेलर्गन कतिहा बरनर हिन्दा कतिए नागिरनन रव "हात्र! आमि बहे माजुशैनाः खतना तानाटक काशत निक्ष दाथिया यहिंद ! जामाजित जिल्लगा देशात আর কেইই নাই, এই শিশুকালে এ পিতৃমাতৃহীনা उदेशा कि ध्वकारत कीवन थात्र कतिरव ! खतात्र त्य खेशांक भिक्**रीना** रहेटड हेरेट रग्नटडा टन दिवस কিছুই উহার গোচর হয় নাই। হা জগদীশ! ভো-নার মহনু কি এই ছিল! বাহাহউক ভোমার যে উদার कत्रभा अञ्चाद निर्दाखिङ अवकीरे शर्यास तका शाह-उट्टि, कानि जानात वहे बक्गाब त्यर्भाबीक त्यरे क्रकान्न नमूर्णय क्रिया शृषिदी-इष्ट्रेड विमास स्टे-কেছি। মব্রিবর এই একার সকরণ ভাবে সাপন অবস্থার আলোচন কর্ত অনবরত অঞ্জীবিদর্জন করিয়া क्लाइ इमाहीटक अखिकिक क्रिट्स नागितन। উহার বদর-বিগলিত দুন্তখারা দর্শন করিয়া জনতি-क्रिमिक महला ताला अक्रिश्रासका हरेया काट्य-बात किछाना कतिन, ''शिष्टः ! जूमि कि जना द्रापन করিচ্ছত, এরং কেনই বা এই ভয়ানক স্থানহইকে शक्ति शमम कर मा !" "सूनी कृषि कन्मन करिं ना, क्षिक एक कामि तहांबादक आश्रमात इश्रयंत्र कथा बीव

ভাষণ কর । সামি আর বাটী যাইব না, রার্জন্ত কর আমাকে রাজবিলোগী অধাৎ রাজার শক্ত বলিয়া সভাগ করিবার ক্ষনা একানে কএদ করিয়াছে। এই ভুগের উপরে এক উচ্চভানে আমাকে লইয়া কিয়া তীক্ কুঠারছারা আমার মন্তক ছেদন করিবে, এবং সেইছিল মন্তক লওনব্রিকা নামক সেতুর উপর বা কোন রাজপথে টালাইয়া রাখিবে। বে পর্যাপ্ত এইরূপে আমার প্রাণ নই না হয় সেই পর্যাপ্ত আমাক এই করোগারে করে পাকিতে হইবে।"

তি করের ক্রন্দন করিয়। আন্তে বাস্তে উভয় হস্তস্থার।

পিতার গ্রীবা বেন্টন করিয়। ধরিল, এবং তাহার বংক্ষাদেশমুখ্যে মুখ লুক্টায়িত করিয়া অভিশয় ক্রন্দন করিছে
লাগিল। তাহার অক্সক্র অক্রন্সনে লোকার্ড পিতার
নারীর ভাসিয়া পেল। '' লুসী স্থির হও—দির হও
না, আঘার অনেক কথা আছে; এই সময় প্রবন্ধ
কর: কাবণ আর ভোমার মঙ্কে আমার এক্সমে দেখা
হইবার সন্তাবনা নাই; এই দেখাই শেষ দেখা
হইবার সন্তাবনা নাই; এই দেখাই শেষ দেখা
ভাহার; ভোমাকে কেমন করিয়া কাটিনে ? ভালি
ভোমার প্রবায় কাড়িয়া থাকিব, আর ভাহার। কাটিতে
পারিবে না, এবং ভাহাদের কাডে আনি ভোমার

সকল গুণের পরিচয় দিব; তাহা হইলে ভোমাকে কাটিতে তাহাদিগের অবশাই অনিচ্ছা হইবে।''

"रा वृत्रि, अ तरुत ভোষার পাগলের ন্যায় अर।। কামার প্রভুর পোৰকতা করায় আমি এইকণকার রাজনিক্সের বিরুদ্ধাচরণ করিয়াছি: অভএব অবশাই महे अभारात्य आमात आनिम छ हैहेटत । मृति, आ-মার অভ্রাজ। জেম্সকে কি ভোমার মনে পড়ে ন।? रमंडे व्यामि এक मिन जोमाटक रहाग्राङ हेहाल नामक छाटन डाँटारक दमशाहेतात अना जहेशा शिवाहिलांब, ভিনি ভোমাকে কত আদর করিয়াছিলেন?" "হী পিতঃ, আমার বেশ মনে আছে, সেই তিনি আমার মাধার উপর হাত দিয়া বলিলেন যে "আমার কন্যা, त्मत्री थरे वत्रत्म हिक लूमीत मछ ছिल।" "दें। किन्सात বেশ সার্ণ আছে, কিন্তু ভাহার অংপ দিন পরেই ज्योगोमिट शत क्रिकनगात विवाह एउ छात्र छाँ हात स्वामी আসিয়া আমাদিগের প্রাচীন রাজাকে বিংহাসনচ্যুত গার্যা রাজাহইতে নির্মানিত করিলেন, এবং কভিপত্র হুলীল প্ৰহ্লা একতিত হইয়া তাঁহাকে ও তাঁহার পৃত্মীকে উক্ত রাজে। অভিযিক্ত করিল। কিন্তু দেখ र्भिक्षभा क्षेत्रेत्रल चामित्र गटक योग कतिया लिज्-বিজোহাচরণ কর। রাজকন্যার কি পর্যান্ত কুকর্ম হুইয়াছে!" ইহা খনিয়া দূসী উত্তর করিল, 'ছিঃ২ কেন পিডঃ, রাজ। আঘাকে এমন ছুই কনা। মেরীর
মত মনে করিয়াছিলেন ? 'মা, স্থির হও; এখানে
ভঞ্জার কথা কহিতে নাই, ইংলণ্ডের রাজার মে গর্ম
অকামন করা এনেশের সাধারণ-নিয়ম-নিষিক্ষ, আমাদিশের রাজা মেই নিষিদ্ধ ধর্ম অবলয়ন করিয়াছিলেন
বলিয়া ভাঁহাকে রাজ্জাচাত করা উচিতে যোগ করিয়া
বোধ হয় রাজকনণ এই নিপুর কর্মেতে স্পাতা হইয়া
ধাকিবেন: আর বোধ হয় ভাঁহার পিতার বিশক্ত
অমাতা ও ভূতাদিশের প্রাণ বধ-বিষয়ে ভাঁহার নশ্মাত

নপ্রির এই নমস্ত কথা প্রবণ কার্যা দানী প্রনা
থাড্ওএল কিঞ্চিং নিক্ট-বর্তিনী হইয়। বরপুটে
কাহল, "মহাশয়, আমি শুনিয়াছি রাজকনা স্বভাবঙ্গা দয়াশীলা, ধদি কোন বাজি সকাভরে ভাঁহরে
নিক্ট আপনকার জীবনদান প্রাথনা করে হাল:
ইলে নোধ হয় আপনকার প্রাণ রক্ষা হইছে
পারে।" মন্ত্রী কহিলেন, "এমি, ভিজগতে আমার
এমন ব্যক্তি কে আছেবে আমার জন্য এই তুংসাহসিক
কার্যো প্রব্র হইয়া রাজ্যারে আমার প্রাণ-ভিক্ষা
চাহিয়া লইবে? সম্প্রতি আমি রাজ-বিদ্যাহী ক্টয়াছি; একণে কেই আমার সহায় হটলে যদি বিচারপতিরা ভাহাকেও রাজজ্যোহী মনে করেন এই আশে-

কায় কোন ব্যক্তিই আমার অন্তকুল হইতে সাহস করিবেনা।"

এই কথা শুনিয়া পিতৃবংসলা লূগী কছিল, "কেন পিতঃ, আনি রাণীর নিকট গমন করিয়া ভোনীর প্রাণ-ভিকা চাহিব, ভাহা হইলে আর ভিনি কোন-মতে অস্বীকার করিতে পারিবেন-শা।"

''আছা! বংসে, ভোমার কথা কোন কাইগার इइति मा।" "क्म शिष्डः, जामि त्वम विवाद शाहित। आमात्र कथा खिनिटन कि छाँहात प्रशा हहेटब ना? आगि उाँचारक अत्नकका विविधाः देश अनिया छारक পিতা ভাষাকে ক্যোড়ে ধারণ করিয়া ভাষার মুখচ্ছন পুৰ্বক কহিতে লাগিলেন "মা গো, যদিও ভূমি কোনরতে বাণীর নিকটে যাইতে পাও, তথাপি ভয়ে ভাঁহার সঙ্গে কথা কহিতে পারিবে না।⁵ 'কেন পিডঃ, ভয় কি? আৰি কোন মতে ভয় করিব না, ধদি তিনি আমার উপর বড ভাতনা ও গর্জন করেন ভথাপি আমি ভোমাকে মনে করিয়া স্থির হট্যা পাকিব। "সা! ভূমি চিরজীবী ছও!! যান রাণী ভোষার প্রাথনা পূর্ণও না করেন, ভথাপি ঈশ্বর লোগাকে দয়া করিবেন, এই আমার প্রমা-इताम !"

वह ममन्त्र कटशांभकथन खावन कतिया मिर्मिट्ड मानी

এমীর ছুই নেত্রে জনবর্ত অঞ্চধারা পণ্ডিত হুইডে-हिल। तम कहिल, "द्धं श्रामिन, क्लान वाष्ट्रि अहे व्यवना कृत वानांक शानिव निकडे वहेश बाह्रेटव ?" "ভাল আমি ভাহার উপায় করিতেছি," এই বলিয়া ম্প্রিধর ভংক্ষণাৎ উক্ত উপকার সাধন করিবার নি-মিত্ত ল্লীর ধর্মমাতাকে এক অনুবোপ পত লিখিলেন, এবং তাহা আপন ছাহতীর হত্তে অর্পণ করিয়া কাছ-লেন, "ম' ভুমি কলা প্রাভাবে তাপনার অবস্তোচিত বেশভূষা করিয়া হেল্পটন্কোর্ট নামক স্থানে গীমন-शर्षक षष्ट्र ताडी क्वांत्र धनत्क अडे शब खेमान করিবে। ভিনি ঐ সময় তথায় রাণীর জাসমন প্রভী-ক্ষা করিয়া পাকিবেন।" অন্তর তিনি ধীয় আদ-গুলা। ছহিতার মুখ-চুখন-পুর্যক তাহাকে নিদায় করি-লেন, এবং সেও জন্দন করিছে২ ভাঁহার নিকট বিদায় হইয়া অভান্ত ছঃ 🗬র সহিত অপেন ছুণ-হইতে বহিৰ্গত হইল : কিন্তু সে যে ভাহার পিভাকে এই বিপদ হইতে উদ্ধার করিবে এই আশাতেই ভা-शंत मनः अकाश इहेग्राष्ट्रित । त्य मध्य मध्य दक्त এক এক বার আপনার বয়ঃক্রমেচিত সরল-ভাবে পর-মেশরের নিকট আপন অভিলাম প্রকাশ ক্রিমেদিল. এবং এক২ বার বিপদ্গ্রন্ত পিভাকে ফার্ণ করিয়া ভুট চক্ষে ৰাব্নি-ধারা বিসর্জন করিভেছিল।

পিত্ৰৎসলা লূনী वे तकनिर्देश भूनः ६ छप्रनिका इहेग्रा निक्षेवर्जिनी मानीत्क किञ्जाना कतित्क लानिक, '' এমি, রাত্রি কি এখনও শেষ হয় নাই? কখন প্রভাত হইবে ! मেখো বেনো আমি ছুমাইয়া পড়ি ना ; कामांत्र त्यन उठित्उ त्कान कृत्म त्वना ना इत्र।" অনতর নিশাবসানে বিহঙ্গুল বাসস্থান পরিত্যাগ कतिबात शूटर्स धवर लाकध्य केश्मिक ध्यक्रनटम् व जिमग्रा-চলে উপস্থিত হইবার অগ্রে লূদী শব্যাহইভে গাতো-थान "कतिय। नकलटक आंशतिक कतिल, धवर मानीहरू আপনার বেশায়োজন করিতে আদেশ করিল। বংখ-হারপ্রজা প্রবীণা এমী পিতৃহীনা কন্যার ন্যায় জাপন নেত্ৰ-পুত্তলিকা লুসীকে এমন উপযুক্ত সজায় বিভূষিতা क्रिन रय शीरान-क्रम्य वाक्तित्र अ. क्रम्मान अ.अम्-मध রণ করা কটিন হয়। করুণার প্রতিমা-তুলা প্রিয় जमः नृत्रीत्क व्यांनीना मा कि त्कार्फ नरेन; ववर त्म অমনি ভাহার ক্ষমেন্ত্রীপণি করিয়া রছিল। ভাছার পিতার অভি বিশ্বস্ত হুই জন প্রাচীন ভূত্য কাহার नमण्डिताष्ट्राद्ध याजाः कतिल। जुमीत अहे । अकार অসামান্য মহদ্ব্যাপার সাধনার্থ গমন সংবাদ আবণ क्तिया मुख्यि ভ्रद्रमञ्ज मगस्य ভ्राप्तर्भ उन्नर्भरम् अर्थमन ক\ব্য়া সেই আনে উপস্থিত হইয়াছিল\ এবং সকলেই দুসীর চিত্তার্কর নকরণ ভাব সন্দর্শন করিয়া অঞ্চ-

বিসর্জন-পূর্বক ভাহাকে আশীর্কাদ করিতে লাগিত: "অগদীধর ভোমার প্রতি প্রসন্ন হউন।"

लि औ क्रांद्रिक्त भगाइइटिक शास्त्रांशीन करिवात भूत्संहे नृमी (इन्भिष्ठ-्कार्ट छेनवित इहेग्रा धाँशहर নিকটে গদনপূৰ্মক অতি মৃত্স্বরে অপে২ আপনার আদ্দোপান্ত সক্ষণ্ড পরিচয় প্রদান করিল, এবং পিতৃ-দত্ত সেই পত্র ভাঁহার হত্তে অপণ করিল। লেডী-ক্লাবেণ্ডন মহারাণী মেরীর পিকুরাপাড়ী; ভিনি আপন धर्मकना। ज्ञालावग्रद्धा वृगीत्क जलाख त्यह क्रिट्डन, কৈন্ত ভাষার পিভার পত্র পাঠ করিয়া এবং ভাষার মুখে সমস্ত বুভান্ত অবগভ হট্যা থেদ-গুৰ্মাক কহি-লেন 'লুমি! কি কার্ব, জেনার নিমিত আমার ৰঙুই ননস্তাপ হইতেছে, কিন্তু বোধ হয় আমি তে।-মার কোন উপকারই মাধন করিতে পারিব না। আমার ধামির সহিত পূর্বতন রাজার যোগাযোগ আছে, সম্প্রতি মহারাণী মেরীর মনে এইরূপ সংশয় উপস্থিত হওয়ায় তিনি রাজহারে অপ্রতিপন হইয়া রহিয়াছেন, সতএব ডোমার পিভার জন্য একণে রাণীর নিকট কোন অসুরোধ করিতে আমার পাছস হয় ন জোমার পিতা গোঁহার বিশেষ অরুপাপ্যাল, এবং হাঁ-शतक कि न कथन है कमा करितन ना, ककशा तानी करिन ভিধানেই সকলের সাফাতে ব্যক্ত করিয়াছেন 🗈

্ৰদী কহিল, "না, আপনাকে কোন অনুৰোধ করিছে হইবে না। আপনি কেবল একবার রাণীর সহিত व्यागात माकाद कताहेम। एक । व्यापि व्यापिति है ▶তাঁহার নিকট আমার পিভার প্রাণ-ভিকা চাছিব: এবং তাহা হইলে তিনি কখমই অস্বীকার করিতে भीतिरवन ना ।" "हा अरवाध वानिस्क! छात्रात कि महातागीत मटक कथा कहिएक माइन इडेटन ?" "हैं।, আনার সাহস হইবে; আপনি কেবল একবার আমাকে ভাঁছার নিকটে লইয়া গেলে সকল ভনিতে পাইবেন ।" ''হার্হ, লুসি তুমি কেমন করিয়াই বা ভাঁহার সঙ্কে कथ्न कहिकात व्यवकान शाहरब, बात कि माहरमहे बा কথা কহিবে! যদিও কোন মতে তুমি রাণীর শাকাৎ পাও, তথাপি ভাঁহাকে দেখিবামাত্র তুমি হতরুদ্ধি ছইয়া পড়িতব, এবং জোমার একটি মাত্র বাক্য কহি-বার সাধ্য থাকিবে না 🗠 অনস্তর লুগী ছই চক্ষে ধারি-বিদর্জন করিভে২ কহিল, "মা গো ভূমি একবার ष्पामात्र दानीत्क त्मथाहेया मांख" त्मषी क्रांद्रधन् कृष বালিকার মুথহুইতে পুনঃ২ এইরূপ কাতরোজি আবণ क्तियां अवर अनिकिक्षे वालश्पटम धेरे श्रेकांत अगा-নান্য শিতৃভক্তি সন্দর্শন করিয়া আর স্থির পাঞ্চিতে পারিলেন না, অবিলয়ে সুমজিত হইয়া লৃদীকে সম-ভিযাহারে করিয়া রাজপুরীর কোন নির্দিট ভাবে

যাত। করিলেন। ঐ স্থানে মহারাণী প্রতিদিন প্রাতঃ-कारत उभामन। मिनतं इटेट अखाशमन कतिय কিঞ্ছিৎ ভ্ৰমণ করিছেল: লেডী ক্লাবেগুনুষে সমং লুদীকে সমভিবাহারে করিয়া উক্ত স্থানে উপস্থিত হইলেন। রাণী তথন পর্যান্তও উপাসনা-মন্দির-इरेंटड छाजानम् करतम् मारे। लाडी झारतसम • আপ্নার অভীন অেক্সেম্বদ খুজ বালিকার চিত্তবিনো-দন করিবার জনা ভাষ্ঠেক ভক্তা চিত্রপট সকল टम्थाइटङ लाजिटलमः। सृत्री ६का मीर्शकात मङ:-ুপুরুষ-লক্ষণাকান্ত প্রতিমৃতির দিকে অঞ্জী প্রদান করিয়। ক'হল, ''আমি উহাকে চিনি, এ আমাদিণের রাজ। ক্ষেম্সের প্রতিমৃতি। কেডীও সেই দিকে দুষ্টিপাভ করিয়া দীর্ঘ নিশাস পরিত্যাগ করত কহি-লেন, "হাঁ ঐ মহারাণী মেরীর পিতা হতরাজা বা-জার প্রতিকৃতি বটে; আহা ঐ প্রতিরূপটিদারা রা-জার কি মহত্ত ভাবই প্র-দাশ পাইতেছে।" ইভাব-मद्द काडी क्लाद्विश्वन महाक्षेत्रीत्क पूर्व मन्दर्भन कदिया লুসীকে কছিলেন, "লুসি, সাবধান, ঐ রাণী, তাঁহাত পারিষদ ও সহচরী-মগুলীতে পরিবেটিতা কট্য আগমন করিভেছেন; সাবধান, এই জোমার সময় -यिनि मकल मधीत किश्विष्ट अञ्चमदत अम्बिनग्रीम किश्-ভেছেন, তিনিই রাণী; তাঁহাকে দেখিবামাক তুমি

ভূমিতে পতিত ইইছা আগনার প্রার্থনঃ প্রকাশ করিবে। দেক্ষে যেন ভীত হইও না, এখন ভোমা-কে একাকী কথা কহিতে হইবে; আছি আমি এখানে প্রাকিব না, তুমি যেখানে আছ এছানেই দুওায়মান খাক। কারেওন লুদীকে এইকপ উপদেশ প্রদান করিয়া সে হান হইতে প্রস্থান করিলেন।

দুগী এইরপে একাকিনী প্রব্রাস্থান্ত করাতে প্রায় * क्रमरमञ्ज त्याणिक क्रक्रम इहेम्रा छिकिन, व्यवः काहात भूरकानन तमन १५% ७ विवर्ग इरेशा (भन ; किन्ह उपा-পি ভাহার মন্হইতে সাহস অভ্তিতি হইল না त्म क्वतम अकर्यात मत्म र क्षेत्रदेव भारमान्त्रत्व कहिएक नाशिन। इंडियर्पा तांनी जागिया करम ভাহার নিক্টবর্তিনী হইলে, সে অমনি রাণীর চরণ-দলে পতিত হইয়। রোদন করিছেং অতি কোমলম্বরে আপনার প্রার্থনা প্রকাশ করিল, এবং ভাহার পিডার আবেদন পত্ৰ অৰ্থণ করিল। ভাহার শৈশবাবভার অशक क्रभ, जाभागमञ्हरकत विषद्ग त्वभ, हक्षानत्वत म्रान कास्ति, ও नम्रन्युशंटन खळाचाता मर्मन धवः অহাক্ত কাতরেলক তাবণ করিয়া মহারাণী মেরীর **অনু:কর্ণু নেহর**সে এবীভূত হটয়া গেল; ভিনি আরু शांप निरक्षभ कहिएक शांतिरलन ना,- अर्थान विद ইইয়া সক্রণভাবে থালিকাকে সম্ভাষণ করিয়া ভাহার

লদত্ত আবেদন পত্র ভুলিয়া লইলেন ৷ কিন্তু ভাষাতে লई প্রেটনের নাম সন্দর্শন করিবামাত্র क्यारथ अक्रनरमञ ७ त्यानिक्या कि **इहेगा जै भज प**रह निः एक ले क्रिटलन्, ध्वः उथा इटेल्ड मञ्द्र गमरमक उद्देशा प्राट्सांटलंकम कविटलन्। सुनी अमनि নিঃশক্ষ এই:: - ২েগে গমন্-পূর্বাক ট্রানার পরিছিড 'রাঞ্-বেশের একদেশ পারণ কবিয়া গজিরোধ कविका, जान उद्देश्वयान क्रकार कार्य श्रीमः श्रीमः জহিতে লাগিল " চে মহারাণি, কুপা করিয়া আমার পিডার জীবন-জিল। প্রদান করান। " ভাহার মনে লাগত অনেক প্রকার কাতরোগিও ও বিদ্যু বাংকা প্রকাশ করিবার ইক্ষা ভিল, কিন্তু সময়ক্রমে পৌক-ডঃথে কৈছুই মারণ চইল 🛵 '' আমার পিতার আগ-लाम करमा, " भूमः भूमः दक्रतन धरे कथारे कहिए। लाणिल । द्वापन कतिर उर एम करम सीत्र ७ खक्र दे এইয়া ছই গ্স্ত ছারা রানীর চরণবেউন পূর্বক ভাঁহার পদে আপনার অঞ্চ বিলীন করিয়া রহিল।

শিশু বালিকার বিনয় এবং কাতরভা সন্দর্শন করিলে সহজেই দকল লোকের মনে করনার সঞ্চার হয়,
বিশেষতঃ লুসীর অসাধারণ তাব সন্দর্শনে করারাকী বিশেষতঃ দুসীর অসাধারণ তাব সন্দর্শনে করারিকার করিব মনে অভিশয় দরা উপস্থিত ছইয়াছিল; বিশ্ব

ম্ম-লঙ্গত মনে করিয়া অতি শীরভাবে করিলেন, "লুকি, আমি ভোমার প্রার্থনা পূর্ব করিতে পারিলাম না।" 'কেন মহীরাণি? আমার পিতার তে। কোন रशय नाहै, छिनि एन मंक्नरकरे छोन रास्मन, धरः স**কলের** প্রতি স্নেহ প্রকার্য করেন ?" রাণী উত্তর कतिरालम, ''शैं। जिनि ट्लामात श्रास्त्र-त्यर करतन सर्हे। কিনু জিনি সম্প্রতি সাধারণ-রাজনিয়ামর বিরুদ্ধাচরণ করিয়াছেন বলিয়া অবশাই তাঁহার প্রাণ-দত হটবে।" গুদী কহিল "মা ডুমি দনে করিলে তে: তাঁইর লপরাথ ক্ষমাও করিতে পার, আমি ওনিয়াছি, ১ব वालि मेबुरबाब (मार कमा करत, केर्चत मा कि छाहांत দেখে ক্ষাকরেন ?" "ভোমার মত বালিকার উপদেশ গ্রহণ করিয়া আমার রাজ্য-শাসন করিবার প্রয়োজন নাই, আমার যাহা কর্তবা তাহা আমি বিলকণ ফাত वाछि। यहिं अमन विश्व कनाति भाषु आर्थना पूर्व न করা নিতান্ত ভূঃখের বিষয় বটে, তথাপি আমি নাধা-রণ-নিম্নের অনাথা করিয়া পক্ষপাতিনী হইয়া তোমার পিতাকে ক্ষমা করিতে পারি না।'' শোক।-কুলা লুসী ইহাতে আর কোন উত্তর প্রদান না করিয়া ক্রিকান রাণীর মুখের দিকে অনিমিধে দৃষ্টিপাত ক্রির। রহিল, অনন্তর অন্য দিছক মুথ কিরাইয়। ত্রি-भिटिंब, ममा १ व प्रश्नेकात ताका कम त्मत् अ विपृत्ति

নিরীকণ করিতে লাগিল। তাহার ঐ প্রতিকৃতি-मर्नात छेळ धाकात्र धानाधात्व-छार नक्नि क्रि য়। রাণী ভাহাকে ভাহার কারণ জিজ্ঞান। না করিয়া কান্ত থাকিতে পারিলেন না। "লৃসি, তুনি কিল্পা এমন আন্দিধ-নেত্রে আগার পিতার প্রতি-কুতি নিরীকণ করিতেছ। " লদী করিল "আমার পিতা কেবল আপ্নকার পিতাকে ভাল বাসিয়াছিলেন বলিয়া আপনি ভাষার প্রান্দ্র করিতে উদ্যত হই-গ্ৰাছেন, এই ভাবিয়াই আমি অবাক হট্যা আপনার শিক্তার প্রতিমুখ্তি দেখিতেছি। সম্পর্যক্ষা **অবলা** बालात मूच इटेटफ करे ध्वकात वाक: ध्वक कतिया ्भवीत भरनामरथा आवारधत जिम्छ कहेल, अवर ভংকণাৎ তিনি আপন ভড়িভাগন পিডায় প্রতিক্তির দিকে র্টিপার গরিয়া ভাঁইরে সমস্ত ্প্র সার্গ পূর্কক ভটি চাবে আছি কইলেন। "পিতা द्राव्याहाल करेशा नि । भिल करेशादधन, विसीर्व अप्रिक् खके इहेना अकृत्य जिम्सादित कदना शत्तत वाधीन हरे-मार्ड्स, किन्तु लामि छै। हात्र कमा इरेगा ही हात्र है রাজ্য হরণপুর্বক প্রতিনিয়ত রাজাইতৰ উপভোগ कतिरहि, शामा शामा थहे मायाना लिख वानि-কার মনে যে প্রকাঃ পিতৃভক্তি দেখিতেছি, আমার चान्ने अ नाडे, आमारक धिक्। तानी अहे अलात नक-

রণ ভাব আলোচনা করিছেই নয়ন-অলে আভবিক্ ছইতে লাগিলেন, এবং পিতৃবৎসলা লসীর হস্ত-ধারণ পুর্বাক উত্তোলন করিয়া কহিলেন "মা, ভূমি আর রোনন করিও না, আমি ভোমার প্রার্থনা পূর্ণ করি-লাম, আর ভোমার পিভার প্রাণদণ্ড ছইবে না।"

জুভীয় কথায়।

लाभल छ-(मर्भ।

সুষেক্র-সমীপবন্ধী লাপলত প্রভৃতি কতিপম স্থান
ভূষার-মণ্ডিত হিম্মিরি- শ্রেণীদারা পরিপ্রিত এবং
হিম্মিলাময় প্রবিতীর্ণ রমাদ্র ভূমি পরিসেবিত। ঐ
সকল স্থানে মধ্যে মধ্যে এত গুড়ত ভূষার পতিত
হইয়া রাশীকৃত হইয়া থাকে যে প্রচণ্ড গ্রীম কালের
স্থোডাপেও তাহা জ্রীভূত হয় না। বিশেষতঃ
জন্যানা দেশাপেক। উক্ত স্থানে আর যে এক স্থার

ভয়ানক অবস্থা উপস্থিত হুইয়া থাকে, ভাছা স্মর্ণ स्टेटन हिट छत विषम देवकली उलिक हुए हुए। नाल-णाध्यत्र कान कान द्वारन कड्ड दिरमध्य आह মাল স্থোর উময় হয় না, এবং গড় বিশেষে দিবাকর উপযুত্তপরি ভিন মাস স্কীয় কিরণ বর্ষণ করিছে থাকে। লাপলও পভাৰতঃ হিম্প্রধান স্থান, বিশে-म्हः बीखकात्व लथांग्र क्यांग्रङ जिन यांन यूर्यान्य না হওয়ান্তে যে পাৰ্যান্ধ তিমাধিকা হয় ভাষা কিঞ্চিৎ भरनारधार्थ क्रिटलके अमुग्रांटम एक स्वतुके अञ्चल ছাইছে গারে। ভ্রমণকারি ব্যক্তিরা বর্ণন করিমা**ছেন** बीड कांद्र करन कान मग्र बालवा । अमि हि-মের প্রারল্য হয় যে ভত্রস্থ সমুদ্য নর্হার জল সংহত্ত कड़ेका याच এवर कृत्विष्ट जुसातवर कठिल इडेक्नां ख উচ্চ 🔻 গৃহহুর স্কাব ক্রদ্ধ থাকিলেও তন্মধান্তিজ সুরাণি फत्न भागार्थ अक्त अभिया गाँस अवर यनि कानकारमह खना चात मुक्त वाया गांक, खादा इहेटल ग्रह-मनाकिल বাজ্প পন্যস্ত তুসার রূপে পরিণত হইদে আরম্ভ করে। अधिवीत अनामा द्यार त्यमन विविध श्रकात रहासन रधाना कल भेगानि जत्य, छेक द्यात तम अकात बारमा ना ; बद्धर आंद्र आंद्र अकृत्क यभिष्ठ किछू छैद-পদ হয় দীতকালে আর কিছুই উৎপাদিত হয় না किन्द्र क्रथमीश्वरत्रत् कि आष्ट्रिया कड़ाना, वहे म्हानरक ७

जिति यकीय बयुश्य कोमंद्र यस्तात वाम-स्थाय कित्रवाद्यन । नाशनश्च द्यादिक चीच निवाम-जूबिदक चर्च महम्ब दर्गन करत । छाज्ञाता ज्यशमीयत व्यमामाद चल्हाम नकत काद्य जाशनामिद्द्यत म्यूमय व्यद्याज-मीय गाशीत मन्त्रम कित्रया मदस्य श्चिक काल इत्रम करत ।

লাপলণ্ডের যে প্রকার অবস্থা ডাহাতে অন্যান) मगग्रात्भका भीडकात्वर उज्जा त्वारकत व्यक्ति प्रतिकृति अहारता, किन्छ नार्शन छ्वानी त्जारक जरहरूम ममल भीक सङ्घालिन करहा. बीउकारल रयमन डेक शांत मीर्घकांब स्रायां डेम इ হয় না, তেননি আর এক প্রকার বিশেষ আলোক ভারা তথাকার অনেক অন্ধকার দূর ও লোকের कर्मा निकांक इहेग्रा थाकि। य विस्थि आंमांक খারা লাপলওবাসী লোকে শীতকালে আপনাদি श्रित्र मारमाहिक मकत कार्या मन्त्रत्र करत्र शृथिबीतः ক্ষে ভিন্ন আৰু ক্তাপি উক্ত প্ৰকাৱ আলোক দেখি তে পাওয়া যায় না, ইহাতে বিলক্ষণ এতীতি চই-एड.इ, ८४ त्कथलत निक्वेवर्डी द्यान मीर्घकान स्ट्यांत वित्रष्ट्र इस, धारे निर्माख जनभी बत उथाय जात्नाक-विद्यारमञ्जू मुक्ति कविया वाचियारहत । सूर्वा विवृह्कारत वालंबराबानी ब्लाटक मृन्। बहेटक व्य जाव्यांक आंख

क्ष्म, जांकांत नाम उनी हीन उक्का, अ उमी हीन के कार य कि अमार्थ अवर कि कांत्र व स्व उकांत उर्शांक इम्म, जांका अमार्थि कान शिख्ड निश्मरभंदम खित कतित्व शिद्रन नाहे, किन्न उक्क अक्ष्म आत्नकि खांता नाशन शीम लांदिक अद्भारत आत्मानि शाम कर्ना निकांक कर्ना के व्यादनांक बाता वाशन स्वामी लांदक मर्भक करता, अवर नम ननी समार्थत करना भरमार्थि शाम करित्य महार्थ क्ष्म, जिम्हांता जिम्हां अक्षन क्षांत्र कर्ना समार्थ करना जिल्लामार्थि प्रकार्थ म्यक अन्त नामित्य समार्थ करना

•লাপলতে এক প্রকার মুগ জন্মে, ঐ মুগ ১৯ছে লা-গুল্থীয়ে লোকে যে সকল উপকরে হ'লে হয়, ছাহার জীতি মনোনিবেশ করিলে বোধ হয় যে জগদীকর কেবল উক্ত ভানবাদী মন্ত্রখাগণের ছুঃখ দুর করিবার উদ্দেশেই ভ্রায় এ প্রকার পশুর মৃতি করিয়াছেন।

[•] জোন জোন পশ্চিত ঐ উল্কাফে বৈদুপতিক ব্যাপান প্রথ প্রতিপন্ন করিয়াছেন, তাঁচারা বহেন, যে ধ্থন যে স্থানে বাস কল্লন হয়, তৎকালে দেই স্থানে ঐ স্থান বায়ুর মধ্য দিন। বিদুদ্দ দালোক স্ফুরিত হল্লাতে উক্ত প্রকার উইকার উৎপত্তি হয়। শীতকালেই লাগল্প দেশে ঐ উইকা প্রকাশ পান কাল শীত ঝতুতে ওত্র সায়ু জংশেক্ষার্য প্রস্কারণ। উল্লেখ্য তেরা বিদ্যুৎসক্তি সহসারে যক্ষ বিশেষ বায়া উলীচীন উপকাষ কায়ে আলোক উৎপন্ন কার্যাও নেখাইয়াকেন।

এবেড হিম্প্রধান লাপলও দেখে বভারতই ভোজন যোগা ফল মূলাদি অপাই জনায়, ভাহাতে व्यातात्र भी उकारन कि हुमां व छे ९ श्रेष्ठ हुत्र ना । भी उ খড়তে লাপলও নাদী লোকে কেবল উল্লিখিত মুগ व्यवनश्चन कतिहारि जीवन धांत्रण कांत्रण धांतक। बे সময় ভাষারা কেবল উহার ছক্ষ পান ও মাংস ভক্ষ করিয়া প্রাণরক্ষা করে, অপর কোন দ্রব্য থাইতে পায় না। শীভকালে যে তাহারা কেবল উক্ত পশুধারা আ-পনাদিপের ভোজন কাট্য নির্মান করে এমত নত্তে, উহা হারা তাহাদিলের জায়ও বিস্তর উপকার দর্শে : ঐ মুগার চর্মাধার। ভাহার। উৎকট শীত নিবারকাপু-ষায়ী গাত্রাবরণ প্রস্তুত করিল অঙ্গে ধারণ করে, পাছকা নিৰ্মাণ করিয়া অজেশে ভুযারাব্লত স্থানের উপর দিয়া নৰ্বত্তে গভায়াত করে এবং উক্ত পশুকে এক' গুকার শক্ট বিশেষে যোজন। করিয়া অনায়ামে ভ্রার্মহ স্থান অভিক্রম করিয়। এক দিবদের মধ্যে হছদুর প্রাপ্ত গমন করিতে সমর্থ হয়। অমণকারী লোকে দেখিয়াছেন, যে শীতকালে লাগলও দেশে যে প্রকার হিমাধিকা খয়, ভাষাতে তথাকার লোকে উল্লিখিং मुन्नहर्भ हात। प्रक्रिकामन मा कतिया कोन भटनी कीवन तका करिएक शादा ना । के मुगवर्षा १ए वर्ष ं এমন ছল ও লোমনয় মে উছ। ব্যবহার করিলে লাপ

नशीय लारक्य आंवरकान क्रम शारक ना। डेख्रमृश-চন্দ্র নিশ্মিত পাছকার এমনি ভণ যে তাহা পদেতে धादन कित्या नाभवाक्योंकी लाटक कक फिटनत यदधा ৩০ ক্রোশ গ্র গমনাগ্রন করিছে পারে। এ মুগ-ধ্রু নির্মিত পাছুক্রি লোমের দক বহিন্তাপে থাকা-জে পাছকাধানী বাজির পদতলে বিছুনাত্র ছিন প্র-বেশ করিছে পারে না, যুভরাৎ ভাছা বারণ করিমা अञ्चलक कुषांत्रवस काम खगन कर्ता यात्र । किन्स छोह-लूर्य मंकट हे ले सूध स्थालना कतिरा है है। अनी ब्राटन তক্তর ভারের গহিত ঐ শক্ট নইয়া এতি দন আয় পত কোশ প্রান্ত যাইতে গারে। উক্ত মুগের এমনি আশ্চন্য শক্তি যে কটিন তুবানেময় হেণা**রছ স্থানে** বহদুর গমন করিতে কিছুমান গ্রেষ্ট হয় না। লাপ-ৰঙ দেশীয় লোকে ঐ মূগ-খোজিত শকটে ভত্ৰৰ নানাৰিধ পণ্য দ্বা পরিপূর্ণ করিয়া নরওয়ে প্রভৃতি দুর দুর খানে বাণিজ্য করিতে যায়। শাতঞ্ছান लालल ए परम नाम कदिए इन्ट्रेंट विजया जगरी भेद উক্ত মূগের সমুদায় গাত এমনি ভূল চর্মা ও অবিয়এ লোমছারা আরুত করিয়াছেন যে তল্প। দিয়া ঐ পশু-শরীরে কিছুমাত মি প্রেকশ করি,ভ পারে ন্ বিশেষতঃ আরও স্নাশ্যন্তের বিষয় এই যে কীজনা-লের প্রায়ত্ত্র জ পশুর গাঁতলোম সকল ক্রমশত ব্রণ্ড পাইতে থাকে। উক্ত পশুর আহারের জন্য শাতকালে লাপল্থের তুষার-ক্ষেত্র এক প্রকার কৈবাল উৎপন্ন হয়, মৃগণন তথন কেবল ঐ শোবাল ভুজন করিয়া। জীবন পারণ করিয়া থাকে এবং তদ্বারা সুক্ররূপে তাহাদিগের শরীরও রক্ষা পায়। পারণ করেয়, উক্ত শৈবালভারা লাপল্থেবাসী লোকেরও বিস্তর উপকার দর্শে।
ঐ শ্রৈণি ভাহাদিগের শাত নিবারণের কার্য সাধন
করে এবং অনেক প্রকার উবধেও লাগে।

শত্রপমু ।

কশন কখন নভামততে নানাবর্ণ হিরাজিত পরম সক্ষর ধন্তর আকৃতি লক্ষিত হইয়া থাকে। অনভিজ্ঞ নাধারণ লোকে ঐ পদার্থকে রামধন্ত বলিয়া উল্লেখ করিয়া থাকে। কিন্তু বস্তু-তন্ত্ব বিবেচনা করিয়া দেখিল উলা রামের-অথবা অন্য কোন ব্যক্তির ধন্তু বলিয়া বোধ হয় না। ইদানীস্তন কালীন ইউরোপীয় পণ্ডি-তেরা ঐ ধন্তর দ্বাপা নির্ণয় করিয়াছেন।

উউরোপীয় পণ্ডিভেরা সবিশেষ অনুসন্ধান দার। এই অবিসমাদিত সিদ্ধান্ত করিয়াছেন, যে যথন ভূর্যোর বিপরীত দিকে বিন্দু বিন্দু র্ফিপাভ কয়, তথন

वे इचिविन्ममूटर स्वादिन পण्डि रहेन। উहिचिन প্রকার ধনুর উৎপত্তি হইয়া থাকে এবং কোন ব্যক্তি कृषा ७ इकिंद्र मधास्रात्न ले धमुद्र अखिगूरथ मधायमान থাকিলে এরণ ধনু দেখিতে পার। সূর্যোর রশ্মিপাভ ছারা যে আকারের উৎপত্তি হয়, ভাহার কিয়দংশ দিখাওলের অধোভাগে অদৃষ্ট থাকে াৰশিষ্ট ভাগ-মাত্র দৃষ্টিগোচর হয়, এজন্য ভাহাকে অর্দ্ধভন্তাকার অপেকাও কিঞ্চিৎ স্থান দেখায়। দর্শক যত উচ্চ-স্থানে থাকিয়া শক্রগত্ব দর্শন করে, তত্ত সৈ ভাছাকে মশুলাকার দেখিতে পায়। যথন কোন জলপ্রপা-ভাদিতে সৌর কিরণ পতিত হইয়া পদুর উৎপত্তি হয়. ভর্ম কোন দর্শক প্রভাদির উচ্চ শিখ্য হইতে ভাহা দর্শন করিলে, সম্পূর্ণ মওলাকার শক্ষয় দেখিতে পায়। অবস্থিতি স্থানের উচ্চতা ও নিয়তা অসু-সারে প্রত্যেক দশকেরই ভিন্ন ভিন্নাকার ধন্ত দেখি-वाव महावना ।

ষধন পূর্বা ও ড্ছিপরীত দিক্তিত রুক্টিধারা সমস্ত্র ভাবে অবস্থিতি করে প্রায় তথনি শক্রধনু দৃষ্ট হয়। এইছেতু বশভঃ প্রাভঃকালে প্রশিচমদিকে ও বৈক' ল পূর্বাদিকে শক্রধনুর উদয় হয়। কোন কোন সময় আকাশ-পথে উপ্র্যাধোভাবে ছুইটি শক্রধন্ত দেখিতে পাওয়া যায়। তন্ত্রধ্য অধ্যন্ত ধনুটির বর্ণ বেমন গাচ

ও উচ্ল দেখায়, উপরিস্ধসুর তাদুশ দেখাল না: নিমের অপেকা উপরের ধমু অনভিক্ষ ট ও প্রভাহীন লক্ষিত হইয়া থাকে। এই বিষয়ের প্রকৃত-ভান পদার্থ-বিদ্যাব্যবসায়ী পণ্ডিত ভিন্ন সর্বসাধারণের সহজে বোধ इस्त्रा मञ्जद नटर, किस द्विकालीन जनविष् मम्दर দৌর জ্যোতিঃপাতের ইতর-বিশেষ ঘটনাই যে তাহার প্রধান কারণ, তাহাতে আর সন্দেহ নাই! রুটিপাত नारन नमूमाग्र वार्तिविक् छिन छ्ट्यां क्रमान छोटन थाटक না,কত্রকভানি সূর্য্যের উপর থাকে,কভগুলি নীচে থাকে धदर कंडलि छेहात मनान सारमें बारक, भूक्यार के দমুদায় বারিবিন্দুতে ভূর্যকিরণএক ভাবে পর্ভিত ছুওয়া क्वान करमंद्रे मञ्जर नटह। य विन्मूछनित है के स्था वा কিঞ্চিৎ উৰ্দ্ধ ভাগে সৌর কিরণ পতিত হয় ভাহাতে অভি উজ্ল ও পরিষ্কার শক্রধমু উদ্ভূত হয়, আর উপরি-স্থিত যে সকল ভুটিবিন্দুর নিয়ভাগে কিরণ পাত হয়, ভাহাতেই মান ও প্রভাহীন ধনু প্রকাশ পায়। আ-कारण हुई भक्तभन्न छेनिछ इहेबात्र छ छ कांत्रन, यनि সকল বৃত্তিধারণতে সূর্যারশ্যি সমানরপে পতিত হইত ভাহা হইলে অভিনয়াপ একটি অভি প্রশস্ত খসুই কোন সময় অভি মান-বর্ণযুক্ত কভিপয় অভিরিক্ত অধঃস্থ প্রধান ধনুতে বায়লেট, बचु ७ (तथा यात्र ।

নীল, শ্যাৰল, হরিত, পীত, পিছিল, লোহিত, এই দাত প্রকার বর্ণ দুন্ট হয়। পদার্থ হৈদ্যাবিং প্রতিজ্ঞান পরর প্রতাক বর্ণের আয়তন পরীক: করিয়া হিন্ন করিয়াছেন, যে উহা ৪০ ডিগ্রী ১৭ মিনিট অপেকা অধিক প্রশস্ত হইবেন।। নিমন্ধ ধন্ম অপেকা উপরের ইন্ত হিল্ডণ বড় এবং উহাতেও প্রের্ণিরিখিত সাত প্রকার বর্ণ দেশ, যায়, ইহার মধ্যো বিশেষ এই যে অধ্যক্ষ ধন্মর সর্বোপরিভাগে যে লোহিত বর্ণ থাকে উদ্ধের ধন্মত কেই বর্ণ নিম্নদেশে দেখা যায়, আর নিমন্দ ধন্মর সর্বোপো এনে যে বায়ালেটি প্রতান রক্ষ দেখা হায়, উপরের ধন্মর সর্বোপরি কাট প্রসার করি দেখা হায়, জার নিমন্দ ধন্মর সর্বাপো এনে যে বায়ালেটি প্রসার হন্দ দেখা হায়, জার নিমন্দ ধন্মর সর্বাপো এনে যে বায়ালেটি প্রসার ইন্ট হন্ট হন্য।

মেঘ-বিগলিত বারিবিন্-সমূহে স্থাকিরণ পতিত গুরুষভেই যে শক্ষপনুর উৎপত্তি হয়, পত্তিওপণ নানাঞ্জকার গরীক্ষাদ্বারা তাহা সপ্রমাণ করিয়াছেন। মেঘ হইতে ধেরপে বিন্দু বিন্দু রুটি পাত্তি হয়, স্থ যোর সম্পুরভাগে সেইরপে জলবিন্দু নিভার কারেছ পারিলেই শক্ষপনুর উৎপত্তি হইতে পারে। পত্তি-গণ অনেক সময় ঐ প্রকার প্রণালী অনুসারে কৃত্রিম শক্ষপনু প্রকাশ করিয়া অনেক লোককে দেখাইয়া ধাকেন। সর ডেবিড ক্রস্টর নামক এক জন প্রসিদ্ধ পণ্ডিত ধির করিয়াছেন, যে কোন গোলাবার শক্ষ পানার্থে স্থারশি গতিত হইলেই শক্ষার নারি বিবিধ বর্গের উৎপতি হইরা থাকে। স্থারের সন্মুখে কার্চপিও ধারণ করিলেও শক্ষার্র নারার বর্ণ দৃষ্ট হয়। কলতঃ পোলাকার হল্ফ পদার্থে স্থানিরণ বিকীণ হইলে বে শক্ষার্র উৎপতি হয়, রাটিকালীন ধমু-ধারাও ভাষাই প্রতিপন স্ইতিছে। মেধ হইছে বে বারিবিন্দু পতিত হয়, ভাষা গোল এবং বছ, ক্ষা কার্চপিতের সহিত ভাষার বিভিন্নতা নাই: ঐ পোলাকার বিন্দু বিন্দু জলে স্থারশি বিকীণ হওয়া-ভেই শক্ষায়র উৎপতি হইয়া গাকে।

বে কারণে স্থারিশার দারা কোন কোন সমস্থ আকাশপথে ধমুর উৎপত্তি হয়, সেই কারণে চন্দ্রকি-রণ দারাও কখন কখন ধমু উথিত হইয়া থাকে। চল্লকিরণ স্থাকিরণের ন্যায় উজ্জ্ল ও নির্মান নহে, এইছেতু সৌর ধনু অপেকা চাল্রধসুর দীপ্তি কিছু মুদ্ধ ও মন্দ্র ইয়া থাকে। সর্বাদা সকল ভানে চাল্রধস্থ দেখিতে পাওয়া থায় না, উহা আঁত নির্মা। ১৭১০ ধীকীক্রের ভিলেমর মানে গ্রাপ্তএল হাল নামক এক বাজি ভর্মিগারাক নামক স্থান হইতে এক আশ্চর্যা চাল্রধমু অবঁলোকন করিয়াছিলেন। সন্ধার সময় ব চাল্র ধমু প্রকাশ পায়, এবং কিয়ংকাল পরে আন্তর্কিত হয়। তালোখা নামক এক ব্যক্তি একদা আমেরিকার নিক্লাংশে এক প্রত্তের নিক্ট অনুত শক্রগত দশন করিয়াছিলেন। প্রাতঃকালে সূর্বোদয় হইবার সময় ঐ নেষাছর পর্বতে তদীয় জ্যোতি বিকীণ হওয়াতে তিনটি সমকেন্দ্র ধলুর প্রকাশ হইয়াছিল, রিশেষতঃ ঐ পর্বতত্ব সদৃত বর্ণ কলিত বাঙ্গা ভূমিতে অলোয়া এবং তংকগভিবাহারী ৫ ব্যক্তির প্রতিরূপ প্রকাশ পাইরাছিল। দশকেরা এক স্থানে দৃশুয়ানার হইয়া উল্লিখিড নৈস্থিক ঘটনার বেন্দ্র শোভা সক্ষণন করিয়াছিলেন, উত্তত্তত অবস্ত ইইয়াও ছক্ষপ দেখিতে পাইয়াছিলেন। ঐ অনুত শোভা জক্ষপ দেখিতে পাইয়াছিলেন। ঐ অনুত শোভা জক্ষপ বেনীন হয় নাই।

মোর কিবল হেতু আকাশ-পথে কথন কথন জাতি
বন্ধনীয় ও সমুজ্জল কুল বলয়াকার জা দেখিতে পাওয়া
মায়। হেগাখ নামক এক বাজি একদা এ প্রকার
উজ্জল বলয়াকার দশন করিয়াছিলেন। তিনি কংহন
মে এ বলয়াকার আভা তাহাদিগের মস্তকের চতুদিকে
লোভা পাইয়াছিল। উহা কথন তাহাদিগের নিক্উপ্ত এবং কথন বা দুরস্থ ইইয়াছিল।

জাকাশ-পথে কথন কথন গুরুবর্ণ ধনুরাকারও স্কাশ পায়। ১৭৭৪ খীটাকে একদা বরুইন নামক স্থানে এক আশ্রী খেত ধনুরাকৃতি দৃষ্ট হইয়াচিত। নি থ প্রর মুখ্য ছানাপেকা নির্দ্ধ উন্তর কোটিব তাগ কাকে কুল হইয়া আসিরাছিল। উছা আকাশ-পথে অকরোধ-পূন্য ও সচকল ভাবে অর্দ্ধ ঘন্টা অবস্থিত ইছল । গ্রেটব্রিটেন বাজ্যের অন্তঃপান্ডী ইর্ফনারার নামক স্থানে একরার বালি কালে উক্ত প্রকার আশ্চর্যা কোড়া প্রকাশিত হইয়াছিল। এক্টা লিড্যু নামক কানে ঐ প্রকার ভিনটি শুক্রবর্ণ গস্তু কৃষ্ট হয়। বিশ্ববিশ্যাক্ত,পণ্ডিত নরভাইলাখ নিউটন প্রথমতঃ ইউবোপ্য শক্ষে ঐ শন্ত উৎপার হইবার কারণ প্রকাশ করেন এবং ভদনজন জনেক পণ্ডিত গোকে উহার ।

मधूमिकिका।

লাগি-ভত্তি পতিত নাতেই সমুনক্ষিণিণের

ক্ষান, বৈশিল, পাছন্ত্ৰণালী দৈখা, পরিভান এবং
আশ্চুরা পরিস্কোচারের অলংকা করিয়াছেন; বস্তুত্ব
ক্ষারা যে অন্ত্র অনুত্র কৌশলের সাহত, ন্তুক্ষ নির্দ্ধাণানি ক্ষার্থা, নাগন করে তালা দেখিলে সকর ক্ষাক্রকেট আশ্চুনানিত ক্ষাত্র হয়। কেবল মধুক্ষিত্রই উছানিলের মধুক্রন নির্দাণের একমান উপক্ষান্ধা। ঐ মধ্যামানা উপকরণ সহকারে উহারা

এমনি- আশ্চর্যা প্রকার ব্যবস্থা করে ও আশ্মানিগের श्रद्धांकत्नाशयुक्त कञ्जिश बहुद्दकांव वज्र बहना छाता. मूपूर्णा मध्कदमद्र निर्माण करंद्र त्य कीन विस्तर भिष्णमक शूक्षण वे वक्षाव উপকর্ণদারা সে প্রকার করিতে সমর্থ হয়েন না । উহারা এমনি শৃত্বান-পূর্বক ঐ ষট্কোন ঘরগুলিকে প্রেণীবদ্ধ করিয়া সাভ জার যে এক বিন্তু স্থানও নিরর্থক পড়িয়া থাকে না । যদি কোন ক্ষেত্ৰভাৱবিৎ বিশেষ পণ্ডিভকে এক বিশ্ব मध्ष्यि अनान कतिया थे जल वावसायमाद्व वर्षे কোণ ঘর রচনাছার৷ উক্ত প্রকার মধুক্রম নিশ্মাণ করিতে অনুরোধ করা যায়, বেধি হয়, ডাহা হইজে তিনি সহজে কৃতকার্য্য হইতে পারেন না, কিন্দু ন্রিক-কারা শুদ্ধ এক সংস্কারবলে ক্ষেত্রভত্তবিৎ পণ্ডিক দিবের ছঃসাধ্য কর্মাও অনায়ানে সম্পন্ন করে। , বর গুলির আকার ষট্কোণ না করিয়া অ্রারূপ করিলেওঃ উহাদিখের বাদস্থান নির্মিত হইতে পারিত কিছ वहेटकान वृष्ट द्वांता मधुकमं निर्माण कतित्व दय ज्ञाला অশা পরিমিত মধুছিউ ছারা কার্যা সিদ্ধ হইতে পারে व्यक्ताः अकारम् इहेर्ड लीरत मे । विरम्भिडः जनी अकात घटनते जटनका मधुमैकिकाता बहेटकान परंत्र मट्या गहरक याजासाठ क्षिरे भारत बन पक्टकान प्रकार। मध्कम निर्माण कतिरम् अ निर्मिष्

काम जात्र केंद्रांच अधिक रूप । वे अब श्रानित किंदि এমান পাডালা মেঠ বুরে মাভায়াত করিতে দক্ষিকা-নিবের মূচৰ আঘাত নাৰিবাৰ ছ ঐ আঘাতে তাহা जीवनात्र निजास मधायमा, वह सैना उहांका अरखान ব্যারর মূর্যের চারিদিকে ভিত্তি অপেকা চারি পাঁচ কর श्रुक क्रिया चन्हीह नगांग चदत्रत निर्माण क्रिया प्रा देशोक मगत विकि शक्त कहिरन एवं पनि क, ठो-रहि मार्ग अवस् काना वर्ष मन नागिक कर गारिशना। म्बाकिका बादवर्किका ଓ मधानग-दक्का वाता वाह्यसम्बद्धाः अद्योजन निष्क कदर् । जैशहा न्यम अन्य हरेगा है कार्य कतिए सरिक, धरेट धरू মুলে একঃ প্রকার কর্মের ভার লইকা আপন্থ কর্তব্য-नाथरम नियुक्त इय । कड्रहर्शन क्रिक्श मधुक्रम्भिक्षीन कतिएक नियुक्त का अभव कडकथिन मिककी ब्रोहांगी आरम्ब असेक छोड़ीनिशस्त्र असोन करता में क्रम निर्माण कविस्ति नम्य हिंहा अ का नना मिश्रटक प्रहे जिन भाग विकास क्रिया प्रकृतिहरू सावस मात्र सर्व बार्कवादत जिस्हे उरम क्रेड्रीजन मान कार्गातस कतारण काछि मन्दर्भ स्थापकम अवश्व बहेगा छत्छ । स्थाप्तरमह मत्मा खराम मानिर वह मानादेश छाराम सरपार जारिनामितात श्राम्म मज्ञान त्रांत्य ; ते श्रेश निवा उनीता पत् बहाज बर्डिक बहुवा मध्करमत वाहिएत अ

মাইতে পারে এবং এক মর হইতে আনা মরে বাই-তেও সমর্থ হয়। এতিছিল বিশেষ প্রয়োজনের সময় সত্ত্ব প্রতাহাতের জনা উহারা মধুজনের মধ্যে এক সত্ত্ব প্রতাহাতির জনা উহারা মধুজনের মধ্যে এক বারা তিরহ কার্যাের জনা তিরহ প্রকার মর প্রকার করে। কভকগুলি মরে মধু সক্ষয় করিয়া রাবে। এবং কভকগুলি মরে লাগুলিতর। ডিম্ব প্রস্কর করিয়া রাবে। এবং কভকগুলি মরে জীজাতির। ডিম্ব প্রস্কর করিয়া রাবে। এবং কভালি মরে ক্রিমানার ভাষা দিবের প্রকার করিছিল স্বর্গ নির্গত হইয়া উডিবার শক্তি মাহর, সে পর্যান্ত ভাষারা এ মরের মধ্যেই থাকে। মাহর, সে পর্যান্ত ভাষারা এবং বরের মধ্যেই থাকে। মাহর, সে পর্যান্ত ভাষারা এবং কভিনি, প্রস্কু, এবং কভিনি

কন্দ্রচারি-দিগের অংশকা প্রভাবিণের আকার রহং

এবং সর্বাপেকা কত্রীর আকার বড়। এই সমস্ত

মাক্ষকাদিনের আকারান্ত্রপ বাসংনি প্রস্তুত হইরা

থাকে। কর্মাচারিদিনের অপেকা প্রভাবিণের বাস্থান

বড়া এবং ভদপেকা কত্রীর বাস ভান বড়া কর্মাচারিদিকের সঞ্জা সর্বাপেকা অধিক বলিয়া তাহাদিগের বাস বানের সঞ্জাও সর্বাপেকা অধিক। মে

ঘরওসিতে মর্থ থাকে, মাক্ষকারা সেই মরগুলিকে

আবা অবের অপেকা গভীর ও প্রশান্ত করিয়া প্রস্তুত

করে। এ ঘরে বখন মানা বারে তথ্য উহারা ঘরের
আয়াউন বড় করে।

বাদি ভব কি পাতিতেরা পরীকা করিয়া ভির করি-महिन त्य प्रक्रियात किवन हरे हैं कुछ गढ-नर-कार्य जाननानित्वतं वामकाम निर्मात्वतं मन्छ कार्या मिकार कर । वे इंदे हैं पष क्या महाक्ये शहित-कार करिया मधुकरम मध्यान करते वर्धन्य । कारा यदत्र काकात्र कियानि कदतः कर्मा कतिवाति नमज मक्किका अ कूछ पंछ प्रहेष्टिक अमेनि नव्देत हासना कर्द्ध दशकार। दमियान दिनामालन इटेटर्ड रेप्पा, मध्-लिके बारा यह निर्माण कार्रमा दक्त भूनः र छाराटि দপ্ত বৰ্ষণ করত তাহার ঢাক্লিক সনান করে এবং मलायां कतियां दे जाशादम अत्यादम में अ পাতলা করিছা বাকে। কোন মলিকা দস্তবার। কোন वहेटकान चरत्रेत्र कायुक्त ब्रक्ति करते; अतः रकान विक-কা কোন পুতন যারের পতন করে। কোন ব্যাস धकर हि मक्किरिक कान परवर महथा न छक व्यक्ति कतिता शाकिएक दमका यात्र। यह तहना के दिएक यान रकोन चरत्र दकान छोटन वक्षे अल्पाक्रन हिर्म इनाम भावित रम, बारा रहेरत एक मानकारा बेनारन अने बदत्र क्रिया मंडक अंदिक कतिया केंद्रवाता देनहें का कार के किया के किया का का का का का न्त्रीक अध्यक्त करबा बनार रमहे केन के स्थान हुई रचना PARTY RELEASED IN SECTION

হয় সেই থানে লাগাইয়া দেয়। একটি মলিকানেমন আপন কর্মা হইতে অবসর লয় এমনি কংক্রাং জার একটি মন্ফিকা আসিয়া সেই কর্মে নিযুক্ত হয় এই গ্রপ অনবরত ও অনবছিল ক্রিয়া ছারা অতি শীন্ত মক্ষিকারা আপনাদিলের প্রয়োজন সিদ্ধা করে।

মকিকাদিলগর মণ্ডিট প্রস্তুত করিবার প্রতিও अञ् छमरकात । उडेशता तम भूतान उलद्यमन नद्व পশ্চাৎপদ দারা সেই পুষ্প ইইকে পুষ্পর্কঃ স্কর कतियां नृहेश बाहेता। छेशेश मसीवि वे श्रूकाद्वा উদরস্থ করিয়া অত্যে প্রথম প্রচরে রক্ষা করে, অনুভর উহা ভাহাদিলের দিভায় পাকস্থলীতে পভিত হুইয়া यशुक्तिके क्राटन भविषक एस, अवेश अद्योक्तिमारक स्विन् কারা ভাষা উদ্গীরভাকরিয়া মুখমধ্যে আমহনপ্রথক पर्यक्षता व्यावनाक चार्न निरमात्र करत । अशिमन নামক এক জন তত্ত্বদুৰ্গী পণ্ডিত নিৰ্দেশ করিয়াছেন, त्व माम्बर्गाता मशुक्तद्वमत बेट्या त्यसन मेथू नक्षत्र क जिस व्यमनीयिक श्रीम अञ्चल करते, रमेरे केल र ज्ला-दब्धु मिक्क क्रिया दाथियात क्रमा प्रथक छान अब्द क्रिया द्वादक्षा युवान क्वान मधुमकिया क्वान विश्वहरू दर्भ नक्ष करिया यहाँ व नवन करत, ত্থন নগুক্ষ হিছে অপর নক্ষিক। ভাইছে সেই ভার अवस्तात्म अदिशे हिंद्या जलन करत्र, प्रश् यथन ক্ষিত্র করিবার আবশ্যকত না হয়, তথন তাহা নির্দ্ধি বিশ্বিক হৈ করে করে। যে কতু বা বে সময়ে বাত ক্ষিত্র উচ্চির আতিরক্ষকে নিজ্ঞারা থানা সমূহার্থে জন জাতরাদিতে গমন করিলে না পারে তখন করিয়া কাল যাপন করে। ই ভুক্ত বেণু মণ্ডিই হইয়া উহাদিশের ইবেটেই আগত হয়। যে বলার্ড মধ্চিই ছারা মন্তিকী আগত হয়। যে বলার্ড মধ্চিই ছারা মন্তিকীর আগত নামান্ত মামাহয়।

মধুমকিকারা আপনাদিগের বাস ছান সুন্ধিন উপ রাখিবার জন্য এবং ভদ্মধ্য অপর কোন কিংপ্র কীটাসির প্রবেশ-পদ রুদ্ধ করিবার জন্যও আশ্চয়া কৌনাল প্রকাশ করিবা থাকে ক্রিভাহারা মধুন কোন নুহন "মধুক্রম, আধকার করে, রুখন পুঞ্জারপুঞ্জ রুপে ভাহার চতুর্কিক পরীক্ষা করিয়া দেখে, রূদি রোন আনে এক বিন্দু ভিত্র ক্ষিথিতে পায় তবে ভর্মকাহ নামি-শ্রকার করিবা ভারা ভাহা রুক্ত করিয়া দেশে, মাধুক্রিক বির্দ্ধি ভারা বাবা ভাহা রুক্ত করিয়া দেশে, মাধুক্রিক বির্দ্ধি বার্ধ্ব বা আতপ আরা নীয় কর ও নুক্ত করিবা প্রায়ার কিন্তু করে । কুকোন বিন্দুর প্রভার ভারার ক্ষিত্র করে । কুকোন বিন্দুর প্রভার করিবা করিবা ক্রিক করে । কুকোন বিন্দুর প্রভার ক্রিক করে । কুকোন বিন্দুর প্রভার করিবা ক্রিক করে । কুকোন বিন্দুর প্রভার ক্রিক করে । কুকোন বিন্দুর প্রভার ক্রিক করে । কুকোন বিন্দুর ক্রিকা বারা ক্রিক করে । কুকোন বিন্দুর ক্রিকা বারা ক্রিক করে । ক্রিকান বিন্দুর ক্রিকা বিন্দুর ক্রিকা বারার ক্রিক করে । ক্রিকান বিন্দুর ক্রিকা বিন্দুর ক্রিকা বারার ক্রিকা ক্রিকা বারা ক্রিকা ক্রিকা বারার ক্রিকা ক্রিকা বারার ক্রিকা বারার ক্রিকা বারার ক্রিকা বারার ক্রিকা বারা ক্রিকা বারার ক্রিকা বারার ক্রিকা বারার ক্রিকা বারার ক্রিকা বারার ক্রিকা বারার ক্রিকার ক্রিকা বারার ক্রিকা বার্য ক্রিকা বার্য ক্রিকা বার্য ক্রিকা বা

श्हेरल त्महे निर्धाम शहेन श्रुक्त हिटल अनोब करि-वात जना नियुक्त बादकी हिन-नियान बाता अकि कांद्रा अना अत्याखन अ मिश्व कांद्रशा भारक । विक অক্লাৎ অপর কোন কুত্র কীট ভাহাদিগের বাস सामग्रा आदेवन करत जाहा इहेरन जाहाता समझ कीकेटक छन कुछाडेग्रा नथ करत, जन उपाइंडेट इट्स होत्रियां क्वियां मित्र: किन्त यात्र कथन क्वियां मधुक अविके हत्र, ज़ाहां इडेटन ७ जानक श्रीम मिक्क একত্রিত হইয়া ভাহাতে বণ করে, কিন্তু ভাহার অঞ্ ভারা বছন করিয়া সে ভান হইতে দুরে কেলিতে भारत ना। এই अवस्था मधुक्तम मध्या के मधुद्रकत **म्डल्लरहर्त्र अगञ् धूर्गक्ष विक्**छ इहेग्र। डाहामिटण्ड ' त्वान रहन । अपिक इटेट ना भारतः अहे-कना जाहाता भूरवालिथिक इक्तियोग बाह्य निर्दे मुख्यम् আছাদিত हतिया होर्थ। কিন্তু মুখন কোন শৰ্ক ज्या करने इत्तर जापाड शहरेग मार्ज तीय कार्य-মধ্যে প্রার্থ্য হয়, তথ্য ম্মিকার অতি সহজে আপ্-नामित्तव अदस्यान निष्क करवे निर्याण होता (करन के सब्दित गर्ने प्रधान के के बातान है, तम उमार्था के करें। बादिक बात विकास बहुबात नीया बादक नी श्रुत्त उक् इवेश्राटक मामकात के कारनत उ ्यीम बारता द्वान द्वान प्रमा तम ७ शास्त्रापिट ।

খুক্ত বধু ক্ষাহরণ করিছে পারে না বলিয়া क्रियां संदर्भ। खे अकात मक्रद्यत मगग , रहेरत 'डेंड्'डा गर्सना प्रकारन मरधा नमभ' ক্রিক্রাপনাদিথের ক্ষুদ্র গুও ছার নানা সুস্পহইতে विष द्वारा निशीकम करता, धर्वर शूनहरू मिनी-'ক্রুড কথন উদর পরিত্থ হয়, ওখন সহানে प्रेमन प्रमूच रमहे मधु बमन कविया मध्यप्रध्य-मक्न धूर्ण किन्निके बोर्य। नकरम् कना छेटाता रव मध्यकि मट्डू,, क्षांचा भनापः कर्म स्टेगांव शत खेशांनियंक्र श्वकारीत जिलात ভारतरे अर्थन शास्त्र, आहारीका रमाम योग्र हो। त्य मिकका से क्राप्त भर्ष वहन क्रिया आहम्, देन काहा खेन्नीवं कविया खनत मांककानिटगर क्षकामा अवान करत, अवर ठार्वि यवाचार में किठ করিয়া রাখে 🕪 মধু লইখা গমন করিবার সময় যদি প্রিমুখ্যে কোন দক্ষিকার অপার কোন কুখার্ড মর্কি-ক্ষাক্র-সহিত নাকাৎ হয়, তারা হইলে ভংকণাৎ ঐ ৰকিকা উহায় উদরস্থ মধু উদ্দান করিয়া আহলাদ क व्यक्ति रनदा करिया थाटक । कि व्यक्तिद्व रव है मिक्किस अर्थत मेक्कित होत्न वार्थनोत्र श्रार्था-बाक्क रहे, बाहा भगानि स्थान पश्चित निःमर-शिक्ष कृतिएक श्रीटबन माहे ; किन्न केशेश एक व्यक्त स्वविद्या अकिथि दनवा करत देत

বিষয়ে কোন সংশয় নাই। সন্ধিনার সহসা আপনাদিনের সঞ্জিত মধু স্পাল করে না, কোন ছদিন উপছিত হইলে অত্যে উহারা, যে সকল হর খোলা
থাকে, তাহারই মধু খার, কিন্তু মতক্ষণ পর্যান্ত অন্যত্র
হইতে উহাদিলের মধু পাইবার কোন সন্তাবনা থাকে,
ততক্ষণ পর্যান্ত কোন মতেই উহারা কোন প্রস্তার
দ্বে মুখ প্রদান করে না। যে সকল হরে শীতকালের জনা সধু স্কিত থাকে, সে সকল হরের মুখ
সোম দিয়া বন্ধ করিয়া রাখে।

কবল সমবেত জিয়া ও সাধারণ চেফাছারাই ছে

মাক্ষাদিলের পরস্পর সৌহার্দ্ধ ও সন্থার প্রকাশ

পায় এমন নছে। যথন কোন কারণে উহাদিলের

রাণী বা চক্রাখিন্ঠানীর মৃত্যু ঘটে তথন উহাদিলের

নখ্যে প্রবল্গ শোকের চিছু দেখিতে পাওয়া যায়।

সকল মাক্ষিকার। কর্মা পরিত্যাগ করিয়া রান ভাবে

কালমাপন করে। কোন মুভন মধুক্রম প্রস্তুত হইতে

আরম্ভ ইবল ভালা আমনি বন্ধ থাকে এবং মধুবা

মধুজ্যি সক্ষম রহিত হয়। বাবং কোন মুভন

রাণী পুনর্কার রাজ্যাভিবিজ্ঞানা হয়, লভাবও উহা

হিলের উক্ত প্রকার অবস্থাই থাকে

অধ্যানিক মাজিবার। একবিজ হইয়া সর্কাশ হিলাকে

কমে অবিল্গেই নুকন রাণী ছিলাকার। বাহানিকাকে

রামী ক্ষরিবার মন্ত লয়, তাহাদিগকে বিশেষ ভানে ব্রুক্ত কবিয়া অন্বরত ২গু পান করাইয়া শীত্রই হুই-পুট কবিয়া গুলবার

দ্রুলি কিন্তু রাজা শৃঞ্জান্ত অতি চন্দ্রের।

উহায়া নকলেই রাজপরতন্ত্র হইয়া এক রাণীকে মানা
করে। ঐ রাণীর মতে রাজ্যের প্রস্তু কার্যা নির্মাহিত
হয় এবং নকল নির্মান নকা পাইয়া,পাকে। ঐ প্রধানা হরুল্ভে নকলের উৎপত্তি ও অবভিতি হয় য়িয়য়া
নক্ষাই উনার প্রাধান্য বীকার করে। ইহাদের
ব্যবহারহারা প্রধান্যর প্রতি চক্তিভাবের আশের্যা
হয়াধ্রারা প্রধান্যর প্রতি চক্তিভাবের আশের্যা
হয়াধ্রারা প্রধান্যর প্রতি চক্তিভাবের আশের্যা
হয়াধ্রারা প্রধান্যর ক্রিমা
বীকার করিয়া পাকে। তিনি ক্রত্রতা হইলে,তাহাব
প্রসারের জন্মা প্রক্রিমা
বিকার করিয়া রাখে, এবং ক্রম্নত শাবক্ষিণ্যর ভো
কনের ক্রমা লাকহার্যা সক্ষা ক্রিমাও রক্ষা করে।

এম হিউবর নামক একজন পাওজানিং দ্বল করিয়া-ভেল মে একই মতের একইটি রানা প্রধানা ইইয়া সেই কলকে প্রবিটালন করেন। বসত অনুসমাগত ইইলে প্রধানা বা রাণী অথের করেকগলি পৃথ ডিয় প্রসব করেন বেংকালে কর্মচারি স্কিকারা একলিত ইয়া বীজ বিক্ষিপ্ত ইইবার প্রধান উপায়। 🖔 ৮৫

মার প্রস্তুত হইলে রাণী পুনর্কার কনা। প্রান্ধ করেন।

ক ন্যারা ব্যক্তিক হইয়া কালেতে রাণীর পদে অভিবিক্তা হয়।

চতুর্থ অধ্যার।

বীজ বিক্লিপ্ত হইবার প্রধান উপায়।

কভ প্রকারে যে বীজ বিশিপ্ত হইয়া ভূমগুলের নানা ভালে নানা জাতীয় উদ্দিদের উৎপত্তি হয়, ভাহা সমাক্রপে নিশ্চম করা এত কঠিন রে, এক প্রকার অসম্ভব বলিলেও বলা ঘাইতে পারে; তপাপি উদ্ভিনতত্ত্বিৎ পশ্চিতেয়া অসাধারণ পরিপ্রম খীকার পর্বক ভদ্বিয়ক ভত্ত্ব নিরূপণ কবিতে ক্রটি করেন নাই। তাঁহায়া বীজ বিশিপ্ত হইবার যে ছয়্টী প্রধান একং সাধারণ উপায় নির্দারিত করিয়াছেন, ভৎ ময়ুনায়ই অতি বিসাক্ষর।

প্রথমতঃ।—অনেক উদ্ভিদের বীজ উদ্ধৃত নীশের অপ্রভাগ হইতে বারু দহকারে উদ্ভীদ হইয়। তুর তুরাস্তার বিশিশু হয়। যে শক্ত উদ্ভিদের বীজ বার্দারা উদ্ভীন হইয়া স্থানাত্তর পতিত হয়, আহাদিশেরই দীর্ঘ দীর্ঘ শীশ হইরা থাকে এবং ঐ

नित्मद अञ्चलित रीज भादापन रहेर्दा डेक रोज पीय কাৰ হুইতি আননাগানি শুখৰ চইয়া গাকে, ঘংকি-किर में के लेकिन शहरीनरे जाशन रहेटड चाना-क्षित्रं बीविक एम । त्क्वनं स्वापून स्कारत बी न उच्छीन . . देहेशांत, निभिष्ठ व्यटनक श्राकात रेनावायरकत स्रेटकासक महारमाक श्रीरमात व्यक्षकारम बीव्य-त्वारमत उदर्शक হয়। উদ্দিন-তত্ত্বদর্শী পরিভেগণ বৈধানকের সরল भीभ अधिकां कि कहैतात व्यामत रकान कात्रवाहे निर्दर्भ केंद्रिटक शादें मेरि ६३ कमाना के फिरमत त्य स्टब ल्लाइस, आँत रंगरे चंदन हीटकांश्वम रहेश विकासमू अतिर्वे द्य : किंड कान दर्शन देशवानदक बेरे अथा-वर्ग निम्नद्रमत कार्किक्य त्मस्टिङ পरिका थात्र । छेडीह भूको छेदलेखि शास्त्रतं घटनक छेके स्मरण अक नहन नीन किथिंड इस, धरेर तिहे स्टल बीज क्वांब मध्य বীজেব পাকৃত। সম্পন্ন হইল। থাকে।

विक्रिक्ट ।— कान कान छहित्तर रीज करणत रखीरिक जानमान इहेशा तमने तमनाखाद विकिश्व इसे । यह जानभार छेलांस इन्द्राहे श्रविक्षी नानर लित-रवेणिक जानकात्मक बोला के उनकील नेनानानी देशा बीज रिकिश इहेगाई यह जानावात है आत विनामान, भाकारक इसके लीनिकिक नहानाभारत है अस्तिक श्रवाह इसके लीनिकिक नहानाभारत हैं अस्तिक श्रवाह श्रविक नहीं भीक लग्नी श्रविक नहानाभारत हैं

বীজ বিক্ষিপ্ত হইবার প্রধান উপায়। ৮%

क्स वर्ष्ट्य श्रद्धक नाम कति ए ममर्थ इकेटकटक । नातिरकम श्रकृष्टि रहान दकान करनद्र दीक मांगारख কোন সাগরের ওটে লগ্ন হইয়া অন্তুরিত আঁতি আ রম্ভ করে, কোন বীজ ছয় মালের পথও ভালিয়া গিয়া অস্কুরিত হয়, এবং কোন কোন বীক ঐরপে সম্ৎস-রের পথেও উপনীত হইবা দ্বীপ বিশেষে অস্কৃতিছ इप्र; कड मीर्घ कात्मक काहात उरलामिका मांक नणे হয় না। কোন কোন উচ্চিদেব বীক্সকে সাগর তর-কের মধোই অকুরিত ২ইতে দেখা যায়। উদ্ধৃ অংকর অভুরের মূলের চতুর্ছিলে এক প্রকার নির্যায় মুক্তি থাকে, উক্ত নিৰ্যাস কোনগভেই শীল্ড জলেতে গ **फरीष्ट्रक इश्र ना ७वर कान अकाद्य मृहिकामि वन** পদাথে সংলগ্ন ইটলে তৎকণাৎ তাহার সহিত যুক্ত হয়। উষ্টলো নামক বৃক্ষ অধিকাংশ প্রায়নদীতীরেই জন্মায় এই জন্য প্রমেশ্বর উহার বীজের উপর কার্পানের ন্যায় এক প্রকার পদার্থের সৃষ্টি করিয়াছেন, ঐ বীজ নদীজোতে ভাগমান হইলে এ কাপাস সমুখা পদাৰ্থ त्नोकांत्र भारतत नााय कांधा माधन करता छेशाङ वाश्व मध्मश्र हर्देश्म दीक क्रान्टर्श क्राम्य जानिशा মায় এবং বীজ কৃচিৎ স্থলভাগে পতিত ছইলেও উ-হার গাতাবরণ রোমরাজীতে বাভাস লাগিয়া উহাকে ण्नाभरंथ केज्डीन करता।

क्रिकेशकः।—बंदमकात्मक छे दितमञ्ज्ञ शिक शत श क्रिके अभिनेदित मध्या इति। हिनाहरू विकित्त ह्या। বীক বিকিপ্ত হইবার এই উপায়টিকে আপাওভঃ কি ডু ্থানসভ বলিয়া বোধ হইটা খাকে। কিন্তু কৰণানি-ধান প্রদেশর এইরপে বীজ বিকিপ্ত হইবারও আ-म्हर्या दक्षेभेक नर्श्वाभन कतिया वर्धियार हम। दब ममख बीज जिलिचिक ध्रोहारत् विकिश स्त्र, छारामि-গের মাঞ্ভিতে পরসায়ুত কৌশল দেখিতে পাওয়া यात्र में शास्त्र कार कार कार वीर्ट भेगीत कृषी छ বাড়পৰি - আত্মত দেখিতে পাওয়। যায়, এবং কোক काम वीरकत इचुमिरक धन अकाव निर्वार्ग गारंक, लेखांनि रथन प्रकान दनगरेंथा भग्नम के विस्त्रन करत, ডংকোনো ঐ বড়িনাক্স ও নিৰ্যাসন্বাধা বীজ সকল ভাছা-किटनीय में बीटन लानिया थारक ध्वर छात्राता यसमः मुन्तिक्त विकाश क्लामि कर्त्त, छरकारन वे नकन ক্ষি তাহানিগের শরীর হইতে স্থলিত হইয়া कुक्तिकरण शक्ति हता यम क शक्तिमध्या क्यन क्रिक्क करिएंड रमया निश्नीहरू, देव रकान रकान अधिरामत वीरंभ यंत्र था नहींत्रे न्यानं रहेवामां वारा-त्रा त्वन क्षाणना क्ष्रेटल छाझातृत्र याणिया जाउन्छ इतः। চোরকীটা ও অপামাগাড়ির ক্লেন্ডেন্সন্দ করিলে অভি महासदे हाहाह कर केंद्र ७ नहीं त्र का निम्न यात्र बरर

বীজ বিক্ষিপ্ত হটবার প্রধান উপায। ৮৯

অনেক লতিকার নিযাসময় ফলও ঐকপে ইক্রাদিছে সংলগ্ন হইতে দেখা বায়।

एड्रॉडः ।-- लयामित **ट्यायन-क्रिया উ**भनत्कल अत्नक छेन्द्रितनत वीक नाना ज्ञातन विकिश्व वहेत्रा बादक । পশুদিনের यে क्रोत्राश्चित्क छ। हामिन्स्त्र लूक कन अमाधित ममुनाम जान की हहेगा गाय, महे खेदकरे को बानल वीकटक कीर्न काबटक भारत ना । वीरक्ष : . शामका-माङ यमम जिम्म थाटक। উহার म्हीयनी-मंक्ति कींव मंबीद्वत दामामनी कित्र छाक्कम करन, वबर त्मरे अदीर् वीक त्य স্থানে বজিও গদ, দেই খানেই অঙ্ক্রিড হইতে আরম্ভ वरता यज्ञमीन कृतकता त्यमन टाकी श्वर्कक छाम कर्षन করিয়া শদ্যবাজ বপন করে, কাকেরা অজ্ঞানতঃ জন্ত্রপ ক্রিয়া অনেক ডানে অনেক প্রকার বীজ বপন করিয়া थाटक। উহাব। बद्दपुत इटेट्ड सूशकु कनांति आम-य्रम क्रिया अक्ष्यार्थ हक्ष्मात। ज्ञि थनन क्रिया তন্মধ্যে প্রোথিত করিয়া তছপরি মৃতিকা হাপা দিয়া রাবে এবং অভি অপ্রকাল পরেই ভাহা বিশ্বত হইয়া যায়। সেই অযত্ত্বক্ষিত মুক্তিকাছন বীজ কালেভে অহুরিভ হইয়। ব্রুৎ ইকে পরিণভ চয় धवर श्राह्य कन धार्म क्रिया अन्या कीरवत कीरिका निकाश करता।

्रभक्षम्बद्धेः भेन-देकान कान वी म नेत्रीरत कशनीयत शकी क्षांकित अदर्कत नाथि कारणव विटमंत्र तहन। कति-महिन्न अबर कान काम वीकटक क्षम क्रमांत्र ना त ক্ষুত্র ও প্রস্থাতর অসংখ্য রোম ছারা আন্চাদিত क्रविश्लो क्राविश्लाहरून है वार्च नहकारत के नकल वीस শ্বনিজগতি *বিইন্ধ* অপেকান্ত সম্বর বেগে উড্ডীন ष्ट्रेश दिन दिनां खेत भन करता के मकन विस्कर चार्कक त्रोमंग मम्मन्न कतिया वित्यम मिल्लं निर्मुण পতিতেরাও বিশারাপান হইয়াছেন ৷ পক্ত বীক-निरंगत्र अभिनि ऋटा शैक मध्यूक इहेगांट । य छोडा-मिरधव भवीरव खिं मार्मान वाश मध्यमर्भ इडेवामा-তেই ভাঁহার। অনায়ানে উড্ডীন হইতে পারে। ঐ विक बादर काश्यरधा अभिकावधात्र का न याभन करते, , ছার্ম উহাদিণের অল-নংলগ্ন পক্ষ পরিফার রূপে अव्याप श्रीष ना, किस উद्योगिटगत शकावका छैर्शीय उ क्रिका त्यम উত্তিদেশের শরীরে জাপন। इन्टेड क्षिकार्गा के बेटक शास्त्र वद्य कथम के होता विनक्ष इत्यान्द्रश्यु इत्र उधन फ्रेट्सिनराक मिथान ताथ क्षा त्वन केराता केण्डीन स्टेशात लगा शक विज्ञात क्षित्र। क्षञ्च त्रविवाद्धः।" विरूपेषणः जनमीयत दय केंद्र निक्ष आधित महीत्त्रते शन्द्राव जान क मूट्यान् अविशेष काम जिल्लाना महिना चया क्रियान भाग मरदावा

कतिबाद्यन, উलिथिछ शोकभेत्रीदत्र अविकन एकन বিবেচনার চিহ্ন দেখিতে পাওয়া যায় 🛝 হক্ষা কেশ-ताच्छन वीजिमित्भात त्राभेत महुन व्यवस्थित होती যেমন তাহাদিগের বায়ু পাধাবলয়নের সূলভ উপায় সিদ্ধ হইয়াছে, সেইরূপ ওদারা উহাদিগের আশ্চর্যা অঙ্গোভাও রদ্ধি হইয়াছে। উহাদিগের গাত্র সংলগ্ন ঐ রোমরাজি প্রভাবস্থায় প্রকাশ পায়, এবং অপক कार्त बीज मंदीरदृष्ट अष्ट्रम शास्त्र, वे मुरकीमन ভূষা কেশরগুলির জন্য উল্লিখিত বীজকে অভান্ত "সুথস্পর্ণ বোধ হয় অথচ উহা ছারাই বীজ সকল স্থানাম্ভরে উপনীত হট্যা থাকে। উহাদিগের শরীরত্ত কেশর সকল প্রাকশিত হইলে কি জানি বায়ু সহকারে উচ্চীন হইয়া যদি উহা নিক্ষল ও নির্জ্ব রিভ হইয়া বায় এই নিষিত্ত কোন माउदै उरकाल क्यांत मकन क्षकां भाष ना।

নঠতঃ।—কোন কোন উদ্ভিদের কল পক ক্রতের
আপনা হইতে বিদীপী হইয়া ভাহার বীজকে বহরতের
নিকেপ করেন। বীজ বিশিশু ইইবার এই শেষোপারেন প্রমেশরেরও কৌশলের একশেষ দেখিতে
পার্জন বাল। পদার্থবিদ্যাবিং প্রিভেক্স পরীক্ষা
ক্রিকা দৈখিলাহেকু, বৈ কেবল কড় পদার্থের ছিডি
সাপকতা শক্তির নিয়মাসুসারে উলিখিত প্রকার

में कुछ का भाव मन्नाव इस । ,त्य महत्व बीस के क्राल्प धकाष विमीर्ग कतिया जामास्टर भमम करत, जाहा-निदुब्द रकांव मरथा यखित गम वा किहेकिनी करलब চ্নামেত্ৰৰ প্ৰকাষ নিকেপণী-শক্তি দেখিতে পাওয়া बीम, किन्दु सायर ना रीक क्रूशक इस, जावर उन्क मंकि अनाभ भाग मा। " विदेशवर कटन विक्रमवर উপাক্ষৰারা ঐ শক্তি কছা থাকে। কোন কলের वीक व्यथनावणां कावमत्था जात्वव त्मेंत्वन नाम धक धकांत्र करने कांग्रेकान शांदक धवर शंक इहेत्र। আপনাপনি ছুটিয়া গিয়া দুরে পালিট হয়। কোন কোন বীজ কোৰ্মধ্যে কৰাই সভূপ আচ্চাদনে গাৰ্ছ बॉटक, शदब शकु इहेटल क्रे कवां है जाशन। हुहैटल हुक ैंइ अयात्र वीज एत्रामरण छेश्रनीक इस । काम কোন বালুভূমির ক্লমিশেষে এই বিষয়ের আরও कांग्डवा को नाम दिन्दिक लाख्या गांत्र। दव नकन বীক প্রধ্যোক একানে ভিভিন্তীপ্রকতা শক্তির নিয়-শাসুষাত্র বেশ্ব হইতে ভুৱে নিক্তি হয়, প্রায় তা-হারা চন্ধব্যতেই কোনমুক্ত ইইয়া থাকে, কিন্ত क्रामिक्क्रवात्कारकात्वा इत्कत्र वीक श्राक कारन नि-किंक ना दरेशा कार केन्द्रा के नत्त्र कारण निकित क्षेत्रेश बास्त्र है। क्षेत्र महत्रके क्षेत्र हरू रहेन्द

গাবিলে বালুকা-ফেনে পতিভাক্টয়া এক কালে ক্ল-কল ভইড, এই জন্য সরস কালা উপকিত্না হউলে এবং সরস স্থান প্রাপ্ত ন। ইউলে উপ্তান বীজ কোষ হইতে বহিণতি ২য় না। ক্লচ্যত হইলেও নির্প্তয় বায়ু সহকারে উড়িতে গাকে। যতকল সন্ত্রস কালের স্যাগ্য ও সর্য ভালেন প্রাপ্তি না কর, ততকশ উহার কোব যুদ্রিত থাকে।

भलक्षि।

ভলপুনা আ বালুকান্য প্রশন্ত ভ্রেণত যে তলে ত্রাদি কোন আকার উদ্ভিদ উৎপদ্ম হয় না, তাহাদ্ধি নাম গকভূমি। এই মক্ত্রিম পৃথিবীর অনেক ভারেই প্রিয়াম আছে। আদিয়া থণ্ডের মধ্যে পারসীক দেশে ও আবের দেশে বিশুর মক কেত্র দেখিতে পাওছা বাস । কিন্তু আদিকা থণ্ডেতে যেবন প্রসানির মক দেশে সকল বিদামান আছে, পুথিবী-বিধা আর ক্রাশি ভের্মন মক কেত্র দেখিতে পাওয়া বাস্থা না। প্রায় আফ্রিকার ক্রাণে ক্রেন্স মক ক্রেন্স দেশিতে পার্থের বাস্থা বাস্থা আর ক্রাশি ভের্মন মক ক্রেন্স দেশিতে পার্থের বাস্থা বাস্থা আর ক্রিন্সার ক্রিন্সান আভি বিশ্বীণ প্রস্থাত প্রকার কর্মনান মক্ত্রার প্রসান আভি বিশ্বীণ প্রস্থাত প্রকার কর্মনান মক্ত্রার প্রসান আভি বিশ্বীণ স্থান আভি বিশ্বীণ প্রসান আভি বিশ্বীণ স্থান আভি বিশ্বীণ স্থান

নীয়া প্রাক্ত বিশ্বলা আছে এই ছুর অসারিত কর্ন্তন্ত্র মন নক ক্ষেত্র এক প্রকার লোহিত বর্ণ বাসুক। করার পারিপ্রাক্ত অবহার কোহিত বর্ণ বাসুক। করার পারিপ্রাক্ত অবহার কোহিত অভি রমণীয়া। পাধিক প্রণাক করে, তথন উল্লেখি মক দেশের আছি চুটিন লোহ করে, তথন উল্লেখি মক ক্রেলার অনুস্ত হয় কর্ম উরার মধ্যমিত ক্ষুত্র ক্রমণান সকলকে দুলিক্ষ দেলায়। তীর্ণবাত্রি, ব্যালজারার ও দেশে দালারিপ্রাক্তির পর যে করে ও যে প্রকার কেশিলে কর্ম করে, তাহা মনে ইইলো চমব্রুক ক্ষম করে, তাহা মনে ইইলো চমব্রুক ক্ষমেত্র ক্ষমেত্র ক্ষমেত্র ক্ষমিত্র ক্ষমেত্র হয়।

कारक रमनीय दनिरकता यथन के हर्पम छूमि छाछकाम करिया आक्रिका थर छ वाणिका करिएड यात्र हर्पन
छाड़ाता। भंड भंड छेट छुन्न अर्ट्छ शना छाव व्यक्ता करव
विक्रिक्त भंडिक। याकी कारण खेटाता कर्पन मक्त्र निवास
कारक मित्रा महल शहर शमा करिएड शाहर ने
भंडिक खेरर विक्रिक निवास दिखार मित्रिक के यतकारक नर्द्या करिया क्रिया क्रिया यह शाहर निवास के यतकारक नर्द्या करिया क्रिया क्रिया यह स्वास्त्र निवास के यतकारक नर्द्या करिया क्रिया क्रिया क्रिया करिया कर्या करिया करिया करिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

এইक्र अक अकिं विशास शादन मक्कीं कान दाम कतिया भूनकात बाका कदब्र, अन् अहेक्टरी भयन कत्र कत्म विशा च च वाक्षित अ वाविकात विकि স্থানে উপনীত হয়। পশ্চিকগণ এক বিজ্ঞান স্থান পরিত্যাগ করিয়া চলিতে, আবন্ধ করিলে পুনর্মার যতকণ আর এক বিশ্রামস্থান প্রাপ্ত না হয়, ততকণ আর কোন রূপেই কোন স্থানে বাস করিতেরা আঞ্রয় পাইতে পারে না, বহুকণ ভাহাদিগকে ক্রমণত পর্য্য-हैन कतिए इस, बद॰ छहकाटन डाट्निनिटभन आहि । বে কোন প্রকার বিপদ উপ'হত হয়, তাহাও অঞ্জান্ত ; ২ত চিত্তে নহ করিতে লয়। এই প্রকার মধাবর্তী পথে কখন ৰখন এখন অগ্নিম্ম উত্তপ্ত বায়ু প্ৰশাহিত হইতে থাকে যে ভাহাতে মনুয়া ও উট্ প্রকৃতি সকল व्यागीरे अक काल मक्कार इहेश भएए, छेळ वांबू षांत्रा उरितिशेत मगिखवादात्री मकस बस्टे भीतम अ एक बहेश्री गाँस। अभिक, धनश्भिविद्यम् हे सम्माना एक त्मार्थं शाम कड़िवांत्र कना अश्रिमामिदशत्र मदक अक आकांत वर्षात्कांच महता व्यक्त नेका करिया अहिया ৰায়। কিন্তু বন্ধুত্ৰ উত্তেখা বায়ু প্ৰবাহিত হইতে चार्य इंदेर्ज त्महे छर्ष्ट्रकार्योष्ट्र जं समञ्ज छक् इदेश कर्पत्रः क्यम् व्यवकार्त्रः विद्वारम् विद्वारम् नाइ काम रकाम क्या तक्त्रक निर्मेश निनाकरात

নায় নিরস্তর মুনুষ্য ও উন্ত শহীরের শোণিত শোষণ করিতে থাকে। এক জন গ্রন্থতার বর্ণন করিয়াছেন, বে এইরূপ ভয়ন্তর বিপদকালে আরবের ধনাতা বণিক-দিপকে কথন কর্মন পাঁচ শভ রজভু মুদ্রা প্রদান ক-রিয়া এক ভঞ্জবি জল ক্য় করিতে হয়।

ত্তি থাটাকে এক বার এক দল বনিক আফ্কার
অন্তর্গত ভয়তু হইতে ভাকিলেত নমিক স্থানে গদন
করিবার নমন্ত্র প্রান্তরন্থিত নিয়মিত বিজ্ঞান স্থানে কল
প্রাপ্ত না হইয়া পিপাসায় কণ্ঠ শুদ্ধ হইয়া প্রাণ্ডরাগ
করে। এই ঘটনায় ছই সহজ্ঞ মন্তব্য ও এক সহজ্ঞ
অন্তর্গত উট্টের জাণ নট হয়। মকভূমিতে মধ্যে
বধ্যে এইরূপ তুর্ঘটনা ঘটিয়া হানে স্থানে মন্তব্য ও
উন্তানির অন্তিরাশি পতিত হইয়া থাকে।

ন্ত দেশাকীৰ্ণ আফ্রিকার বাণিজ্য-পথে বণিক্ দিলের এক একটি নিলন স্থান আছেল। নানা কেল ক্রতে বণিকেরা নান। পথে আগমন করিয়া ঐ হানে, যিলিত হয়, এবং মিলিত হইয়া পুনর্বার সকলে একটি যাত্রা করে। যথন অধিক লোকে একটি মিলিত হয় মাত্রা করে। যথন অধিক লোকে একটি মিলিত হয় ভাষন বণিকেরা নিঃশালে মক্লেশের উপর দিয়া গমন ভাষা বরিং অকেশে দক্ষাভয় অভিকান করিতে পারে। কার বর্ণকে স্থানে উহাদিগালে প্রক্রিমান্ত প্রথিক কোল কোন স্থানে উহাদিগালে প্রক্রিমান প্রমান্ত প্রথিক করিতে হয়। তথ্যভূষ্ইতে কেজ নামক ছোঁচন গদন করিতে চারি মান নয় দিবস লাগে, কিছ ইহার মচ্ছা প্রিকের। ছুই মাস চতুর্বিইপতি দিবস প্র্যাটন ার এবং অবশিক্ত এক মান প্রকাশ দিবস বিজ্ঞান

भक्त प्रनीत श्रापत भारत जिन्न सिन यशिकात आहि. বৃণিকের, স্থন যে অধিকানে ভিত্ত উপনীত হয়, তথন তত্ত্ব অধিকারী ভাহাদিগের রকার নিমিত किष्णिय बुक्क माम दम्य, श्रे बुक्कक्ष छोडापिशदक , আপন অধিকার পার করিয়। অপত্র অধিকারের সীমায় উপনীত করিয়া তথাকার প্রধানের স্কুত সনগ্রী করিয়া আইনে। এদি কাহারও অধিকারে ব্যানকর। কোন রূপে অগহত বা অপনানিত হয়, ভাহা হইজে কৈ অধিকার-ভুক্ত গকল লোকেই ভাহাতে অথানান **व्यक्ति** करतः विकास करता करता स्ट्रेसा 🗳 অত্যাতারের প্রতিফল প্রদান করিতে চেটা পায়। [†] আরব দেশীয় উক্ত প্রকার বাণিক্যমাত্রি দিগে**ঃ** এইরপ সংস্কার আছে, বাণিজ্ঞা পথে গমন করিবার সিন্ম কোন প্রকারে ভোজন পানের অভ্যানার করা जविधि, से मैमेश देक्ट द्रकान श्रकात कछ,।एस क्रिक साहादक धर्माञ्चक इट्टेंड इस । उहाता के नगर दक्तन बदेकिकिद शिष्ठभक्तं उक्त ४ वक विन्यू जना मान পান করিয়া দিন হাপন করে এবং স্থান্য প্রকার বেশ থারণ করিতা কাল হরণকরে। উহারা উজ ক্ষর উৎকৃত ভোজন ও উৎকৃত বেশ ভূষা বার্ল্ডিড বালে। কপন কথম কোন বাণক দলে কেবল কিপি ব্রায় সাত্র ভক্ষণ করিয়া দিনপাত করে। দিবাবলা হুইলে পথিক ও বণিকের। এক খুলে মিলিড হুইয়া অবস্থান করে, এবং শিতির তাপন করিয়া সকলে একতে জন্মীশ্রেরে উপাসনা করে।

কেন কোন সময় প্রচণ্ড বায়ু ঘারা গত ভূনির বালুক।

কলা উচ্চীন হইয়া অতি ভয়স্কর ঘটনার উৎপত্তি

ইয় বায়ু সহকারে প্রভৃত বালুকারালি অনগরত

উচ্চীয়মান হইয়া চতুর্দিক আছ্র্য করিয়া কেলে,
এবং মুর্ছাগা পথিক-গণের চৃতিপথ রুদ্ধ করে। এই

সময় পথিক গণ চতুর্দ্ধিক কেবল ঘোরতর অন্ধরার
ময় অবলোকন করে, এবং চতুর্দ্ধিক ইউতে যেন গাঢ়
কল বর্ণ প্রস্তর্মন্ম প্রণত্ত পর্যত ঘারা বেন্টিত ইউতে

থাকে। ভাহারা না উর্দ্ধা দিকে চৃতিপাত করিয়াই

কিছু দেখিতে পায়, না অধ্যোতাগ সন্দর্শন করিলাই কোনিতে পায়, না অধ্যাতাগ বায়ু ও বাইবিদ্ধানি

ক্রিকার পায় বায়ুর্য সম্প্রতি প্রস্তুর্য বায়ু ও বাইবাদি

ক্রিকার পায় বায়ুর্য বায়ুর্য প্রস্তুর্য স্কল

উপিত হটয়া ছতাশ নাবিক গণকে জীত নিনিৰে मुद्भाद कीयन मुर्कि मन्दर्भन कद्माय, प्राहेज्ञश खरे मर्थ-য়েতেও সমুদ্র সদৃশ মরু কেতের সর্বাত্র পর্বাত তুরা বালুকার ভবন্ধ মমস্ত আন্দোলিভ হইয়া প্রতিপলকে নিরাপ্রিত পণিক শংগর জীবনাশাকে হরণ করিতে খাকে। अहेकरण दालुकाकाँ में जनदत्त्व छे उछी ग्रमान दे**हेग्र**। কখন কোন স্থানকে গভীর খাতে পরিণত করে, এবং কণ্ন কোন স্থানে বালুকাময় উচ্চ পর্বত প্রস্তুত করে। এই অবস্থায় পথিক গণের আর যন্ত্রণার শেষ থাকে 'না, ভাহার। চকু মুদ্রিত ও নিশাস রুজ করিয়া কোন मत्त जीवन धादन कविया थीटक अवर जाननामिटशब অভিগম। পথ দেখিতে না পাইয়া পদমান বিকেপ করিতে পারে না। কিন্তু এই সময় ভারবাহী উ্ট-গণের অসাধারণ কার্যা সন্দর্শন করিলে মনুষ্য মাত্রকেই िन्मसार्थम अ मूक्ष रुहेटक रहा। एक गर्न वह नमन्न যে ক্লৌশলে বিপদ অভিক্রম করে ভাছা দেখিলে त्यांथ इम्र, (य नर्सक श्रुक्त अड्रेक्न विश्वतम् अजी-.. কার উদ্দেশেই আর্থ প্রভৃতি দেশে উন্টের সৃষ্টি করিয়াছেন। উট ভিন্ন আর কোন জন্তই এই বিপদ হইতে উদ্ধার পাইতে পারে না উত্তেরা আপনাদিগের দীর্ঘ গ্রীবা উন্নত করিয়া উদ্ধ-मूर्य रहेया চলে এবং জবিরল পকান্য তল নেত্রপত

मोब्रा ठकू आस्ट्रांमन करिया तारथ। जगनीयत धननि অপুর্ব কৌশলে উট্টু জাতিক্রীদ রচনা করিয়াছেন ্রিষ ভাহার। অকেশে বাবুক্তের উপর দিয়া চলিতে श्रीद्रि, उन्हें इंडिंड कामन ७ अगन्त भारत को गर ওলে ভাহা ৰাক্স-ভূমিতে প্ৰবিষ্ট হয় না এবং ভাহাৱা আপনাদিশের দীর্ঘ পদ ছুরে দুরে বিকেপ করিয়া অপুর পশু অপেকা অতি সত্তরে মরুভূমি উত্তীর্ণ হইতে পারে, স্কুত্রাৎ ভাহার। অধিক প্রান্তও হয় না। বে বালু ভূমিতে অধাদি অনা কোন পশু অভিকথে ও অতি বিলমে কিয়দুর যাইতে পারে না, উট্সাতি ক্ষেত্র প্রকালেকে অকেনে অধিক দূর গমন করিতে সমর্থ হয়। পূর্কোলিখিত প্রকার বিপদের সময় পথিক এবং বণিকগণ কথন কখন ভারবাহী উ্টুদিগের উদরের তলে কাল্যাপুন করিয়া প্রাণ পারণ করে। কর্ণাপূর্ণ বিশ্ববিধাতা অমন পরিশুরু মক ভূমিতে পথিক গণের জল প্রাপ্তিরও উপায় कदियां होचिगाइहन। आश्चिकात यक त्मरम अक এৰ প্ৰকাৰ অপূৰ্বা ৰক্ষ ক্ষমায়, তুকাৰ্ত পৰিক গণ इस्क अञ्चलचाठ क्रिटन खबरा उन्नात्था दकान क्लीन इटकर श्रेष उक्षम कांत्रत अहूत निर्माण जन श्राध इय अपर छाही लाम कविया नीवन हरेया थारक। जे उन्नेश्वद्भे कारीयत अर्थ क्लेशास्त्र नाम राज्य

করিয়াছেন, ঐ পর্নাগা প্রচুর পরিকৃত জন সঞ্চিত থাকে এবং উইার অগ্রতীগ ক্রন্ধ থাকাতে কোন ক্রথে এক বিচ্চুমাত্র জন শুরু ক্টতে পারে না। প্রথিক গণ ঐ পত্রের অগ্রতাগ ছিল করিনেই উল্লখ্য হইতে অপুর্য্য প্রিক্ষুত জন আপ্রে হয়।

ं देवक हेटन के पाउँ शत सामक कक्कन मार्ट्स धेक में ভারতবর্ষীর এক 'লোহিত-বর্ণ মৃক্ত্মি উত্তীর্ণ ইইতে : এक চমংকার ঘটনা প্রভাক ক্রিয়াছিলেন, এ मक क्या প্रতিত हिरेशा लीशांश स्थाप करेशाहिन से न তিনি কোন লোহিত বর্ণ দাগরে পাতত ইইয়া সম্ভর্ণ করি।তৈছেন এবং কথন কথন তাঁহার চতুর্দ্দিকস্থ উট্টী-ब्रमान रालुकावानिएक देखेकमञ्ज शुल्ल आकार छन হ ইয়াছিল। ঐ বালুকার ক্ষুত্র কণা সকল তাঁহার এবং दै। छात्र मिक्र ब्लाटकत पूथ, उक्क, माना, कर्व व्यक्कि कार्टम अविक इ उग्राद्य जनदलति कीर्यम मेर्निय इंडेया-ছিল এবং नक्टनर शिशानाग्र एक-कर्व रहेग्रा मृडक्ला इरेग्राब्रिक्तन । किंद्र अमन अवश्रीरिक फेंक्स मार्टर-त्वत अप्तिवाही छेमें भवन के बानू-खुमिएड अप्ति छ क्या निष्ठित क्रिया नम्खे त्रेग-चारत्रे महिल आदेति मिनेटक श्रृटेशेट धार्त श्रृत्ते ह नियाहिन। थरे मक क्वेंद्रक च के कार्ट्यंत श्रुनः श्रुनः श्राधित है। विश्वीर जनान ग्रंच निग्नी समें देहे ग्राहिन।

दाँइत्वरंश मझजूमित राज्याताभि छेष्ठीन इदेश कर्यम् कथम माना क्षकार खट्टूत उर्शिख है। उल्लिबिक न्भिष्टिः गृत नाहुर व वानुकामग्र सम् अलाक कडिशाहितान। जिनि वाक्न करतन द्व श्रेखांविछ वालुकामय उम्र १३ ५० वर्ग रहेवाद कियरकाल शृद्ध वे मक रमत्मत द्वारन द्वारन थाएश जावर्ड वासू मुख হইয়াছিল! অনন্তর উক্ত প্রকার জীবর্ত বায়ু-সং-কারে তাঁহার চতুর্নিকে কভিপর বাসুকানয় স্তডের उद्भाख इहेन। ये उन्न मकन करम करम अब छ दि उचिक इहेन त्य जोशीमत्त्रत कडा होन करण वर्ण अपूर्वे इहेश्री (भवा: अन्छत् के मक्त छछ अदक अदक বিদীর্ণ হইয়া এক ভয়স্কর খটিক। উপস্থিত হইল এবং সকল লোক উট্ট হইতে অবরোহণ করিয়া অতি সম্ভূ চিত ভাবে ই পঞ্জিবের পশ্চাতে কাল বাপন করিয় बहिन 1

কখন কথন এ সকল স্তম্ন এক প্রকার আন্তর্যা ও অনিচ্চিত্ত গাছতে নানা তানে পার্ত্তমণ করে। এস নামক এক জন সাহেব ব্যক্ত করিয়াছেল, যে তিনি একদা মরকেতে ও প্রকার আন্তর্য্য প্রীয়ামাণ স্তম্ভ সন্দ-লান করিয়া কালনার সদল কল সকলে বিন্ময়াপন ভ্রমাতিশেল। জিনি এক নাম ভূমিতে উপনীত একবার প্রবল বেগে ভাঁহার নিকটে খাবিত হইবা আদিতেতে, এবং কখন তাহার নিকট হইতে অভি দুরে গমন করিয়া এককালে অদৃত হইতেছে। কোন কোন সময় ঐ নকল স্তম্ভের মধা দেশ ছিম ভিন হইয়। ত্বই খণ্ডে বিভক্ত হইভেছে এনং কখন বা ভাহায়। দীৰ্ঘ काम এक यान जागी कहेगा कान गानन कतिएउट । ক্রেম গাম্বে এক দিন প্রাতে ঐশপ্রকার কভিপয় उद्युद्ध अश्चिमय छाउँद नागि खदल्लाकन क्रिया-ছिলেন। बे एस मनन आङ्क्ताला विक दिना করের সম্পথক্তী হওয়াতে তাহাদিণের প্রত্যেক অণু স্থ্য কিরণে লোহিত হইয়াছিল এবং স্তরাৎ ভাহারা দৰ্শকদিবোর চক্ষে রক্ত বর্ণ অগ্নিনয় ক্তম দদৃশ প্রতীয়-মান হইয়াছিল। ব্রম সাহেবের সঙ্গী লোকে ঐ অগ্নি मन्भ तुष्कृतर्भ सम्भ गंकन धार्काक की तम्। अधिम उद इंडरहज्य इर्गाप्टिल जरूर खलग्न कारलंद नमानम मत्म कतिशाष्ट्रिम, अनस्त छेरात रहेशा भार रहेत।

া আকাশের সামৎসরিক ঘটনা।

প্রতি বৎসরে প্রতি মাসে ও প্রতি দিনে আফালে বে সকল অদুত ব্যাপার সক্রটিত হয় জাহা সকল লোকের পকেই বিনায়কর ও কৌতুহন জনক।

बमन रहाक मेरि देव में गमल बहु प्रोमा जल्मन विविध विकास के को पूर्वाविध ना क्या; कि शक्तिक, কি অন্ত সকল-প্রকার লোকেই আকালোর আশ্চর্যা चेष्टेम् दिविषट खिरुक् देरहम । योहाता दकाहि-বিষ্টা। অভাস করিয়া স্থা চত্র এবং নক্তাদির ভিতি ও গভিন্ন বিষয় বিলক্ষণ সাৰ্গত হইয়াছেন, ভাহারাও अंटरत उपम का स्टिन्स् र्लात अर्ग ७ प्राटक जूते जालम्म विषयंक अगन नहेंगा जात्मान कवित्व हेक्क हन, ध्वर अभिकित अल लार्कि के मकल विवसक धारावित कंप्पना केंद्रिट ७ वे भन छ छ एउ वियेत्र मन्मनेन केंद्रिट उ উৎসাহান্তিত ইইর থাকে। উক্ত বিষয়ে বহু জনাকীণ-नगरवीं में जीकरकें अनुदान अकाम केंद्रिए केंग्या बीत्र, दबर आमा कांकरकंड आर्टमानिक श्रेटक कुछे क्रीत महथा तिरमय धरे देवे अनिक लादिक ট্র সমস্ত গ্রহনক্তাদির প্রকৃত তত্ত্ব না জানিয়া উহা निगरक जानेनापिट्यत माकार छंडी छैंडनांडी रमवडा-বন্ধ প্রত্যন্ত্র করে, আরু ভবুজ পণ্ডিভেরা এ দকল করিয়া উহার নিয়ন্তা महिन कैंडिन कर्दन।

পূৰ্মকারীন অনভিজ্ঞ বোকে আন্তরীক ঘটনা লইয়া কৈ আপন্যাদিগের কও প্রকার গুড়াওও কপ্রনা করিও অত্যা সমাক প্রকাশ করাই ক্রিন। ভবসংক্রান্ত ্ এক ৃটী বিষয় উপস্থিত ইইলেই বুদ্ধিমান লোকের

শ সংবরণ কথা কঠিন হয়। কেবল পূর্যকালীন

ক কেন, একণকার যে সহ ক নক্ষতাদির

থার্থ ভল্প না ভানে তাহারাও উহ্যাদনের উদয়াত্ত
লইয়া বাধ শুভাশুভ ঘটনার কম্পানা করিয়া থাকে।

চন্দ্র স্থান ও গ্রহাদির তত্ত্ব জানিতে পারিলে কোন রপেই হাহারদিণের সহিদ মনুষ্যের শুভাশুভ মৃজ্য-টনের সন্তাবনা মনে করিতে পারা যায় লা। শদি রপচক্রের গতি অপবা কোন প্রফলিত দীপকে আমা-দিগোর শুভাশুভ ঘটনার কারণ বলিয়া হির করা গন্ধর হান ভাগুভ্ছলে চন্দ্র স্থানি আকাশস্ত ভালু-পদাধকে বা ভাগুদিদের গতিকে আমাদিগের মঙ্গ-লামঙ্গলের কারণ বলিয়া স্থির করা সন্থর হইছে পারে। কোন আভ্রম্ভী নদীর গভিকে অপবা কোন নিংক্তিপ্ত প্রেম্ভরগণ্ডের পভনাবখাকে আমাদিগের মঙ্গ-লামঙ্গলের নিদান মনে করা যেমদ গ্রমুক্ত, গ্রহাদির গভিকিয়া প্রভৃতিকে আমাদিগের শুভাশুভ মন্টনের হেতু বিশাস করাও ভদ্ধপ অযুক্তি সন্ধত।

ত্র্য দিবাভাগে উদিত হইয়া আমাদিগকৈ আ-লোক ও উত্তাপ প্রদান করে; চন্দ্রইতে আমর। রাত্রিকালে আলেকি প্রাপ্ত হই, এবং নক্ষর সমূহ হইছেও রজনীতে আমরা কিছুহ আলোক পাইয়া

बहुत्रले बाएगांक ଓ उडालांनि ऐकिक शाशाहरका जामाहि। शत त्यलवाख छटाछछ रे পারে চক্স-ভূর্যাদি কাকাশস্থ পদার্থ ছারা আন ्रिक्त जाहारे चरित्रा थाटक; लिखन आद कि**ड्र** घरिता, " म्हादनः नाहै। त्यमन कान अञ्चलिक मीश दी उन्का अञ्चलात १११०क आध्वाकमञ्चलत्त्र, स्ट्री ଓ প্ৰক্ৰীয় কিবল দ্বারা সেইকপ ভূম ওলকে উজ্জ কৰিয়। शादक, त्यमम त्कान मर्शद्यदंड मीलाटनांक पांडिक गरे-स्म तारे मुर्शन रहेटल **एक अकात मृ**ष्ट्रकाणिः विवीर्न हरेशा बात्क, रमरेक्रम हास्टाङ सूर्य, त्माक, गेलिङ इंडेटल एक्टइडेटड ट्यूनिट्या निर्नेष्ठ रहा। इटक्टर नाम অপর গ্রহাদিতে স্থ্যালোক সংস্পৃত হইলে ভাহা-ছইতেও জ্যোৎসা করিত হইয়। থাকে। কোন বাগ্রেকর জাতকালে কোন গৃহবিশেবে দীপ প্রজ্ঞাত ইইলে ্যদি ভজনা সেই বালককে যাৰজীবন সুখছাখ ভোগ করিতে হয়, তাহাহইলেই জন্ম-কালে কোন গ্রহের কোন রাশিবিশেষে অব্ভিভি হইলে ভলিমিত মন্ধাকে ভতাতত কল ভোগ করা নছৰ হয়।

চন্দ্রেইণ এ স্বাগ্রহণ লইয়া যাহার। শুভাগুড় কলাকলের কপোলা করে তাহার। গ্রহণের স্তরপ জা-বিলে কোন রূপেই উক্ত প্রকার অনুলক কপোনা কয়িত লা। কোন প্রস্থালিত দীপ ও ঐ দীপ দর্শ-

কের মধ্যস্থানে অথর কোন ব্যক্তি দ্রায়মান হইলে रयगन पर्भरकत न्यां जो पील अपृत्री हय, स्मर्ट तल অমারস্যার দিন স্থর্যু ও পৃথিবীর মধ্যস্থানে চক্র সম-সূত্রপাতে উপস্থিত হইলে সুর্য্যগ্রহণ হইযা থাকে; अर्थीः शृथितीय लाटमत नगरन स्था अन्ना दयः धवर यमन कान मील अपर्यालंड मना साम कान মন্ধা দঙায়মান হইলে দর্পানের উপর উক্ত মনুষোর ছাগ্র পঢ়িয়া দর্পনকে ভমসাছল করে, সেইরূপ পূর্বি-মার দিন চক্র স্থেরে মগ্যভীগ্রেপৃথিবী সমস্ত্র-পাঙে উপদ্ভিত হইলে চক্রেতে পৃথিবী৷ ছায়া লাগিয়া চন্দুগ্ৰহণ উৎপন্ন হইয়া থাকে; স্বাদী এভাচুশ ভৌতিক ঘটনা ছারা কোন প্রকার অমধ্য উদ্ধিনের সন্ত্রা-बना मा दश, ज्राव करन्यूरणात अध्न चाहा । श्रुषिबीएज বা পৃথিবীর কোন দেলে কোন প্রকার অমন্তল ঘটনা। गञ्जव इडेरफ. शांत् मा।

ধ্মকেতুর উদয়াত হওয়া আকাশের আর একটি আছত ঘটনা। যেমন প্রাচন্দ্র ও অপর অপর এই সকল শূল জড় পদার্থ, গুমকেতুও উদ্ধাপ এক একার জড় পদার্থ; উহার শরীর-ছইতে বীপা অপেকাথ স্কা জ্যোতির্গয় এক প্রকার তেল বির্ণত হয়। ঐ তেজকে লোকে উহার পুক্ কহে। উহা যদি কদাচিং পৃথিবীতে পভিত হয়, ভাহা ইইলে অবশাই

উইর বেনে ও তেঁজে পৃথিবীর যোরতর অনিউ किंदिल भीरत तरहे; किन्छ जगनीश्वतत अनारम डीही क्लानकाटन पिविदात प्रक्रांदना नाहे; व्यमन क्रिम व्यक्ति पुरुषि उ छेछ । अक्रीनिक इंटेट मर्भ-ক্রেমা নিরাপনে ভারা-বাজি সন্দর্শন করে বা অপর रकाम अधिरको जुक अल्प्सांकन करत, आमझा अपने ক্ষিপু বছদুরে অবন্ধিতি করিয়া নির্কিন্মে ধুনকেতুর स्प्री । दम्बिटि है। कान अवनि हे ऐत्का रामन জড় প্রার্থ, গুনকেতুও সেইরপ হাড পদাথ,গুমকেতুব ্লার উন্কাপির সকরও জড় পদার্থ। উহারা जीकृष्टिकः निम्मीञ्चमार्व आकामश्रद्ध जम्म करते. ্রুমণ করিতেই যে সময়ে পুথিবীর অভি নিকটক হয়, নেই সময়ে উহার আকর্ষণে আকৃষ্ট হই রা পু'ববীতে পতিত হয় ৷ উহার৷ যেনন রাতিকালে প্তিত হয়, ংসইক্লপ কৰ্ম কখন দিবাভাগেও পড়ে; কিন্তু পতন देशह ममत तालिए रचमन उरानिभक चारनाकमय ক্ষেৰান, স্থৰ্যার জ্যোতির নিমিত দিবলে মে প্রকার क्रमात्र मा। कन्छः भूबा-इरेड क्राम-अस्त्रथकः अ अकड्डिट दिशास कलामित পठन इत्सा आह ্ৰাকাশ হইছে উল্কাপাত হওয়া একই ব্যাপার। क्षा प्रकार माथा किवूबाद इंडड विरमय नाई। का अब 'रनाटक का विवादन आटडेटड व्यथिन हरे

আকাশের সামৎসরিক ঘটনা ৷ ১০১

আলেককে আলেয়া বলিয়া নানাপ্রকার অমূলক আশস্কায় শক্ষিত স্ইয়া থাকে, এবং দে আলেয়:
য়টিছ নানাপ্রকার অমূলক গল্পের কম্পনা করে, পদার্থতত্ত্ব-বিং পণ্ডিভেরা একণে তাহার তত্ত্ব নিরপণ করিয়া
ভংশংক্রান্ত অমূলক প্রবাদ বিল্পুপ্ত করিভেছেন।
প্রতিপাণ প্রকাশ করিয়াছেল যে গলিত উদ্ভিদ ও
গলিত মংস্যাদি হইতে এমন এক প্রকার বাম্পা নির্গত
হয় যে তাহা অবহা বিশেষ প্রাপ্ত ইয়া দীপশিশার
নামে আলোকময় হয়।

চল্ডের উদয়ান্ত লইয়া কোনং কাক নানাপ্রকার অনুলক কথার বৰ্ণনা করিয় থাকে। চক্ত সর্বাদ্ধান বৰ্ণনা করিয় থাকে। চক্ত সর্বাদ্ধান কমন্য ও এক ভালে উদয় বা অন্ত হয় না, কথন পশ্চিমে উদিত হয়, কথন পূর্বহুইতে প্রকাশ পায়, কখন কিঞ্চিৎ উত্তরাংশো দুইট হয়, এবং কখন বা ক্ষান দিলিকেও প্রকাশ পায়; কখন টিক স্থ্যালিকের সময় অন্ত হয়, এবং কোন সময়ে এইরপ উদয়াক্তের কিঞ্চিৎ অন্ত পশ্চাংও ইইয়া থাকে। কিন্তু বস্তুতঃ ভাহার শহিত মনুমোর ফলাফলের কিছুই সগন্ধ নাই, কেবল প্রাকৃতিক নিয়মান্তসারেই চল্লোদয়ের, পুর্বোক্ত প্রকাশ কান্ত্রী থাকে। পূর্ণিমার দিন ক্রানাবিধ অবস্তাভেদ ঘটিয়া থাকে। পূর্ণিমার দিন চক্ত বথন প্রকাশিকে বিয়া প্রয়োর ঠিক সম্মবহুর্থ

हिशा थारक, खस्त युशांटल र मगर छे पिक इहेग्रां स्ट्यांपटस मगर अल हम थयन कि कि द छेल स्ट्यांपटस मगर अल हम थयन कि कि द छेल मगर अल हम था कि कि हहेग्रां स्ट्यांपटस कि हमान शेरत अल हम। हस खर श्रिक श्रांप स्ट्यांपटस कि हमान शेरत अल हम। हस खर श्रांप स्ट्यांपटस कि हमान शेरत अल हम। हस खर श्रांप स्ट्यांपत श्रांपत श्रांपत होति हम छेपाल हमें आप हरेंग्रे अल आपता अथम ता जिल्ल ज्यांद्रियां श्रांपत हमें। स्टिक छेपिल हम, ज्यान स्था ता जिल्ल ज्यांद्रियां हरेग्रां श्रांपत ।

কোনহ দেশে গ্রহ-পক্ষীর চন্দ্রকলার কোটির অবস্থা ভেদ উপলক্ষা করিয়াও বৎসরের কলাক্ষল নির্দিট হইয়, পাকে: অর্থাৎ শুলপক্ষের বিতীয়া তৃতীয়া অভৃতি ভিপিতে চল্লকলার উভয় আগ্রই স্থায়হইতে বদান শ্রস্থ থাকে, এবং চল্লা স্থানার উভরে কি দক্ষিণে অথন যেপ্রকার দূরত্ব হইয়া ছিভি করে, তথন সেই অনুসারে উভার উভয় কোটিও কণন ঠিক উদ্বিভিমুখ হট্যা থাকে, কর্মন পশ্চাৎ বা সম্মুখভাগেও একটু হেলিয়া থাকে। এক ভিপিতে চল্লকলার এ থকার বিভিন্ন ভার সংঘূর্মন করিয়াই অনভিজ্ঞ লোকে নানা-প্রকার অমূলক কুথার কপ্যনা করে। কোন প্রস্থানিভ ক্ষিপের সমূর্থে পিলাকার কোন প্রদার্থকে ধারণপ্রক্ষ

পাত করিয়া উক্ত গেলার অবঙা ভেল দটনার পরীক। করিয়া দেখা ঘাইতে পারে: এ পিঞাকার পদার্থকে দীপের সহিত সমা : উত্ত ক্ষিয়া ধরিলে ঐ ভারেরাঞ্চন यय थे ७ जन्मांकार वद छे छ। आह कि मधान प्रहेश: উন্ধতিমধে থাকে : আর নীপালেকা উদ্ভে ধারণ ঁ কবিলে ঐ থণ্ড চক্রীকারকে পশ্চাৎভাগে একটু জেলা द्वांत इस, अवर डिशांक यह मी:श्रा मीट्ड प्रव: यांत्र **७७३ दे एक्का** करम अभ्यमित द्विश अद् धरे छलाकाव-छाताशास्त्रत रेडिवर्धवर भव पर्छन। छात। যদি মন্তবের কোন শুভাশুভ নট্টন সন্তব না হয়, ভবে আকাশও নবচন্দ্র-কলার অবস্থাভেদ ঘটনাছার। কি প্রকারে মন্তবের মন্তবাস্থল বনীরে !

চান্ত্র এপর চই প্রকাব ঘটনা ম দশন করিয়াও দেশবিদেশবাদী লোকে ভানেক প্রকার কথার কণ্যনঃ कविशा थारक। अपन दिर्भटय कथनर भावनीय पूर्वि-মাৰ প্ৰাক কাৰে চন্দ্ৰ কএক দিন উপায় পেরি এক সমত্য উদিত इहेशा शांक । এই চল্লের নাম ''শ্স্য-চন্দ্র," चारी मंत्रकारन उपरवत अहे हमालाक म्हाप क्रियाः अष्टरम भटमात हिम्म अ जारतगिम कार्या ্ নিৰ্মাহ করিতে পারে: এবং দেশ বিশেষে কোনং नगर देवत मान अ देवनांच मात्म शुर्विमांत नमा राभिष्ठक नामक हटलांक्ट्यत आह यक अकात दिटलं र ইটরা হয় ি বাধের। এই চক্রালোক আশ্রের করিয়া রাজিকালে নির্কিছে স্বকার্য সাধন করে বলিয়া, লোকেইছার নাম "বাধ্যক্রে" রাথিয়াছে। চক্র স্থ্যা ও পৃথিধীর পরস্পর অবস্থান ভেদহার। উক্ত হুই প্রাহার অনুভূত ঘটন। ঘটিয়া থাকে।

শত্র পার্বর্জন হওয়াও বংসরের মধ্যে এক পর্ भारु बतुभात । अधियी खुगाटक अम्बिन कतिवात সময়ে" ভিন্ন ভিন্ন স্থানে গমন করিয়া ভিন্নভিন্ন প্রকার অবস্থা প্রাপ্ত হওয়াওত দীত গ্রীমাদি ভিন্নভিন্ন একার কতুর আবিভাব হয়। এীমকালে স্ণ্য ছই প্রহরের সময় চিক আন্দিশের মন্তকের উপর ধাকে, অর্থাথ ভংকালে হুয়োর রশি পুথিবীর উপর টিক সরলভাবে পড়ে বালয়া গৃথিবীতে উদ্ভাপ ক্লি ছইয়া গ্ৰীম শত্র আবির্তাব হয় ; শীতকালে পুথিবী কিঞ্চিৎ উত্তর पिटक **महाएक छेड़ा**त्र छेश्रत छ्रायं।त कित्र विक ममान ভাবে না পড়িয়া ঈশং তিৰ্যাগ্ ভাবে পড়ে বলিয়া পুৰিবীতে উন্তাপের ত্রাম হট্যা শীত করুর উৎপত্তি हेक्स शहक। कि अधि, कि तीख, त्य देकान ध्वकात ভেজোময় পদার্থ ছাউক, উছার কিরণ যত সরলভাবে পটে; ততই কেজের রদ্ধি হয়; আর যত বক্তাবে ्भएड, ७७३ : (इंटबंद द्वान इटेंड थारक। न्द्री वसम जतने छाटव अधिवीत छेशत कित्रण वर्षण করে তৎকালে গ্রীমের উৎপত্তি হয়, লার মে সময়ে উহার রশ্যি কিছু বক্ষভাবে পৃথিবীতে আগ্রমন করে, তথন শীতের আবিতার হয়। এই শীত-গ্রীম উত্তর শতুর মধ্যে শরং ও বসত্ত কালের উৎপত্তি হইয়া পাকে। গ্রীপ্রাবসানে পূথিবী জনাগত যত উত্তর্দিকে সরিতে থাকে, তত্ত ক্রমে সৌর তেজের ক্রান হইয়া শরদের উৎপত্তি হয়। করণ ক্রমে হয়া হইয়া শরদের উৎপত্তি হয়; এবং শীতের পর ভ্রত্তর মতে অংশেহ মায়, তেই ভ্রেনির কিরণ সভেজঃ ভ্রেমার করণ মত্ত্ব উৎপত্তি হয়। করণ করণ দেবালা হারিরও ক্রামান ক্রমির হয়। পাকে। গ্রীপ্রাক্রমের পরিক্রমার জনশার ক্রমির হয়, এবং শীতকালের রামির পরিক্রমান জ্রাধিক হয়। এই ঘটনাও প্রথিবীর বার্যিক পতি ভারা সম্পন হয়।

একটি ঘূর্ণিত গোলার কোন স্থানে চিহ্ন করিয়া বদি কেহ সেই চিছ্নিত স্থানের সহিত সমান করিয়া একটি দীপ ধারণ করে; ভাহা হইলে সেই চিহ্নিত খান ঘুরিতেই একরার আলোক ও একবার অরুকার প্রাপ্ত হয়; এবং আলোক ও অরুকার হুইই সমানরূপে ভোগ করে, অর্থাৎ যতক্ষণ আলোক প্রাপ্ত হয়, তভ্ কল অক্ষকার ভোগ করে। কিন্তু রু দীপ যদি উত্ত কিছের উদ্ধে ধরা যায় ভাহাইইলে এ চিহ্নিত স্থান অন্ধকারতিগক। অধিক, কণ্ স্থানোক ভোগ করে। ক্রমে দীপ যত উল্লেখী হয়; ততই আলোকেই অধিকাই ইন্ধি হইতে থাকে, এবং ঐ দীপ যদি চিট্রে নিয়ে পরা যায়, ভাইন ইইন্ধে কিছিও জানে আকারের ভাগ রুদ্ধি ইইনে কিছিও জানে আকারের ভাগ রুদ্ধি ইইনে কিছিও জানে আকারের ভাগ রুদ্ধি ইইনে কিছিও জানে ততই অধ্যানির করা যায়, উক্ত চিট্রেড জানে ততই অধ্যানির করা যায়, উক্ত চিট্রেড জানে ততই অধ্যানির ইয়। ভাতএই সূর্যা যথন আমাদিনের উল্লেখ্য আমাদিনের নিকট দিবদের ভাগ অহিন্ত আরম্ভ করে। ঐ দ্বিশ্বা রাতি বড় ইইভে আরম্ভ করে। ঐ দ্বিশ্বা রাতি বড়া রাতি বড়া রাতি বড়া রাতি বা রাতি বি রাতি বা রা রাতি বা রাতি বা রাতি বা রাতি বা